रांची

हिन्दी दैनिक

# वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:55 | गुरूवार,30 अक्टूबर | ₹5

## ब्रीफ न्यूज

### वैशाली में तेजप्रताप का विरोध

एजेंसी

पटना : वैशाली जिले के महनार विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को चुनावी सभा करने पहुंचे लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को विरोध का सामना करना पड़ा। सभा स्थल पर पहुंचे तेज प्रताप के सामने राजद समर्थकों ने तेजस्वी यादव जिंदाबाद और लालटेन छाप जिंदाबाद के नारे लगाए। विरोध इतना बढ़ गया कि आक्रोशित समर्थकों ने तेज प्रताप के काफिले कोकुछ दूर तक खदेड़ दिया।

### हम प्रत्याशी डॉ. अनिल पर पथराव व फायरिंग

एजेंसी

गया : बिहारविधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान टिकारी से हम (हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा) प्रत्याशी डॉ. अनिल कुमार पर मंगलवार देर शाम असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। घटना कोच थाना क्षेत्र के दिघौरा गांव की है। बताया गया कि सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों से हुई बहस के बाद कुछ लोगों ने अचानक पथराव और फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में डॉ. कुमार को हल्की चोट आई है। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया और मामले की जांच शुरू करदी है।

### शराब घोटाले में एसीबी ने आईएएस मनोज कुमार से की पूछताछ

संवाददाता

रांची : झारखंड में हुए बहुचर्चित शराब घोटाले की जांच के सिलसिले में राज्य के पूर्व उत्पाद सचिव व वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मनोज कुमार से बुधवार को एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) ने कई घंटे तक पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, एजेंसी अधिकारियों ने उनसे घोटाले से जुड़े वित्तीय और प्रशासनिक निर्णयों पर विस्तृत सवाल किए। हालांकि, उनके जवाबों से एसीबी अधिकारी संतुष्ट नहीं दिखे, जिसके बाद उन्हें गुरुवार को दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया गया है। मनोज कुमार को कुछ दिन पहले ही एसीबी ने नोटिस भेजा था। इसके बाद वे बुधवार को निर्धारित समय पर एसीबी मुख्यालय पहुंचे, जहां उनसे दो चरणों में लंबी पूछताछ हुई। पूछताछ के दौरान उनसे शराब दुकानों के संचालन, टेंडर प्रक्रिया, और चयनित कंपनियों की बैंक गारंटी से जुड़ी अनियमितताओं पर जवाब मांगे गए। एसीबी की जांच में खुलासा हुआ है कि झारखंड सरकार की ओर से शराब दुकानों के संचालन और मैनपावर सप्लाई का ठेका पाने वाली सात प्लेसमेंट कंपनियों ने टेंडर की शर्तों का उल्लंघन किया था। इन कंपनियों द्वारा जमा की गई बैंक गारंटी फर्जी पाई गई, जिससे राज्य सरकार को 129.55करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने के विरोध में बीजेपी, आजसू के आह्वान पर हुए 'कोल्हान बंद' का पश्चिमी सिंहभूम जिले में बुधवार को व्यापक असर देखने को मिला। बंद के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और जनजीवन प्रभावित रहा। सुबह ही बीजेपी, आजसू के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए।

# राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रचा इतिहास, फाइटर जेट राफेल में भरी उड़ान

## जिस फाइटर पायलट शिवांगी को पाकिस्तान ने पकड़ने का किया था दावा, वह राष्ट्रपति के साथ दिखीं

एजेंसी

अंबाला : भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को इतिहास रच दिया है। उन्होंने हरियाणा के अंबाला एयर फोर्स बेस से भारत के सबसे हाई टेक लड़ाकू विमान राफेल में उड़ान भरकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। वह इस अत्याधुनिक फाइटर जेट में उड़ान भरने वाली पहली भारतीय राष्ट्रपति बन गई हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने इससे पहले अप्रैल 2023 में असम के तेजपुर एयर फोर्स स्टेशन से सुखोई-30 एमकेआई में भी उड़ान भरी थी। राष्ट्रपति मुर्मू ने अंबाला एयरबेस से 4.5 जैनरेशन के लड़ाकू विमान राफेल में 33 मिनट की उड़ान भरी। इस दौरान उनकाविमान ग्रुप कैप्टन अमित ने उड़ाया, जबकि एयरचीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने दूसरे राफेल से उनको एस्कॉर्ट किया। इन सबके बीच स्कवाड्रन लीडर शिवांगी भी राष्ट्रपति के साथ दिखाई दीं। वे फाइटर प्लेन पायलट हैं और आपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने उनको पकड़ने का दावा किया था। राष्ट्रपति के साथ वे काफी सहज और विश्वास से भरी दिखाई दीं। राष्ट्रपति जिस राफेल विमान में सवार थीं, उसने अंबाला एयरबेस के रनवे से 11 बजकर 26 मिनट पर उड़ान (टेकआफ) भरी। वे 33 मिनट तक उड़ान में रहीं। इसके बाद 11:59 बजे राफेल ने रनवे पर लैंड किया। यह पहला मौका है, जब किसी राष्ट्रपति ने दूसरी बार लड़ाकू जहाज में उड़ान भरी है। इससे पहले उन्होंने 8 अप्रैल 2023 को असम के तेजपुर एयर फोर्स स्टेशन पर सुखोई-30 एमकेआइ फाइटर जेट में उड़ान भरी थी। उन्होंने सुखोई में करीब 30 मिनट तक उड़ान भरी थी। इस विमान को स्कवाड्रन 106 के कमांडिंग आफिसर ग्रुप कैप्टन नवीन कुमार ने उड़ाया था। इस विमान ने 800 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से लगभग दो किमी की ऊंचाई पर उड़ान भरी थी। इससे पहले साल 2009 में राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने पुणे के लोहगांव एयरफोर्स बेस से सुखोई-30 एमकेआई में उड़ानभरी थी। राष्ट्रपति जिस राफेल विमान में सवार थीं, उसने अंबाला एयरबेस के रनवे से 11 बजकर 26 मिनट पर उड़ान (टेकआफ) भरी। वे 33 मिनट तक उड़ान में रहीं। इसके बाद 11:59 बजे राफेल ने रनवे पर लैंड किया। यह पहला मौका है,

## छठ खत्म होते ही बिहार में तेज हुआ चुनावी शोर, एक-दूसरे पर तेज हुआ जुबानी हमला

### केंद्रीय गृह मंत्री ने दरभंगा और बेगूसराय में जनसभा कर विपक्ष पर साधा निशाना

### लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दरभंगा और मुजफ्फरपुर में की चुनावी जनसभा

**अमित शाह बोले**

## दिल्ली में पीएम और बिहार में सीएम की कुर्सी खाली नहीं

बेगूसराय / दरभंगा : बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए के मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर जारी अटकलों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को स्थिति साफ करने की कोशिश की। बेगूसराय में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि 'बिहार में मुख्यमंत्री का पद खाली नहीं है और दिल्ली में प्रधानमंत्री का पद भी खाली नहीं है। यहां नीतीश कुमार हैं और वहां नरेंद्र मोदी हैं।' शाह ने महागठबंधन पर तीखा हमला करते हुए कहा कि लालू प्रसाद और सोनिया गांधी केवल परिवारवाद की राजनीति करते हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, 'लालू जी अपने बेटे तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और सोनिया जी अपने बेटे राहुल को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं, लेकिन दोनों पद खाली नहीं हैं। जनता ने पहले ही तय कर लिया है कि बिहार में नीतीश कुमार और देश में मोदी जी ही नेतृत्व करेंगे।' इससे पहले दरभंगा की सभा में शाह ने कहा था कि भाजपा ने बिहार चुनाव में कई युवाओं को टिकट दिया है, जबकि राजद और कांग्रेस में युवाओं की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन में लोकतंत्र नहीं, बल्कि वंशवाद चलता है।

**राहुल गांधी बोले**

## नरेंद्र मोदी वोट के लिए नाचने को भी हो जाएंगे तैयार

मुजफ्फरपुर : बिहार विधानसभा चुनाव अभियान में कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को औपचारिक रूप से मैदान में उतर गए। उन्होंने मुजफ्फरपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखे प्रहार किए। राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर 'वोट के लिए कुछ भी करने' का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर मतदाता कहें तो वे नाचने को भी तैयार हो जाएंगे। राहुल ने कहा, 'वो (मोदी) सिर्फ आपका वोट चाहते हैं। अगर आप उनसे कहें कि नाचो, तो वो नाचेंगे। वो आपका वोट चुरा रहे हैं। महाराष्ट्र में वोट चुराए, हरियाणा में चुराए, अब बिहार में भी कोशिश करेंगे।' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता के लिए लोकतंत्र की जड़ें काट रही है और देश के हर संस्थान को कमजोर कर रही है।कांग्रेस सांसद ने बिहारियों की मेहनत और योगदान की सराहना करते हुए कहा, 'मैं जहां भी जाता हूं- दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु या गुजरात- वहां बिहार के लोग मिलते हैं,

## घाटशिला विस उपचुनाव के घमासान में अब होगी स्टार प्रचारकों की एंट्री

संवाददाता

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के लिए वोटिंग 11 नवंबर को है। भाजपा के उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन और झामुमो के कैंडिडेट सोमेश सोरेन के बीच मुकाबला है। स्थानीय स्तर पर दोनों तरफ से जमकर प्रचार किया जा रहा है। अब दो-ती दिनों में दोनों तरफ के स्टार प्रचारकों की एंट्री होने वाली है। जानकारी के अनुसार, दो से पांच नवंबर के बीच भाजपा एवं झामुमो के स्टार प्रचारक वहां चुनाव मिजाज को दिलचस्प बनाएंगे। प्रदेश भाजपा की ओर से गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जी. कृष्णण रेड्डी एवं ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी के चुनावी कार्यक्रम का प्रस्ताव बनाकर केंद्रीय नेतृत्व को भेजा गया है। दूसरी ओर झामुमो के दो प्रमुख स्टार प्रचारक पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष- सह-मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी विधायक कल्पना सोरेन के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। फिलहाल झामुमो की ओर मंत्री दीपक बिरुआ समेत कोल्हान क्षेत्र के स्थानीय विधायक प्रखंड से लेकर बूथ स्तर तक अपने काम में जुटे हुए हैं। हर दिन प्रखंड एवं पंचायत स्तर के कार्यकर्ताओं सेरिपोर्टिंग ली जा रही है।

## सीईओ समिट को अमेरिकी राष्ट्रपति ने किया संबोधित

# ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया सबसे अच्छा इंसान

एजेंसी

**कहा- काफी प्रयासों के बाद भारत और पाकिस्तान संघर्ष विराम पर हो गए राजी**

नई दिल्ली : बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे अच्छा दिखने वाला इंसान करार दिया। ट्रंप ने ये भी कहा कि भारत के साथ ट्रेड डील जल्द होगी। ट्रंप ने ये बातें साउथ कोरिया में हो रहे एपेक सीईओ समिट में कहीं। ट्रंप ने अपने भाषण में भारत-पाकिस्तान तनाव का जिक्र किया। कहा कि जब दोनों देश लड़ रहे थे तो मैंने दोनों से जंग रोकने को कहा, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। ट्रंप ने मोदी के लहजे में कहा, नो वी विल फाइट। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने दोनों देशों पर 250% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इसके दो दिन बाद दोनों ने फोन किया और सीजफायर पर सहमति जता दी। गौरतलब है कि कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर बीते हफ्ते कहा था- भारत जल्दबाजी में सौदे और सिर पर बंदूक रखकर डील नहीं करता है।मेरिका चाहता है कि उसके डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे दूध, पनीर, घी को भारत में आयात की अनुमति मिले। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और इस सेक्टर में करोड़ों छोटे किसान लगे हुए हैं। भारत सरकार को डर है कि अगर अमेरिकी डेयरी उत्पाद भारत मेंआएंगे, तो वे स्थानीय किसानों को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा धार्मिक भावना भी जुड़ी हुई हैं। अमेरिका में गायों को बेहतर पोषण के लिए जानवरों की हड्डियों से बने एंजाइम (जैसे रैनेट) को उनके खाने में मिलाया जाता है। भारत ऐसी गायों के दूध को नॉन वेज मिल्क यानी मांसाहारी दूधमानता है।

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से आज काके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद श्री डेरेक ओ'ब्रायन ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

**न्यूज स्टडी**

**जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति की बैठक**

# मौलाना महमूद असद मदनी जमीअत उलमा-ए-हिंद के सर्वसम्मति से दूसरी बार अध्यक्ष चुने गए

एजेंसी

- समिति ने मुसलमानों पर घुसपैठ और जनसांख्यिकी बदलने के आरोप को निराधार बताया
- जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति ने सरकार को चेतावनी दी कि वह अपुष्ट और सांप्रदायिक बयानों से बचे
- वक्फ एक्ट 2025 अवकाफ की धार्मिक पहचान के गंभीर खतरा, जमीअत कानूनी और लोकतांत्रिक स्तर पर इसका पुरजोर विरोध जारी रखेगी
- कहा- फिलिस्तीन में शांति की स्थापना एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राष्ट्र पर निर्भर

नई दिल्ली:नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 2025: जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आज नई दिल्ली के आईटीओ स्थित मदनी हॉल में जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें वक्फ संशोधन अधिनियम 2025, अवैध घुसपैठ का मुसलमानों पर आरोप लगाने, फिलिस्तीन शांति समझौता और देश की वर्तमान परिस्थितियों में मुस्लिम अल्पसंख्यकों पर घेरा तंग करने जैसे समकालीन ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही नए कार्यकाल के लिए जमीअत उलमा-ए-हिंद के केंद्रीय अध्यक्ष पद की घोषणा की गई।

कार्यकारी समिति की बैठक में देश भर से जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति के सदस्यों और विशेष आमंत्रित प्रतिनिधियों ने भाग लिया और कई प्रस्तुतियां दी गईं।आरंभ में जमीअत उलमा-ए-हिंद के महासचिव मौलाना मोहम्मद हकीमुद्दीन कासमी ने पिछली कार्यवाही प्रस्तुत की।बैठक में, जमीअत उलमा-ए-हिंद के संविधान के अनुच्छेद 52 के अनुसार, नए कार्यकाल के अध्यक्ष पद के लिए मौलाना महमूद असद मदनी के नाम की सर्वसम्मति से घोषणा की गई। सभी राज्यों की कार्यकारी समिति ने अगले कार्यकाल के लिए उनकी अध्यक्षता की सिफारिश की थी। अतः, अब यह घोषणा की जाती है कि मौलाना का 2024-27 के कार्यकाल के लिए जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष के रूप में चुनाव हो गया है। अध्यक्ष पद के चुनाव के बाद, इसी बैठक में मौलाना मदनी ने संविधान के अनुसार कार्यभार भी ग्रहण कर लिया और इस तरह नए कार्यकाल की आधिकारिक शुरूआत हो गई।इससे पूर्व, चुनाव बोर्डों की देखरेख में होने वाले जमीअत उलमा-ए-हिंद की सभी प्रदेश इकाइयों के चुनावों का विवरण प्रस्तुत किया गया, जिसे मंजूरी दे दी गई। कार्यकारी समिति में दिल्ली, तेलंगाना और असम में निर्धारित अवधि में प्रादेशिक चुनाव पूरा न हो पाने पर भी विचार किया और निर्णय लिया गया कि बोर्डों को निर्देश दिया जाता है कि अपने विवेकानुसार तीन महीने की अवधि में चुनाव पूरा करा लें।

### रांची में पकड़ाया 12 फीट का अजगर

रांचीः जिले के टाटीसिलवे थाना क्षेत्र के मिश्रा टोला में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब श्रीकांत मिश्रा के घर में करीब 10 से 12 फीट लंबा अजगर निकल आया। घर के आंगन में अचानक विशाल सांप को देखकर परिजनों के साथ-साथ आस-पड़ोस के लोग भी डर के मारे चीख पड़े। कुछ ही देर में आसपास के लोग वहां जुट गए। मोबाइल से वीडियो बनाने लगे। वन विभाग से संबद्ध सर्पमित्र आ कर उसे पेड़ से उतारा और लेकर गए। संभवतः पहली बार ऐसा है जब इतना बड़ा अजगर घर से रेस्क्यू किया गया है।रांची जिले के टाटीसिलवे थाना क्षेत्र के मिश्रा टोला में मंगलवार की शाम उस वक्त हड़कंप मच गया जब श्रीकांत मिश्रा के घर में करीब 10 से 12 फीट लंबा अजगर निकल आया। घर के आंगन में अचानक विशाल सांप को देखकर परिजनों के साथ-साथ आस-पड़ोस के लोग भी डर के मारे चीख पड़े। कुछही देर में आसपास के लोग वहां जुट गए।

# हटिया-राउरकेला रेलखंड में कानारोवां रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, रेल यातायात बाधित

रांची, संवाददाता ।

सिमडेगा के कानारोवां हटिया-राउरकेला रेलखंड में कानारोवां और कटाईंन के बीच पोल संख्या 524/34 और 524/35 के मध्य घाटी में राउरकेला से रांची की तरफ जा रही मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इसकी वजह से अप और डाउन दोनों ही लाइन पूरी तरह से क्षतिग्रत हो गई है. मालगाड़ी की कुल 10 बोगी हुई बेपटरी होकर पलट गई है. जिससे राउरकेला-हटिया रेल लाइन पूरी तरह बाधित हो गई है.

**डीआरएम ने की पुष्टि**

रांची रेल मंडल के डीआरएम करुणा निधि सिंह ने इस बात की पुष्टि की है. उन्होंने बताया कि एक मालगाड़ी की कुछ बोगियां पटरी से उतर गई हैं. हालांकि इसकी वजह से किसी तरह की जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है. फिलहाल इस लाइन पर यातायात को सामान्य करने की कवायद चल रही है. अभी तक की सूचना के मुताबिक हटिया-राउरकेला रेलखंड पर यातायात बाधित होने की वजह से ट्रेन संख्या 18451 हटिया- पुरी तपस्विनी एक्सप्रेस, यात्रा प्रारम्भ दिनांक 29.10.2025 का हटिया स्टेशन के स्थान पर राउरकेला स्टेशन से आंशिक प्रारंभ होगी.

**11 ट्रेनों का परिचालन प्रभावित**

रांची रेल मंडल की सीनियर डीसीएम शुचि सिंह ने बताया कि घटना के कारण लगभग 11 ट्रेनों का परिचालन प्रभावित है. लेकिन यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है. उन्होंने बताया कि यात्रियों को सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक पहुंचाने की हर संभव कोशिश की जा रही है. डीआरएम स्वयं मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं.

### ट्रेन का आंशिक प्रारम्भ

- ट्रेन संख्या 18175 हटिया- झारसुगुड़ा मेमू, यात्रा प्रारम्भ दिनांक 29.10.2025 का हटिया स्टेशन के स्थान पर राउरकेला स्टेशन से आंशिक प्रारंभ होगा.

**ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन**

- ट्रेन संख्या 15027 संबलपुर-गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस यात्रा प्रारंभ दिनांक 29.10.2025 अपने निर्धारित मार्ग राउरकेला-हटिया-मूरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग राउरकेला-सीनी-चाण्डिल-गुण्डा बिहार-मूरी होकर चलेगी.
- ट्रेन संख्या 18523 विशाखपट्टणम-बनारस एक्सप्रेस, यात्रा प्रारम्भ दिनांक 29.10.2025 अपने निर्धारित मार्ग राउरकेला-हटिया -मूरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग राउरकेला-चक्रधरपुर-कान्ड्रा-चांडिल-गुण्डा बिहार-मूरी होकर चलेगी.
- ट्रेन संख्या 12836 सर एम विश्वेश्वरैया बेंगलुरु टर्मिनल-हटिया एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 28.10.2025 अपने निर्धारित मार्ग राउरकेला-हटिया के स्थान पर परिवर्तित मार्ग राउरकेला-चक्रधरपुर-कान्ड्रा-चांडिल-पुरुलिया-कोटशिला-मूरी होकर चलेगी.
- ट्रेन संख्या 18638 सर एम विश्वेश्वरैया बेंगलुरु टर्मिनल-हटिया एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 28.10.2025 अपने निर्धारित मार्ग राउरकेला-हटिया के स्थान पर परिवर्तित मार्ग राउरकेला-चक्रधरपुर-कान्ड्रा-चांडिल-पुरुलिया-कोटशिला-मूरी होकर चलेगी.
- ट्रेन संख्या 06056 बरौनीझपोत्तनूर स्पेशल, यात्रा प्रारंभ दिनांक 29.10.2025 को अपने निर्धारित मार्ग मूरी-हटिया-राउरकेला के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मूरी-गुण्डा बिहार-चाण्डिल-राउरकेला होकर चलेगी.
- ट्रेन संख्या 13351 धनबाद-अल्लापुझा एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 29.10.2025 को अपने निर्धारित मार्ग मूरी-हटिया-राउरकेला के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मूरी-गुण्डा बिहार-चाण्डिल-राउरकेला होकर चलेगी.

**ट्रेन रद्द रहेगी**

- ट्रेन संख्या 58659 हटिया-राउरकेला पैसेंजर, यात्रा प्रारंभ दिनांक 29.10.2025 को रद्द रहेगी. मालगाड़ी दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है. प्रभावित ट्रेनों को या तो शॉर्ट टर्मिनेट किया जा रहा है या वैकल्पिक मार्गो से परिचालन किया जा रहा है.

# शिक्षक संघ के रजत जयंती समारोह में विधायक राजेश कच्छप ने कहा, जायज मांगों के लिए करेंगे संघर्ष

रांची, संवाददाता ।

अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ, झारखंड प्रदेश ने आज अपने स्थापना की रजत जयंती जैक सभागार में मनाई. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खिजरी विधायक राजेश कच्छप थे. उन्होंने शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्राथमिक शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की नींव हैं. खिजरी विधायक ने कहा कि शिक्षकों की सभी जायज मांगें, जिनमें एमएसीपी सहित अन्य मुद्दे शामिल हैं, सरकार के संज्ञान में हैं. श्री कच्छप ने टीईटी से संबंधित न्यायालय आदेश को अनावश्यक बताते हुए कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वे शिक्षकों के साथ सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे और उनकी आवाज सरकार तक पहुंचायेंगे .

संघ के महासचिव राममूर्ति ठाकुर ने कहा कि वर्ष 2000 में शिक्षकों की वेतन सहित अन्य समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से संघ की स्थापना हुई थी. उन्होंने संघ की 25 वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ सदैव शिक्षकों के अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है. संघ के संस्थापक एवं पूर्व अध्यक्ष उत्तिल यादव ने कहा कि संघ की यह 25 वर्षों की यात्रा संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायक रही है. प्रदेश अध्यक्ष अनूप केशरी ने कहा कि आने वाले समय में संघ और अधिक सशक्त रूप से शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करेगा. प्रदेश मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने संघ के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ न केवल शिक्षकों के अधिकारों के लिए बल्कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए भी समर्पित है. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सुषमा नाग एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुआ.स्वर्गीय शिक्षकों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गया. पूर्व अध्यक्षों एवं महासचिवों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर हरेकृष्ण चौधरी, दीपक दत्ता, असदुल्लाह, राकेश कुमार, सतीश बड़ाइक, अजय ज्ञानी, सलीम सहाय, शंकर खलखो, कमलेश गुप्ता, रमेश कुमार, सुनील भगत, सियाराम प्रसाद सिंह, सुधीर दुबे सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं पदाधिकारी मौजूद रहे.

# सीसीएल में साइबर सुरक्षा क्विज का किया गया आयोजन

रांची, संवाददाता ।

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में अक्टूबर महीने को साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाया जा रहा है. इसी मौके पर साइबर जागृत भारत अभियान के तहत आज सीसीएल मुख्यालय और इसके अलग-अलग क्षेत्रों में साइबर सुरक्षा क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई. इस प्रतियोगिता में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और साइबर सुरक्षा से जुड़ी जानकारी दिखाई. इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को सुरक्षित तरीके से इंटरनेट और डिजिटल साधनों का उपयोग करने के लिए जागरूक करना था. कल सीसीएल मुख्यालय में साइबर सुरक्षा पर एक दिन की कार्यशाला भी होगी. इसमें पासवर्ड कैसे सुरक्षित रखें, फिशिंग से कैसे बचें, डेटा की गोपनीयता कैसे बनाए रखें और मोबाइल सुरक्षा जैसे विषयों पर चर्चा होगी. अभियान के दौरान सीसीएल ने पोस्टर, बैनर और सोशल मीडिया के जरिए भी साइबर सुरक्षा से जुड़े संदेश साझा किए. साथ ही कंपनी ने अपनी वेबसाइट का साइबर ऑडिट कराया ताकि उसकी ऑनलाइन सुरक्षा और मजबूत हो सके।

# जल जीवन मिशन के संवेदकों के सब्र का बांध टूटा, झारखंड में शुरू किया जल बंद आंदोलन

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में जल जीवन मिशन के संवेदकों ने जल बंद आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है. दावा है कि काम करने के बावजूद पिछले 20 माह से राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है. मार्च 2024 से भुगतान बंद है. इसकी वजह से तमाम छोटे संवेदक दिवालिया होने की कगार पर हैं. बैंक से डिफॉल्टर हो रहे हैं. अब बकाया राशि के लिए आंदोलन के सिवा कोई दूसरा विकल्प नहीं दिख रहा है. इसी वजह से संवेदकों ने राजभवन के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया.

**संघ को 30 दिनों का अल्टीमेटम**

झारखंड संवेदक संघ ने घोषणा की है कि 30 दिनों के भीतर भुगतान को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ तो सामूहिक धरना, मुख्यालय घेराव का काम शुरू किया जाएगा. दावा किया गया है कि राज्य के छोटे ठेकेदार अपना खर्चे से गांवों में जलापूर्ति को चालू रखे हुए हैं. लिहाजा, छोटे ठेकेदारों का भुगतान पहले होना चाहिए. आरोप है कि मिशन के तहत चल रहे बहु ग्राम और एकल ग्राम योजना के नाम पर भी भेदभाव किया जा रहा है. राज्य सरकार से भुगतान का टाइमलाइन जारी करने की मांग की गई है.

**संवेदकों को राज्यांश से मदद करेगी सरकार: पेयजल मंत्री**

इस मसले पर पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि संवेदकों की चिंता से राज्य सरकार वाकिफ है और चिंतित भी है. राज्य सरकार भुगतान करना चाहती है लेकिन केंद्र सरकार अपना केंद्रांश नहीं दे रही है. इसको लेकर कई बार केंद्रीय जल शक्ति से मुलाकात कर चुके हैं सिर्फ आश्वासन मिलता है. अब मजबूर होकर स्टेट फंड से संवेदकों को पैसे देने की कोशिश कर रहे हैं.

**केंद्र सरकार कर रही दोहरा व्यवहार: मंत्री योगेंद्र प्रसाद**

उन्होंने बताया कि राज्यांश मात्र 2500 करोड़ है लेकिन देनदारी 6500 करोड़ है. यह नाकाफी है. फिर भी वित्त मंत्रालय को फाइल सहमति के लिए मूव की गई हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि कई दूसरी योजनाओं के अलावा रॉयल्टी से जुड़ा केंद्रांश देने में ही केंद्र सरकार दोहरा व्यवहार कर रही है. इसका खामियाजा राज्य को भुगतना पड़ रहा है. दरअसल, झारखंड में इसकी शुरूआत 15 अगस्त 2019 को हुई थी. मकसद था सभी ग्रामीण घरों, आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में दिसंबर 2024 तक नल से जल पहुंचाना. हालांकि, झारखंड समेत कई राज्यों में काम पूरा नहीं होने पर केंद्र सरकार ने योजना का विस्तार 2028 तक के लिए कर दिया है. झारखंड में 62.54 लाख ग्रामीण घरों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य है. इनमें से 34.43 लाख घरों तक नल से जल पहुंचाया जा चुका है.

# रांची पुलिस की बड़ी कार्रवाई: लोअर बाजार से भारी मात्रा में प्रतिबंधित मांस जब्त, दो ट्रक पकड़े गए



रांची, संवाददाता ।

रांची में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लोअर बाजार थाना क्षेत्र से भारी मात्रा में प्रतिबंधित पशु के मांस को बरामद किया है. इस कार्रवाई में मांस से भरे दो ट्रक को पकड़ा गया, जिसमें एक बड़ा और एक छोटा ट्रक जब्त किया गया है. पुलिस को बुधवार को सूचना मिली थी कि लोअर बाजार थाना क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित पशु का मांस लाया जा रहा है. इसी सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने तत्काल छापेमारी करते हुए प्रतिबंधित मांस को मौके पर ही पकड़ लिया. मांस की बरामदगी के बाद पुलिस अब इस अवैध कारोबार में शामिल लोगों की पहचान करने और उनकी गिरफ्तारी में जुट गई है. पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है ताकि इस धंधे के पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके.

**झारखंड में गोवंश पर प्रतिबंध**

गौरतलब है कि झारखंड राज्य में 2005 से ही गोवंश की हत्या और उसके मांस के व्यापार पर प्रतिबंध है. यह प्रतिबंध 'झारखंड गौवंशीय पशु हत्या प्रतिषेध अधिनियम 2005' के तहत लागू है. प्रतिबंध के बाद डोरंडा और कांटाटोली की वधशालाएं बंद हो गई थीं.

# शहर की सरकार बनाने को बेताब झारखंड कांग्रेस, प्रदेश अध्यक्ष ने बुलाई समीक्षा बैठक !

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में अब तक न तो नगर निकाय चुनाव की घोषणा हुई है और न ही निकट भविष्य में होनेवाला निकाय चुनाव दलीय आधार पर होगा. इसके बावजूद झारखंड कांग्रेस आसन्न शहरी निकाय चुनाव कप लेकर बेहद गंभीर दिखाई दे रही है. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने शहरी निकाय ( अर्बन लोकल बॉडी-वछइ) चुनाव की तैयारियों को लेकर 30 और 31 अक्टूबर को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में समीक्षा बैठक बुलाई है. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और सरकार के समन्वय समिति के सदस्य केशव महतो कमलेश कहते हैं कि संगठन सृजन वर्ष में हम बूथ से लेकर राज्य मुख्यालय तक पार्टी संगठन को मजबूत बनाने में लगे हैं. अर्बन लोकल बॉडी, ग्राम पंचायत स्तर तक पार्टी संगठन को धारदार बनाने की कोशिश के तहत संगठन सृजन वर्ष में निकाय चुनाव में सहभागिता को कांग्रेस महत्वपूर्ण मान रही है. इसको लेकर केशव महतो कमलेश ने कहा कि भले ही आसन्न नगर निकाय चुनाव दलीय आधार पर नहीं होगा लेकिन हमारे उम्मीदवार चुनाव मैदान में होंगे. इन दो दिनों में न सिर्फ राज्य के 09 नगर निगम, 19 नगर परिषद और 20 नगर पंचायत के आसन्न चुनाव को लेकर अपनी तैयारियों की समीक्षा करेंगे. बल्कि ग्रामीण ग्राम पंचायत कांग्रेस कमिटी और बूथ लेवल एजेंट को लेकर अभी तक की हुई प्रगति की भी समीक्षा करेंगे.

**'हमारे उम्मीदवार निकाय चुनाव में होंगे'**

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने साफ किया कि भले ही आसन्न नगर निकाय चुनाव दलीय आधार पर नहीं हो लेकिन हमारे उम्मीदवार चुनाव में जरूर होंगे. पार्टी के प्रति समर्पित और निष्ठावान लोग चुनाव जीतें, इसकी कोशिश होगी. झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि जब अर्बन लोकल बॉडी में हमारे लोगों की संख्या बढ़ेगी तो उसका लाभ कांग्रेस और सहयोगी दलों को भी होगा. अभी लोकल बॉडी चुनाव को लेकर सहयोगी दलों के साथ कोई बात नहीं हुई है, अभी पूरा ध्यान अपने दल की तैयारी पर है.

# कोल्हान बंद पर सियासत तेज, कांग्रेस ने बताया फ्लॉप, भाजपा ने कहा- घाटशिला उपचुनाव में दिखेगा असर

रांची, संवाददाता ।

एनएच 220 पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं और लोगों की जान जाने के विरोध में चाईबासा में बुलाए गए बंद को लेकर राजनीति गरमा गई है. प्रदेश भाजपा ने आज पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में बंद को सफल बताया और सरकार को अपनी दमनकारी नीतियों से बाज आने की चेतावनी दी. सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद पर निशाना साधते हुए भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने कहा कि जिस तरह से लोग नो-एंट्री की मांग को लेकर परिवहन मंत्री के आवास का घेराव करने जा रहे थे, उस दौरान लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागे गए, उससे सरकार की मंशा साफ झलकती है, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं है कि इसी जनता ने मंत्री, विधायक और मुख्यमंत्री को चुना है. उन्होंने दावा किया कि जिस तरह से लोगों ने आज बंद का आयोजन कर इस सरकार के प्रति अपनी नाराजगी जताई, उसका असर आगामी घाटशिला उपचुनाव पर साफ तौर पर पड़ेगा.

**कांग्रेस ने बंद को फ्लॉप बताया**

वहीं कांग्रेस ने भाजपा द्वारा प्रायोजित कोल्हान बंद को फ्लॉप करार देते हुए कहा कि जनता ने इसे पूरी तरह से नकार दिया है. प्रदेश कांग्रेस महासचिव राकेश सिन्हा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है. इसलिए वह जानबूझकर जनता को गुमराह करने के लिए ऐसे मुद्दे उठा रही है. सरकार और प्रशासन पर इस तरह का दबाव बनाकर भाजपा जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है, जो जगजाहिर है. इसीलिए जनता ने आज के बंद को नकार दिया है. उन्होंने कहा कि भाजपा पिछले दरवाजे से सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रही है.

# विनय सिंह व स्निग्धा सिंह की केस डायरी नहीं जमा होने से एसीबी कोर्ट में 1 नवंबर को सुनवाई

रांची, संवाददाता ।

आईएएस विनय चौबे के हजारीबाग डीसी रहने के दौरान वन भूमि की अवैध ढंग से खरीद-बिक्री और नियमविरुद्ध म्यूटेशन से जुड़े केस के प्रमुख आरपी विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह की अलग-अलग याचिका पर हजारीबाग एसीबी की विशेष अदालत में सुनवाई हुई. पिछली सुनवाई में कोर्ट ने एसीबी को केस डायरी पेश करने का निर्देश दिया था, लेकिन एसीबी की ओर से केस डायरी पेश नहीं की गई और डायरी जमा करने के लिए समय देने का आग्रह किया गया, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने दोनों आरोपियों की याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 1 नवंबर की तिथि निर्धारित की है. आईएएस विनय चौबे के करीबी ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह अउइ की कांड संख्या 11/2025 की नामजद आरोपी हैं. एसीबी के मुताबिक, जिस भूमि को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है, वह विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह के नाम है. यह भूमि हजारीबाग के सदर अंचल के थाना नंबर 252 में स्थित है. जिसका खाता नंबर 95, प्लॉट नंबर 1055, 1060 और 848 जिसका कुल रकबा 28 डिसमिल एवं खाता नंबर 73, प्लॉट नंबर 812 का रकबा 72 डिसमिल है. यह भूमि सदर अंचल के बभनवे मौजा के हल्का 11 में स्थित है. उक्त खाता प्लाट की भूमि पर विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह का दखल कब्जा है और फिलहाल इसपर नेक्सजेन का शोरूम संचालित है. एसीबी की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने बहस की, वहीं स्निग्धा सिंह की ओर से अधिवक्ता शंकर बनर्जी ने बहस की. विनय सिंह ने नियमित बेल के लिए याचिका दायर की है वहीं उनकी पत्नी ने अग्रिम जमानत याचिका दायर की है.

**विनय सिंह की पत्नी स्निग्धा सिंह को हाईकोर्ट से झटका, नहीं मिली अग्रिम बेल**

जेल में बंद ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह की पत्नी स्निग्धा सिंह को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है. बुधवार को हाईकोर्ट ने उन्हें अग्रिम बेल देने से इनकार करते हुए उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर एसीबी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. स्निग्धा सिंह की अग्रिम जमानत याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की बेंच में सुनवाई हुई. स्निग्धा के ऊपर एसीबी ने आईएएस विनय चौबे के हजारीबाग डीसी रहने के दौरान वन भूमि की अवैध ढंग से खरीद-बिक्री और नियमविरुद्ध म्यूटेशन का मामला दर्ज किया है. जिसके बाद उनके ऊपर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है. स्निग्धा सिंह अउइ की कांड संख्या 11/2025 की नामजद आरोपी हैं. अउइ के मुताबिक, जिस भूमि को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है वह विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह के नाम है. यह भूमि हजारीबाग के सदर अंचल के थाना नंबर 252 में स्थित है. जिसका खाता नंबर 95, प्लॉट नंबर 1055, 1060 और 848 जिसका कुल रकबा 28 डिसमिल एवं खाता नंबर 73, प्लाट नंबर 812 का रकबा 72 डिसमिल है. यह भूमि सदर अंचल के बभनवे मौजा के हल्का 11 में स्थित है.

# झारखंड में जल्द होगा नगर निकाय चुनाव! तैयारी में जुटी सरकार

रांची, संवाददाता ।

### राजनीतिक दलों ने कसी कमर

झारखंड में नगर निकाय चुनाव की घोषणा जल्द होने की संभावना है. झारखंड हाईकोर्ट के सख्त रुख के बाद हेमंत सरकार ने नगर निकाय चुनाव को लेकर सकारात्मक रुख अपनाते हुए जल्द ही इसे कराने का निर्णय लिया है. ऐसी संभावना है कि इस मामले में आगामी 10 नवंबर को होनेवाली सुनवाई से पूर्व सरकार कैबिनेट की मंजूरी लेकर राज्य निर्वाचन आयोग को इसकी हरी झंडी दे देगी. पिछले कैबिनेट की बैठक में हुए निर्णय के अनुसार जिला स्तर पर इन दिनों शहरी निकायों के वार्ड एवं पदों के आरक्षण के निर्धारण को अंतिम रुप दिया जा रहा है. जिला स्तर से आरक्षण का निर्धारण होने के पश्चात राज्य निर्वाचन को भेजा जाएगा. बता दें कि राज्य में 48 शहरी निकाय क्षेत्र हैं जहां ओबीसी ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट के बाद पहली बार बीसी-1 और बीसी-2 के लिए सीटें निर्धारित होंगी. पिछड़ा वर्ग आयोग के अनुशंसा पर शहरी निकाय क्षेत्र में अधिकतम आरक्षण 50% होगा जिसमें एससी, एसटी और बीसी-1, बीसी-2 के लिए सीटें निर्धारित होगी. मेयर,वार्ड पार्षद जैसे पदों का आरक्षण चक्रीय होगा. बता दें कि लगभग तीन वर्षों से निकाय चुनाव नहीं होने की वजह से राज्य में शहरी निकाय का कामकाज अधिकारियों पर है.

**शहरी निकाय चुनाव में ताकत झोंकने के लिए राजनीतिक दल तैयार**

शहरी नगर निकाय क्षेत्र में होनेवाले चुनाव में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से राजनीतिक दलों ने ताकत झोंकने की तैयारी कर ली है. बीजेपी नेता दीनदयाल वर्णवाल का मानना है कि पार्टी इस चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है. हाईकोर्ट के फटकार के बाद सरकार इस चुनाव को मजबूर हुई है मगर इतने दिनों तक नगर निकाय जनप्रतिनिधि विहीन रहा जिससे हुए नुकसान के लिए जवाब देना होगा. शहर की साफ सफाई से लेकर स्ट्रीट लाइट और पानी जैसी बुनियादी सुविधा भगवान भरोसे है और जनता बेबस है कि इसके लिए जाए तो कहां जाएं. इधर सत्तारूढ़ कांग्रेस ने शहर की सरकार को लेकल सरकार के सकारात्मक रुख का दावा करते हुए जल्द ही चुनाव होने का दावा किया है. पार्टी के प्रदेश महासचिव राकेश सिन्हा ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति और ओबीसी ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद राज्य में शहरी क्षेत्र में निकाय चुनाव का रास्ता साफ हो गया है. राजनीतिक दल होने के नाते पार्टी ने भी पूरी तैयारी कर रखी है. बहरहाल शहर की सरकार बनाने को लेकर सरकार पर लगातार दवाब बन रहा है. एक तरफ राज्य को शहरी निकाय चुनाव नहीं होने से केंद्रीय मद की राशि मिलने में बाधा आ रही है. वहीं दूसरी ओर न्यायालय से लेकर आम लोगों के द्वारा भारी दवाब है. ऐसे में देर से ही सही नगर विकास विभाग ने तमाम बाधाओं को दूर कर जल्द चुनाव कराने की तैयारी में जुटी है.

# मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने लिखी नई इबारत

## जामताड़ा, धनबाद, गिरिडीह और खूंटी को मिला मेडिकल कॉलेज का तोहफा

- जहाँ कभी पहचान की कमी थी, अब वहीं बनेंगे डॉक्टर — जामताड़ा का सपना हुआ साकार!
- जामताड़ा से उठी स्वास्थ्य क्रांति की लहर — अब झारखंड के हर जिले में पैदा होंगे डॉक्टर!
- जनता ने कहा — डॉ. इरफान अंसारी जो कहते हैं, करके दिखाते हैं!

संवाददाता । रांची

झारखंड की स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने के उद्देश्य से राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। माननीय मंत्री की दूरदृष्टि और संकल्प के परिणामस्वरूप जामताड़ा, धनबाद, गिरिडीह और खूंटी में नए सरकारी मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। इस अभूतपूर्व निर्णय से पूरे झारखंड में खुशी की लहर है, वहीं जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल है ।चौक-चौराहों पर लोगों ने पटाखे फोड़कर और मिठाइयाँ बाँटकर इस निर्णय का स्वागत किया। जनता मंत्री जी के जामताड़ा आगमन की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रही है ताकि उनका भव्य स्वागत किया जा सके। मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि ह्लजामताड़ा को मैंने दिया मेडिकल कॉलेज ।एक समय था जब लोग जामताड़ा को पहचानते भी नहीं थे,लेकिन आज वही जामताड़ा अपने नाम से जाना जा रहा है जहाँ के बच्चे अब डॉक्टर बनेंगे, वहीं से डॉक्टर पैदा होंगे ।यह सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि मेरे लंबे संघर्ष, बड़ी सोच और जनता के विश्वास का परिणाम है ।मेडिकल कॉलेज बनने से न केवल स्वास्थ्य सुविधाएँ बढ़ेंगी बल्कि क्षेत्र में रोजगार, व्यवसाय, पर्यटन और शिक्षा के नए अवसर भी पैदा होंगे ।जामताड़ा का सपना अब हकीकत बन चुका है जनता के सहयोग और आशीर्वाद से। डॉ. अंसारी ने कहा कि यह पहला चरण है।

दूसरे चरण (रीूङ्गल्ल्ला ढँरी) में गोड्डा साहिबगंज सरायकेला और पाकुड़ जिलों में भी नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे ।देवघर में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज को एम्स की उपस्थिति के कारण केंद्र सरकार से एनओसी नहीं मिल पाई है,लेकिन स्वास्थ्य मंत्री ने भरोसा दिलाया कि वे इसके लिए लगातार प्रयासरत हैं। परंतु आने वाले समय में वहाँ भी नए स्वास्थ्य प्रोजेक्ट्स की घोषणा की जाएगी ।मंत्री जी ने कहा कि नई मेडिकल कॉलेजों के खुलने सेराज्य के ग्रामीण और छोटे शहरों में डॉक्टरों की भारी कमी दूर होगी,विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ेगी और मरीजों को इलाज के लिए अब बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा ।स्थानीय युवाओं को मेडिकल शिक्षा और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे ।इससे राज्य की अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य प्रणाली दोनों को मजबूती मिलेगी। ह्लजब राज्य के स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी एक डॉक्टर को सौंपी गई है,तो बदलाव तो दिखाई देंगे ही। मैं दिन-रात जनता के स्वास्थ्य हित में काम कर रहा हूँ और परिणाम आज सबके सामने है ।आने वाले समय में स्वास्थ्य के क्षेत्र में और भी बड़ी घोषणाएँ होंगी जिन पर काम तेजी से चल रहा है ।हजारों लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी को बधाई संदेश भेजे और कहा की ह्लआपने हमारे क्षेत्र को नई पहचान दी है ।अब हमारे बच्चे अपने ही इलाके में डॉक्टर बन पाएंगे,शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों में विकास होगा,रोजगार के नए अवसर खुलेंगे ।लोगों ने इस ऐतिहासिक फैसले को झारखंड की जनता के लिए बड़ा तोहफा बताया और कहा की ह्लहम सब आपके इस योगदान के लिए सदा ऋणी रहेंगे ।जामताड़ा से लेकर पूरे झारखंड तक – डॉ. इरफान अंसारी का विजन स्पष्ट है ।हर जिले में सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधा।

# ब्रीफ न्यूज

## स्व कार्तिक उरांव की 101 वीं जयंती मनाई गई कार्तिक उरांव बाबा की स्टेच्यू ऑफ वाइसडम के रुप में प्रतिमा स्थापित कर सरकार सम्मान दे : पुष्कर महतो



संवाददाता । रांची

रांची : रांचीः झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में आज झारखंड के बौद्धिक पुरुष व पूर्व मंत्री स्व कार्तिक उरांव बाबा की 101 वीं जयंती धुर्वा एचईसी प्रांगण गोलंबर स्थित उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर मनाई गई.मौके पर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि अखंड बिहार में कार्तिक बाबा ने झारखंड क्षेत्र को सजाने संवारने का जो प्रारूप दुनिया के समक्ष प्रस्तुत किया इसका बेहतर नमूना एचईसी एवं रिम्स है. कार्तिक बाबा की इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जो अनुभव रहे हैं पूरी दुनिया इसका कायल हुए हैं. कार्तिक बाबा झारखंड अलग राज्य के पक्षधर रहे हैं. कार्तिक बाबा की जयंती राजकीय मान- सम्मान के साथ नहीं मनाया जाना झारखंड के लिए दुर्भाग्य की बात है. एच ई सी गोलंबर में कार्तिक उरांव बाबा की स्टेच्यू ऑफ वाइसडम के रुप में प्रतिमा स्थापित कर सरकार सम्मान दे. दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल की अध्यक्ष श्रीमती रोजलीन तिर्की ने कहा कि झारखंड के जल ,जंगल ,जमीन व माय - माटी के अस्तित्व एवं अस्मिता की रक्षा के लिए आजीवन संघर्षरत रहे उनके त्याग को हम झारखंड आंदोलनकारी भूल नहीं सकते हैं. पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में प्रभारी अनथन लकड़ा रांची जिला अध्यक्ष सुबोध कुमार लकड़ा,प्रकाश एकका, सुजीत कुमार राम हसनैन अंसारी एवं इम्तियाज अंसारी प्रमुख थे.

## अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने मनाई स्थापना की रजत जयंती शिक्षकों की जायज मांगे सरकार के समक्ष रख कर निदान कराएंगे : राजेश कच्छप उप नेता सह विधायक खिजरी



संवाददाता । रांची

रांचीःआज दिनांक 29 अक्टूबर 2025 को अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ, झारखंड प्रदेश के स्थापना रजत जयंती समारोह का आयोजन जैक सभागार में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा में उपनेता एवं खिजरी विधायक श्री राजेश कच्छप ने संघ के 25वें वर्ष पर हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि प्राथमिक शिक्षक शिक्षा की बुनियाद हैं। उनकी माँगें, जिनमें एम.ए.सी.पी. सहित अन्य माँगें शामिल हैं, सरकार के संज्ञान में हैं ।टीईटी से संबंधित न्यायालय के आदेश पर उन्होंने कहा कि यह आदेश अनावश्यक है। इसके विरोध में यदि सड़क पर भी आंदोलन करना पड़े, तो वे संघ के साथ कदम से कदम मिलाकर खड़े रहेंगे और शिक्षकों का पक्ष सरकार के समक्ष मजबूती से रखेंगे। संघ के महासचिव श्री राममूर्ति ठाकुर ने कहा कि शिक्षकों के वेतन एवं अन्य समस्याओं के कारण ही इस संघ की स्थापना 29 अक्टूबर 2000 को की गई थी। उन्होंने संघ की अब तक की यात्रा और उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षकों की जायज माँगों को पूरा कराने के लिए संघ सदैव कटिबद्ध है। संघ के संस्थापक एवं पूर्व अध्यक्ष श्री उत्तिल यादव ने कहा कि संघ की स्थापना से लेकर अब तक के 25 वर्षों की यात्रा इतनी संघर्षपूर्ण रही कि यह अहसास ही नहीं हुआ कि कब 25 वर्ष बीत गए ।प्रदेश अध्यक्ष श्री अनूप केशरी ने कहा कि आने वाले समय में संघ शिक्षकों की सभी समस्याओं के समाधान हेतु और अधिक सशक्त रूप से कार्य करेगा ।संघ के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता श्री नसीम अहमद ने संघ के गौरवशाली इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ, प्रदेश के शिक्षकों के हित एवं राज्य की शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए एक मजबूत माध्यम है ।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। सुषमा नाग एवं उनकी टीम ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

## एमवे इंडिया की प्रगति और बदलाव के लिए 100 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा

संवाददाता । रांची

रांचीः एमवे के अध्यक्ष और सीईओ माइकल नेल्सन ने कंपनी की विनिर्माण यात्रा के 10 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में इस सप्ताह भारत का दौरा किया। यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जो एमवे के वैश्विक संचालन में भारत की रणनीतिक भूमिका को मजबूत करता है – भारत, अमेरिका और चीन के साथ एमवे के केवल तीन वैश्विक विनिर्माण केंद्रों में से एक है। इस मजबूत नींव पर निर्माण करते हुए, कंपनी अगले तीन से पाँच सालों में 100 करोड़ रुपये (12 मिलियन अमेरिकी डॉलर*) का निवेश करेगी ताकि एमवे बिजनेस ओनर्स/डिस्ट्रीब्यूटर्स की क्षमताओं को और मजबूत किया जा सके, अपनी भौतिक उपस्थिति का विस्तार किया जा सके, और ग्राहक अनुभव को बढ़ाया जा सके ।यह नेल्सन का भारत में अध्यक्ष और सीईओ बनने के बाद पहला दौरा है, जो एमवे की वैश्विक विकास रणनीति में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को दिखाता है और इस क्षेत्र में कंपनी की समावेशी एवं सतत प्रगति के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराता है ।100 करोड़ रुपये का यह निवेश एमवे के डिस्ट्रीब्यूटर्स और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में केंद्रित है। इसके तहत कंपनी अपनी भौतिक उपस्थिति का विस्तार करेगी और मौजूदा स्टोर्स को नए स्वरूप में विकसित करेगी, ताकि वे गतिशील सहभागिता केंद्र (डायनमिक एंगेजमेंट हब्स) बन सकें। इन केंद्रों में पुनः डिजाइन किए गए लेआउट, समर्पित प्रशिक्षण क्षेत्र, और बेहतर सेवा अनुभव शामिल होंगे। इसके अलावा, यह निवेश डिस्ट्रीब्यूटर्स को सशक्त बनाने पर भी केंद्रित रहेगा। इसके अंतर्गत संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उत्पाद ज्ञान, गुणवत्ता आश्वासन मानकों, और प्रमाणन प्रक्रियाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा,

## वैश्य मोर्चा का 7वां स्थापना दिवस 31 अक्टूबर तैयारी पूरीस्थापना दिवस से वैश्य आंदोलन को नई दिशा मिलेगी- महेश्वर साहु



संवाददाता । रांची

रांची :31 अक्टूबर को झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का 7वां स्थापना दिवस मनाया जायेगा. स्थापना दिवस पर सात पाउंड का केक काटा जायेगा. इस अवसर पर वैश्य समाज के पाँच प्रबुद्धजन को वैश्य रत्न की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा. जबकि पाँच उत्कृष्ट कार्यकताओं को भी सम्मानित किया जाएगा. यह कार्यक्रम रांची के रेडियम रोड़ स्थित होटल आलोका सभागार में आयोजित होगा. सभागार प्रख्यात बुद्धिजीवी और झारखंड आंदोलनकारी वैश्य रत्न डॉ. वी.पी. केशरी के नाम से जाना जायेगा. कार्यक्रम में कई प्रस्ताव भी पारित किये जायेंगे और आगे की रणनीति एवं कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी. इस बाबत सभी तैयारी पूरी कर ली गयी है. यह जानकारी वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने आज रांची के चर्च रोड़ स्थित होटल राजधानी प्लाजा में संवाददाता सम्मेलन में मीडिया को दी.

केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा राज्य में निवास करने वाले 54 वैश्य उप-जातियों का सामाजिक संगठन है, जो राज्य के 40% आबादी की चिंता करती है और उनकी समस्याओं व मांगों को लेकर संघर्ष करती रहती है। वैश्य मोर्चा सामाजिक कार्यों में भी भरपूर योगदान देती रही है और लोगों के व्यक्तिगत समस्याओं का भी भरसक निदान करती है तथा उनके साथ खड़ा रहती है. साहु ने कहा कि हमारे लिए गौरव की बात है कि वैश्य मोर्चा की ओर से जिन मुद्दों को लेकर आंदोलन और संघर्ष किया गया है, या तो हम सफल हुए हैं या फिर सरकार और राजनीतिक दलों के लिए वह मुद्दा बन गया है। यह सब वैश्य मोर्चा के निष्ठावान, समर्पित कार्यकताओं और शुभचिन्तकों की मेहनत, लगन, अनुशासन और संगठन एवं नेतृत्व के प्रति भरोसा से ही संभव होता रहा है। वैश्य मोर्चा भी समाज के विश्वास और भरोसा को कभी टूटने नहीं दिया है।

साहु ने कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि वैश्य मोर्चा कभी किसी जाति, समुदाय, नेता या पार्टी का विरोधी नहीं रहा है, और न ही हम कभी किसी के पिछ्लग्गू बने हैं। वैश्य मोर्चा समाज के सभी सांसदों, विधायकों एवं दलों के नेताओं का सम्मान करती है, लेकिन निर्भर भी नहीं रहते हैं। वैश्य मोर्चा समाज की समस्याओं और हक-अधिकार के लिए अब तक खुद लड़ाई लडती रही है, इसलिए हम विवाद में पड़ने से बचते रहे हैं। और यही वजह है कि हम सभी लोग वैचारिक रूप से अब तक एक हैं। साहु ने कहा कि वैश्य मोर्चा को आगे भी विवादों से बच कर समाज को जागरूक करेगी और उनके हितों की रक्षा, मान-सम्मान और हक-अधिकार के लिए संघर्ष जारी रखेगी. इसलिए हम कोई भी कार्यक्रम करें या अभियान चलाएं, वैश्य मोर्चा के मुद्दे और हक-अधिकार की बातें सर्वपरि होनी चाहिए।

## अंजुमन इस्लामिया रांची चुनाव-2025 वोटर बनने की अंतिम तिथि 15 दिन के लिए बढ़ाई जाए. संयुक्त सामाजिक संगठनों/समाजसेवियों



संवाददाता । रांची

आज अंजुमन इस्लामिया रांची के चुनाव-2025 हेतु आवेदन एवं वोटर की अंतिम तिथि 15 दिन बढ़ाने,फोटोयुक्त वोटर लिस्ट पर चुनाव कराने,आवेदन का फिजिकल वेरीफिकेशन करने,ड्राफ्टिंग वोटर को सार्वजनिक कर क्रॉस वेरीफाई करने,नियमित रक्तदाता को वोटर बनाने,वोटर/आवेदक का ब्लड ग्रुप लिखने, अंजुमन के चुनावी प्रक्रिया में सभ्य समाज के सामाजिक/पंचायतों/उल्लेमा/संगठनों को चुनाव के शुरूआती से अंतिम प्रक्रिया के हर स्तर से सहयोग देने हेतु शामिल किया जाए,बल्क में आवेदन जमा नही लिया जाए एवं बल्क आवेदन का विशेष फिजिकल वेरीफिकेशन होने समेत 09 सूत्री स्मार-पत्र सेंट्रल मोहर्रम कमेटी रांची के महासचिव अकिलुर रहमान साहब के नेतृत्व में सामाजिक

संगठनों/समाजसेवियों/रक्तदान संगठन/रक्तवीरों के द्वारा 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा अंजुमन इस्लामिया रांची चुनाव-2025 के चुनाव संयोजक जनाब मुफ़्ती अनवर कासमी साहब को अंजुमन के कार्यालय, अंजुमन प्लाजा रांची में दिया गया।

चुनाव संयोजक मुफ़्ती अनवर कासमी साहब ने कहा कि इस मुद्दों पर विचार कर व्यवहारिक कार्य किया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल में सेंट्रल मोहर्रम कमेटी रांची के महासचिव अकिलूर रहमान,लहू बोलेगा के नदीम खान,आमया संगठन के एस.अली,मुस्लिम युवा मंच के शहीद अय्यूबी,वरिष्ठ पत्रकार हाजी फिरोज जिलानी,झारखंड युवा मंच के अरशद कुरैशी,मुस्लिम यूनाईटेड फ्रंट के महफूज आलम,आमया के जिला महासचिव मोजाहिद अंसारी,रक्तवीर इंजीनियर शाहनवाज अब्बास,आरटीआई एक्टिविस्ट अकरम राशिद,पत्रकार/यूटूबर्स बुलंद अख़्तर,डोरंडा मिल्लत पंचायत सचिव आतिफ अंसारी,रक्तवीर/समाजसेवी मो बब्बर,रक्तवीर/

## चतरा पुलिस को मिली बड़ी सफलता, राहुल सिंह गिरोह के गुर्गे अवैध पिस्तौल, गोली और पर्चे के साथ गिरफ्तार

- राजधर साईडिंग व ठळढउ टंडवा मे हाईवा पर हुए फायरिंग की घटना का हुआ उदभेदन

संवाददाता । रांची



दिनांक 28/10/2025 की रात्री को पुलिस अधीक्षक महोदय चतरा को गुप्त सूचना मिली की आपराधिक संगठन राहुल सिंह गिरोह के सदस्? पिपरवार थाना क्षेत्र अन्तर्गत कारो मैदान के पास एकत्रित हुए है तथा किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी कर रहे तथा उनके पास अवैध पिस्टल एवं गोली है उक्त सूचना के सत्यापन एवं गिरफ्तारी हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महोदय टण्डवा श्री प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गंठन किया गया एवं छापामारी दल के द्वारा दिनांक 28 व 29 सितम्बर की रात्री को कारो मैदान के पास छापामारी कर राहुल सिंह गिरोह के चार गुर्गो को 02 अवैध पिस्टल, 10 जिंदा गोली व राहुल सिंह गिरोह का पर्चा के साथ गिरफ्तार किया गया इस सदर्भ में पिपरवार थाना कांड सं0 32/2025 दिनांक 29/10/25 धारा कर अग्रतर अनुसंधान एवं छापामारी की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्तो से पूछताछ मे इसी गिरोह ने दिनांक 18/08/2025 को राजधर साईडिंग व दिनांक 20/09/2025 को ठळढउ टंडवा मे हाईवा पर लेवी वसूलने के उद्देश्य से फायरिंग करने की बात स्वीकारा है । दोनो जगह हुए फायरिंग कांड का उदभेदन पुलिस के द्वारा कर लिया गया है तथा घटना मे प्रयुक्त हथियार को बरामद किया गया । इस संदर्भ मे अग्रतर अनुसंधान एवं छापेमारी किया जा रहा है ।

गिरफ्तार व्यक्ति का नाम

01) असजद रजा,उम्र करीब 21 वर्ष , पिता मो0 आसीम अंसारी, सा0 कामता, थाना टण्डवा, जिला चतरा

02) शाहजहाँ अंसारी , उम्र करीब 21 वर्ष , पिता मोईन अंसारी, सा0 जाड़ी ,पो0 पुरियो, थाना ठाकुरगाँव, जिला राँची

03) महफूज आलम उर्फ लालू , उम्र करीब 25 वर्ष, पिता मंजूर मि ?ाँ, सा0 कल्याणपुर, थाना पिपरवार, जिला चतरा

04) गुलजार अंसारी उर्फ राजु उम्र 23 वर्ष पिता मो0 कमरूद्दिन अंसारी ग्राम रातु काठीटाँड थाना रातु जिला राँची

गिरफ्तार अभियुक्तो का आपराधिक इतिहास

शाहजहाँ अंसारी का आपराधिक इतिहास

## एमवे इंडिया की प्रगति और बदलाव के लिए 100 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा

संवाददाता । रांची

रांचीः एमवे के अध्यक्ष और सीईओ माइकल नेल्सन ने कंपनी की विनिर्माण यात्रा के 10 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में इस सप्ताह भारत का दौरा किया। यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जो एमवे के वैश्विक संचालन में भारत की रणनीतिक भूमिका को मजबूत करता है – भारत, अमेरिका और चीन के साथ एमवे के केवल तीन वैश्विक विनिर्माण केंद्रों में से एक है। इस मजबूत नींव पर निर्माण करते हुए, कंपनी अगले तीन से पाँच सालों में 100 करोड़ रुपये (12 मिलियन अमेरिकी डॉलर*) का निवेश करेगी ताकि एमवे बिजनेस ओनर्स/डिस्ट्रीब्यूटर्स की क्षमताओं को और मजबूत किया जा सके, अपनी भौतिक उपस्थिति का विस्तार किया जा सके, और ग्राहक अनुभव को बढ़ाया जा सके ।यह नेल्सन का भारत में अध्यक्ष और सीईओ बनने के बाद पहला दौरा है, जो एमवे की वैश्विक विकास रणनीति में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को दिखाता है और इस क्षेत्र में कंपनी की समावेशी एवं सतत प्रगति के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराता है।

100 करोड़ रुपये का यह निवेश एमवे के डिस्ट्रीब्यूटर्स और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में केंद्रित है।

## घाटशिला उपचुनाव में बीजेपी की करारी हार होगी, राज्य में भाजपा के बंशावली में एक भी जननेता नहीं, हेमंत सोरेन आदिवासीयों का जनप्रिय नेता : कैलाश यादव

संवाददाता । रांची



आज दिनांक 29/10/25 को प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने कहा कि झारखंड में घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में महागठबंधन से जेएमएम उम्मीदवार सोमेश सोरेन की बड़ी जीत होगी ! विदित है घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव राज्य के तत्कालीन शिक्षा मंत्री दिवंगत रामदास सोरेन के निधन होने के कारण हो रहा है जिनके सुपुत्र जेएमएम उम्मीदवार सोमेश सोरेन हैं ! यादव ने कहा कि राज्य में लगातार दूसरी बार सत्तासीन इंडिया गठबंधन के मुखिया हेमंत सोरेन के खिलाफ अभी तक किसी तरह का सत्ता विरोधी लहर नहीं है ! राज्य एवं देश के सबसे बड़े लोकप्रिय आदिवासी नेता राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हैं ! बीजेपी आदिवासी समाज का हितैषी नहीं है क्योंकि भाजपाई आदिवासी समाज को हमेशा राजनीतिक फायदे के लिए सिर्फ वोट बैंक बनाकर इस्तेमाल करते रही है इनकी नीति फुट डालो राज करो है ।यादव ने कहा कि झारखंड में भाजपा की राजनीतिक दशा दिशा काफी बिगड़ी हुई है राज्य में भाजपा के वंशावली में एक भी जनप्रिय व विश्वशनीय नेता नहीं हैं क्योंकि भाजपा विचारधारा के अपना एक भी आदिवासी नेता नहीं है जो वर्तमान में हैं वह सभी दूसरे दल से आयातित हैं ! जैसे अर्जुन मुंडा (खटट) बाबूलाल मरांडी (खश्ट) चंपई सोरेन, सीता सोरेन,लोबिन हेंब्रम (खटट) एवं गीता कोड़ा (कांग्रेस) से गए हैं ।यादव ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेताओं के जुमलेबाजी, झूठे वादे व जनविरोधी कार्यशैली एवं सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर बदले की भावना से कार्य करने का मामला उजागर हो चुका है जिस कारण जनता इनसे काफी दूर हो गई है निकट भविष्य में राज्य की जनता खासकर आदिवासी समाज भाजपा के झांसे में अब कभी आने वाली नहीं है क्योंकि मौकापरस्त भाजपा एनडीए ध्रुवीकरण की राजनीति करते हैं ! ज्ञातव्य है कि विगत विधानसभा चुनाव में कुल 28 सुरक्षित सीटों में 26 सीट इंडिया गठबंधन के खाते में आई थी और लोकसभा चुनाव के कुल 5 सभी ट्राइबल सीटे इंडिया गठबंधन ने जीत दर्ज किया

# डीसी समीरा एस की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

- खाद्यान्न वितरण, राशन कार्ड, पीवीटीजी योजना और धोती-साड़ी-लुंगी वितरण की हुई विस्तृत समीक्षा



संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अक्टूबर 2025 माह के राशन उठाव एवं वितरण, झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना, नवीन राशन कार्ड वितरण, चना दाल वितरण, राशन कार्डधारियों का ई केवाईसी और पीजीएमएस पोर्टल पर लंबित मामलों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने डीएसडी गोदामवार रिपोर्ट का भी परीक्षण किया। डीएसओ प्रीति किस्कू ने बैठक में विभिन्न सूचकांकों की जानकारी दी। धोती साड़ी लुंगी वितरण की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को दो सप्ताह के भीतर प्रत्येक लाभुक तक वस्त्र वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अगर वितरण में किसी स्तर पर कठिनाई आती है, तो डीलर स्वयं लाभुक के घर तक वस्त्र पहुंचाएं।

**पीवीटीजी समूहों को अन्न-प्रतिशत उत्थान वितरण का निर्देश**

बैठक में पीवीटीजी समूहों के बीच खाद्यान्न वितरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि एक भी पीवीटीजी लाभुक बिना राशन के न रहे, यह सुनिश्चित किया जाए। कुछ प्रखंडों से जानकारी मिली कि अधिकांश लाभुकों के बीच अक्टूबर माह का राशन वितरण पूरा हो चुका है, जबकि कुछ स्थानों पर ऑनलाइन एंट्री लंबित है। उपायुक्त ने सभी एमओ को निर्देश दिया कि डीएसओ लॉगिन में लंबित सभी आवेदन शीघ्र डीएसओ लॉगिन में फॉरवर्ड किए जाएं और किसी भी प्रकार की समस्या पर तुरंत सूचित किया जाए। उन्होंने कहा कि पीजीएमएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निष्पादन प्राथमिकता के साथ किया जाए ताकि आम नागरिकों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके। बैठक में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. असीम, विभिन्न एजेंसी और एमओ उपस्थित रहे।

## नहर में डूबे किशोर का शव 36 घंटे बाद बरामद, प्रशासन ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा



संवाददाता

हुसैनाबाद : पलामू के निशानपुर गांव के पास उत्तर कोयल मुख्य नहर में डूबे किशोर (नाबालिग) का शव प्रशासन ने 36 घंटे बाद बरामद कर लिया है, बताया जाता है कि घटना स्थल छठ घाट से करीब 4 सौ मीटर की दूरी से शव बरामद किया गया है। शव का हाथ नहर के नीचे बहते वक्त पटिया में फंस गया था, प्रशासन द्वारा नहर के पानी बंद कराने के बाद शव दिखा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 27 अक्टूबर को छठ पर्व के दौरान 16 वर्षीय नैतिक चौहान नहर में नहाने के क्रम में नहर में डूब गया था। नैतिक अपने ननिहाल हुसैनाबाद के अराजी कुलमुकरा आया हुआ था। मृतक के मामा विजय चौहान ने बताया कि उसे तैरना नहीं आता था और नहाते समय पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया, जिसके बाद उसका कोई पता नहीं चला और शव बरामद हुआ। प्रशासन ने शव को निशानपुर और सोनकरसा गांव के बीच से बरामद किया गया। शव खोजबीन के दौरान हुसैनाबाद के सीओ पंकज कुमार, बीडीओ सुनील वर्मा, प्रभारी थाना प्रभारी सौरभ चौबे, एसआई ओनिवास शर्मा सहित पुलिस बल मौजूद रहे। पुलिस शव को कब्जे में लेकर अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। हुसैनाबाद अंचल अधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि आपदा प्रबंधन के तहत कागजी प्रक्रिया पूरी कर मृतक के परिजनों को सहायता राशि दिलाई जाएगी। मृतक किशोर गढ़वा जिला के परिहारा गांव निवासी अरविंद चौहान का पुत्र 16 वर्षीय नैतिक चौहान था। घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है वहीं परिहारा गांव में मातम छा गया है। शव को लेने मृतक के दादा हुसैनाबाद पहुंचे हैं, मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एस.के. रवि, रामजी राम, अशोक चौधरी, योगेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। वहीं एक वीडियो सोशल मीडिया से प्राप्त हुआ है जिसमें मृतक नाबालिग को डूबते हुए नजर आता है।

## >>>: संक्षिप्त खबर :<<<

### सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाई गई

धनबाद : धनबाद रेल मंडल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह (27 अक्टूबर से 02 नवंबर, 2025) के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के पालन हेतु सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाई गई। इस अवसर पर मिश्र ने कहा कि भ्रष्टाचार हमारे देश की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रगति में एक बड़ी बाधा है। इसके उन्मूलन के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि हम स्वयं को एक आदर्श उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करें तथा सर्वोपरि सत्यनिष्ठ ढांचा और नीति-संहिता स्थापित करने की अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार करें। मंडल रेल प्रबंधक ने यह भी कहा कि प्रत्येक कर्मचारी यह सुनिश्चित करे कि वह किसी भी प्रकार के भ्रष्ट आचरण का हिस्सा न बने और भ्रष्टाचार के हर मामले पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

### कतरास में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जलाराम बापा की जयंती

- शालिनी देवी के साथ पहुंचे सांसद दुलू महतो जलाराम बापा से लिया आशीर्वाद



कतरास : कतरास राजगंज मुख्य मार्ग में स्थित नर्मदेश्वर मंदिर के प्रांगण में बुधवार को गुजराती समाज के तत्वावधान में हर्षोल्लास के साथ जलाराम बापा की जयंती मनायी गयी। जलाराम जयंती पर जलाराम बापा के मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की गयी। पूजा अर्चना के बाद महाप्रसाद वितरण किया गया। सैकड़ों लोगों ने महाप्रसाद का ग्रहण किया। जलाराम बापा के जयंती पर मुख्य रूप से धनबाद सांसद दुलू महतो अपनी धर्मपत्नी शालिनी देवी के साथ रामसेवा में पहुंचे लेकर एवं पूजा अर्चना किया तथा बापा का प्रसाद ग्रहण किया। सांसद दुलू महतो ने जलाराम बापा से कोयलांचल वासियों के लिए सुख समृद्धि की याचना की। मौके पर नितेश ठक्कर, जयेश भाईचावड़ा, बगनेश भाई पाठक, देवेंद्र भाई ठक्कर, अनंत चावड़ा, सुनील भाई चौहान, विजय भाई ठक्कर, किशोर भाई आचरिया, इंदिरा भाई ठक्कर, धर्मेश भाई राठौड़, विजय भाई चौहान, दिनेश भाई जेठवा, रोहित भाई बजानिया, भावेश भाई ठक्कर, हर्ष पवारिया, अलका बेन चावड़ा, मनीषा बेन चावड़ा, नीता बेन ठक्कर, अलका बेन बजानिया, प्रगना बेन साणपरिया, माधवी बेन पवारिया, रणवीर ठाकुर, वाई के पाठक, सूर्य देव मिश्रा आदि उपस्थित थे।

### बरवाडा पंचायत के उपमुखिया प्रतिनिधि शेखर महतो घायल, अस्पताल में मुलाकात कर की गई जल्द स्वस्थ होने की कामना



बरवाडा पंचायत के उपमुखिया प्रतिनिधि शेखर महतो को हाथ में गंभीर चोट लगने के बाद बलियापुर स्थित मैकरा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उनकी कुशलक्षेम जानने के लिए बलियापुर प्रमुख प्रतिनिधि विजय रजक एवं रसूल के साथी अस्पताल पहुंचे और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मौके पर उनके मित्र प्रदीप मंडल और सागर प्रामाणिक भी उपस्थित थे। सभी ने शेखर महतो के जल्द स्वस्थ होकर सामाजिक कार्यों में पुन: सक्रिय होने की उम्मीद जताई।

### लापता युवती की लाश मिलते ही गांव में मचा कोहराम।

टुण्डी : विगत दो दिनों से लापता युवती खुशबू कुमारी की शव पानी से भरे डोभा में मिलते ही गांव में कोहराम मच गया और परिजनों ने दहाड़ मारकर रोना प्रारंभ कर दिया। बताते चलें कि टुण्डी थाना क्षेत्र के परसाटांड गांव निवासी सुरेश रविदास की 15 वर्षीय खुशबू कुमारी कक्षा नवमी की छात्रा थी और विगत दो दिनों से लापता थी जिसकी सूचना स्थानीय थाना को दे दिया गया था आज उसकी शव वन विभाग की नर्सरी के बने डोभा में मिलते ही गांव में कोहराम मच गया और परिजन दहाड़ मारकर रोने लगी। तत्काल वन विभाग की और [illegible]

### निरसा बेटिया मोड़ पर सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत

एग्यारकुण्ड : [illegible] ट्रक के धक्के में [illegible] मोटरसाइकिल से गिर गई और उसका सर फट गया, टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसके चिथड़े उड़ गए, मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई। मौके पर पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

### टुण्डी में बस एवं टेलर की आपस में भिड़ंत कई घायल

टुण्डी : गोविन्दपुर गिरिडीह मुख्य मार्ग के जमलपुर टुण्डी की जंगल में बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे बस एवं टेलर में भीषण टक्कर हो जाने से आधा दर्जन यात्रियों के घायल होने का समाचार प्राप्त हुआ है। बताते चलें कि बिशु बस बोकारो से कलकत्ता देखकर जा रही थी जबकि टेलर गिरिडीह के किसी फैक्ट्री से माल खाली कर धनबाद की ओर लौट रही थी तभी टुण्डी के जमलपुर जंगल में आपस में टकरा गई जिसमें करीब आधा दर्जन यात्री घायल हो गए जिन्हें टुण्डी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार करने के बाद एस एन एम एम सी एच धनबाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। इस भीषण टक्कर से गोविन्दपुर गिरिडीह मुख्य मार्ग देर शाम तक जाम लगा रहा स्थानीय थाने की भारी मशक्कत करने के बाद आवागमन सामान्य हो पाया। कई लोग इस दुर्घटना को मौसा राइफलान से भी जोड़ रहे थे।

## छठ पर्व के बाद पलामू में खुला समाहरणालय और सरकारी कार्यालय, पहले दिन सामान्य उपस्थिति

- त्योहारों के बाद प्रशासनिक रफ्तार लौटी पटरी पर, लंबित कार्यों के निपटारा में जुटे अधिकारी



संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। चार दिनों की छठ अवकाश के बाद बुधवार को पलामू जिला समाहरणालय सहित सभी सरकारी कार्यालयों में कार्य पुनः शुरू हो गया। लोगों की रौनक के बाद प्रशासनिक गतिविधियां अब सामान्य होती दिखीं। सुबह से ही समाहरणालय परिसर में अधिकारियों और कर्मियों की आवाजाही शुरू हो गई। उपायुक्त कार्यालय, जिला परिषद, कोषागार, निबंधन कार्यालय, जिला शिक्षा कार्यालय, आपूर्ति विभाग तथा ग्रामीण विकास विभाग में कर्मी अपने अपने कार्यों में व्यस्त नजर आए। हालांकि पहले दिन कर्मियों की उपस्थिति सामान्य रही, लेकिन अधिकांश शाखाओं में फाइलों का निस्तारण और लंबित मामलों की समीक्षा का कार्य शुरू हो गया है। कई अधिकारी और कर्मचारी छठ अवकाश से लौटते ही नियमित बैठकों और विभागीय तैयारियों में जुट गए। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, छठ पर्व के बाद अब विभागों का फोकस विकास योजनाओं, खाद्यान्न वितरण, तथा आगामी वित्तीय तिमाही की तैयारियों पर रहेगा। कई विभागों ने लंबित कार्य तक अधूरे प्रोजेक्ट्स को पूरा करने का लक्ष्य तय किया है। जिला प्रशासन ने भी संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में विकास कार्यों की समीक्षा बैठकें तेज होंगी। अधिकारी स्तर पर कहा गया है कि त्योहार समाप्त हो चुके हैं, ऐसे में जनता से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। छठ के बाद पलामू जिले में प्रशासनिक कार्यों की रफ्तार धीरे धीरे पूरी गति पकड़ने लगी है।

# फुलवरिया पंचायत के संतोष मेहता के साथ हुई घटना का उद्भेदन पुलिस अब तक नहीं कर पायी

**संतोष मेहता को लगी गोली या फिर कोई और घायल होने के कारण अब भी बना हुआ सवाल ?**



संवाददाता

कोडरमा : जिला के नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत फुलवरिया पंचायत निवासी संतोष मेहता पिता स्वर्गीय चमन मेहता के बताये अनुसार बीते 02 अक्टूबर को उनपर गोली चली जिससे वह घायल हो गये। उनका ईलाज रांची के पारस हॉस्पिटल से अब भी जारी है। हालांकि खतरे से बाहर रहने के कारण उन्हें हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया। घटना को लेकर संतोष मेहता का कहना है की भगवान का आशीर्वाद रहा उस दिन जान बच गई। घटना क्रम को लेकर फुलवरिया पंचायत के ही रहने वाले कई लोगों को संदेह के आधार पर आरोपी बनाया गया है। इसकी लिखित शिकायत हमारे पुत्र द्वारा नवलशाही थाने की पुलिस से किया गया है। घटना घटे तकरीबन एक माह गुजरने वाले हैं। परंतु पुलिस की कारवाई समझ से परे हैं। मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। हमलोग परिवार वाले घटना के बाद से काफी डरे सहमे हैं। वहीं मिली जानकारी अनुसार गांव वालों सहित फुलवरिया पंचायत के जनप्रतिनिधिगण ने भी पुलिस अधीक्षक सहित कई वरीय अधिकारी और मुख्यमंत्री को भी आवेदन भेजकर कांड के उद्भेदन और दोषियों पर कानूनी कारवाई की मांग कर चुके हैं। वहीं घायल संतोष मेहता का कहना है की पुलिस जांच में तेजी आखिर क्यों नहीं दिखा रही। पुलिस घटना के काफी समय गुजरने के बाद भी गोली चली या नहीं घटना के कारणों को स्पष्ट नहीं कर पायी। फुलवरीया पंचायत में 02 अक्टूबर को चली गोली या फिर हुआ बड़ा साजिश आखिर संतोष मेहता के घायल होने के क्या कारण अब तक घटना का उद्भेदन पुलिस नहीं कर सकी है। जिसके कारण कई सवाल खड़े होने लगे हैं। यदि पुलिस मानती है गोली चली तो आरोपियों को गेनकाज कर क्यों गिफ्तार नहीं करती। गांव वाले भी घटना के उद्भेदन की मांग पुलिस से कर चुके हैं। यह गोली कांड या साजिश पुलिस को जल्द घटना का खुलासा करनी चाहिए ताकि लोगों का विश्वास और भरोसा पुलिस पर बनी रहे। लोग यह नहीं कहे की पुलिस कारवाई नहीं करती है।

### एचयूआरएल ने कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ एक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया

सिंदरी। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के उपलक्ष्य में एचयूआरएल सिंदरी ने अपने कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ एक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम . गौतम माजी की गरिमामय उपस्थिति तथा एचयूआरएल सिंदरी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की सहभागिता से सम्पन्न हुआ। समारोह के दौरान, एचयूआरएल सिंदरी के कर्मचारियों ने अपनी सभी क्रियाओं में निष्ठा, पारदर्शिता और ईमानदारी को बनाए रखने तथा हर प्रकार के भ्रष्टाचार के विरुद्ध एकजुट रहने की शपथ ली। यह आयोजन एचयूआरएल की नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने और भ्रष्टाचार मुक्त कार्य परिवेश स्थापित करने की सतत प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा।

## सांसद दुलु महतो ने अजय यादव हत्याकांड पर जताया शोक, कार्रवाई की मांग



संवाददाता

बोकारो : बास निवासी समाजसेवी लक्ष्मी नारायण यादव के पुत्र एवं आईआरबी में तैनात जवान अजय यादव उर्फ सोनू की बीती रात अज्ञात अपराधियों द्वारा गोली मारकर की गई हत्या से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। इस दुखद घटना की सूचना मिलते ही धनबाद सांसद दुलु महतो बुधवार को पीड़ित परिवार के आवास पहुंचे। सांसद महोदय ने मृतक के परिजनों एवं उपस्थित शुभचिंतकों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि इस कठिन समय में शोकाकुल परिवार को धैर्य और शक्ति प्रदान करें। मौके पर सांसद दुलु महतो ने इस जघन्य अपराध की कड़ी निंदा की और जिला प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि दोषियों की शीघ्र पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए और कानून के तहत कठोर से कठोर सजा दी जाए। सांसद ने मौके पर ही प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत कर अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी और सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए।

## कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में बीएसएल की बड़ी उपलब्धि, विकसित किया 28 एमएनबी 5 ग्रेड स्टील



संवाददाता

बोकारो : भारत की कृषि और औद्योगिक आत्मनिर्भरता को नई दिशा देने के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की इकाई, बोकारो स्टील प्लांट ने एक बड़ी तकनीकी उपलब्धि हासिल की है। बीएसएल ने 28 एमएनबी 5 ग्रेड मैंगनीज बोरॉन स्टील का सफलतापूर्वक विकास किया है, जो विशेष रूप से कृषि मशीनरी के लिए डिजाइन किया गया है। यह सेल में अपनी तरह का पहला नवाचार है। बीएसएल पहले से ही रेल, रक्षा, जहाज निर्माण और व्हाइट गुड्स सेक्टर के लिए उच्च गुणवत्ता वाले स्टील के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध रहा है। अब उसने कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बल देने के लिए कदम बढ़ाया है। बीएसएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह नवाचार सिर्फ स्टील उत्पादन नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की रीढ़ को सशक्त करने की दिशा में कदम है। 28 एमएनबी 5 ग्रेड स्टील उच्च शक्ति, कठोरता और प्रतिरोध का संतुलन प्रदान करता है, जिससे यह प्लॉशर, कल्टीवेटर ब्लेड, डिस्क हैरो, फावड़े और खुदाई के पंजों जैसे कृषि उपकरणों के निर्माण के लिए आदर्श बनता है। बीएसएल अब तक 60,000 टन से अधिक इस ग्रेड का उत्पादन कर चुका है और इसकी वार्षिक क्षमता 80,000 टन तक पहुंचने की उम्मीद है। इस नवाचार से आयात पर निर्भरता घटी है और भारतीय किसानों को मजबूत, टिकाऊ, घरेलू समाधान मिले हैं। बीएसएल का यह कदम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और मील का पत्थर साबित हो रहा है।

# कसमार में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, चार आरोपी गिरफ्तार



संवाददाता

कसमार (बोकारो) : कसमार थाना क्षेत्र के करकट्टाबुर्द गांव में 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। इस मामले में वादिनी लक्ष्मी देवी (उम्र 35 वर्ष, पति कैलाश करमाली) ने पुलिस को आवेदन देकर बताया कि 27 अक्टूबर 2025 की शाम उसकी बेटी अचानक घर से लापता हो गई। खोजबीन के दौरान पता चला कि गांव की ही कुसुम कुमारी (पिता भजनलाल करमाली) ने तीन युवकों को बुलाकर बाईकल्ला छठ घाट से नाबालिग को उनके साथ भेज दिया था। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी सफीक अंसारी (26 वर्ष, पिता रहमतुल अंसारी), रंजीत तुरी (19 वर्ष, पिता उमेश तुरी) और राहुल तुरी (18 वर्ष, पिता मूलन तुरी) तीनों ग्राम दारिद उतासारा, थाना पेटरवार, जिला बोकारो के निवासी हैं। आरोप है कि तीनों ने नाबालिग को ओरमो दांतू रोड स्थित ग्राम कुल्हागुजु के पास सुनसान स्थान पर ले जाकर बारी बारी से दुष्कर्म किया और फिर बाइक से गांव में छोड़ दिया। इस संबंध में कसमार थाना कांड संख्या 78/25 दिनांक 28.10.2025 दर्ज की गई है। मामला धारा 70(2), 61(2) बीएनएस 2023 एवं 4/6 पोक्सो एक्ट 2012 के तहत दर्ज हुआ है। एसपी बोकारो के निर्देश पर गठित विशेष पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी चारों आरोपितों को गिरफ्तार। छापामारी दल में शामिल थे कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो, पेटरवार थाना प्रभारी राजू मुंडा, जरीडीह पु.नि. शैलेश सिंह, कुंदन कुमार, हिमांशु शेखर, सुंदर हेम्ब्रम, सुनील कुमार, आरक्षी रामेश्वर महतो, मासूम रजा रिजवी, प्रदीप कुमार शर्मा, चा०आ० अशोक पूर्ति तथा तकनीकी शाखा के पदाधिकारी व कर्मी शामिल थे। किया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त काला रंग का सीडी बाइक और वस्त्र बरामद किए हैं।

## शारदा कालोनी मे छठ पर्व के अवसर पर भक्ति जागरण का आयोजन



संवाददाता

बेरमो। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत शारदा कालोनी मे छठ पर्व के अवसर पर भक्ति जागरण का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ आरसीएमयू ढोरी के अध्यक्ष साधु आउरी और मकोली ओपी थाना प्रभारी संजय ने किया. इस अवसर पर साधु आउरी ने सभी छठव्रतियों व श्रद्धालुओं को छठ पर्व की शुभकामनाएं दीं. कहा कि यह पर्व आस्था, शुद्धता और पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है. भक्ति जागरण में देवरिया, यूपी के सुप्रसिद्ध गायिका सुनीता सिंह, स्नेहा, ज्योति आदि ने अपनी मधुर आवाज से दर्शकों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया. उन्होंने कोसिया भराये लागल, जोड़े जोड़े फलवा और जय छठी मैया जैसे लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति दी. वहीं जितेन कुमार ने केरवा के पात पर और मोर भौजिया के मनाये द्या जैसे गीतों से माहौल को भक्तिमय बना दिया. कार्यक्रम के आयोजक चांदनी म्यूजिकल ग्रुप राहुल भाव, विवेक दिवाकर, रवि विश्वकर्मा, रंजीत हरि, देशो साहु, भोला भारती आदि कार्यक्रम मे सराहनीय योगदान रहा।

## संक्षिप्त समाचार

### हीर पैलेस टॉकीज के पास गुमटी में लगी भीषण आग, पुलिस ने फायर ब्रिगेड से पहले पाया काबू

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में छावनी थाना क्षेत्र अंतर्गत हीर पैलेस टॉकीज के ठीक बगल में सड़क किनारे रखी एक गुमटी में रविवार देर रात भीषण आग लग गई। समय रहते स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई की, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। जानकारी के अनुसार, हीर पैलेस टॉकीज के बगल में रखी गुमटी में अचानक भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही इलाकाई पुलिस बिना किसी देरी के फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही मौके पर पहुंच गई। पुलिसकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्थानीय लोगों की मदद से आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। घटनास्थल टॉकीज के पास है और आसपास घना इलाका है। इसलिए यदि पुलिस समय पर नहीं पहुंचती, तो आग फैल सकती थी और एक बड़ा हादसा हो सकता था। आग लगने के कारण का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### नशे के सौदागरों पर कसेगा शिकंजा, डीआईजी ने दिए निर्देश

बरेली, एजेंसी। बरेली में पुलिस विभाग की रेंज स्तरीय समीक्षा गोष्ठी में डीआईजी ने अपने कार्यालय में चारों जिलों के पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने गंगा स्नान व अन्य पर्वों पर सतर्कता बरतने के लिए कहा। निर्देश दिए कि केवल प्यादों पर कार्रवाई करके कोरम पूरा न किया जाए, पुलिस बड़े तस्करों को गिरफ्तार कर नशे के धंधे पर लगाम लगाए। 15 दिनी तक अभियान चलाने के लिए कहा। डीआईजी अजय कुमार साहनी ने कहा कि अपराधियों और नशा माफिया पर लगातार कार्रवाई करनी होगी। वांछित और इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी में तेजी लाने, लंबित विवेचना निस्तारण के निर्देश दिए। डीआईजी ने महिला उत्पीड़न, दहेज हत्या, पॉक्सो, हत्या, लूट, नकबजनी और वाहन चोरी जैसे मामलों की समीक्षा की। सड़क हादसों में कमी लाने पर जोर देकर ब्लैक स्पॉट चिह्नित करने और इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस में सही फीडिंग करने के लिए कहा। डीआईजी ने कहा कि साइबर ठगों पर कार्रवाई में ढील नहीं देनी है। उन्होंने पंचायत चुनाव को मद्देनजर गांवों में सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया। इस मौके पर बरेली एसएसपी अनुराग आर्य, बदायूं, शाहजहांपुर व पीलीभीत जिलों के एसपी मौजूद रहे।

### आरो प्लांट के कमरे में मिली युवक की लाश

वाराणसी, एजेंसी। नरायनपुर गांव के शिव मंदिर के समीप मंगलवार की भोर सरकारी आरो प्लांट के कमरे में नरायनपुर गांव के श्रवण गौड (24) वर्ष पुत्र रमेश ने चादर से पखे की कुंडी में फसाकर जान दे दी। सुबह जब गांव के लोग टहलने निकले तो प्लांट के कमरे का दरवाजा खुला और उसमें युवक का शव देखकर सन्न रह गए। परिजनों ने इसकी सूचना डायल 112 व पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार वर्मा मय फोर्स के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। वहां उन्होंने शव को कब्जे में लेकर घटना की जांच शुरू कर दी। घटना स्थल पर भीड़ लग गई थी। श्रवण गौड मजदूरी करता था। उसके पिता भी मजदूरी करते हैं। शादी अभी नहीं हुई थी। चार भाईयों में दूसरे नंबर पर था। घटना स्थल पर पहुंचे एसीपी सारनाथ विदुष सक्सेना से परिजनों ने जमीन विवाद में मारपीट कर फांसी लगाए जाने का आरोप लगा रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार वर्मा ने बताया कि आपस में भाईयों से विवाद चल रहा था। उसमें उसके भाईयों ने मारापीटा भी था। वह आरो प्लांट में खाली कमरे में सोता था। उसका शव फंदे पर लटका मिला। पुलिस जांच कर रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भेज दिया मृतक के भाई मनोज का कहना है कि इसकी जानकारी पहले ही चौबेपुर थाने के उपनिरीक्षक कमल यादव को दी थी कि कोई बड़ी घटना घट सकती है। लेकिन सुनवाई नहीं हुई। आज यह दुखद घटना घट गई।

# बारिश की फुहार के बीच दिया उगते हुए सूर्य को अर्घ्य

**छठ महापर्व का हुआ समापन**

गोरखपुर, एजेंसी। छठ महापर्व के अंतिम दिन मंगलवार को छठ व्रती महिलाओं ने बड़े ही आस्था भाव के साथ छठ माता की पूजा अर्चना की। भोर से ही छठ घाट पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। मंगल गीतों के साथ पूरा परिसर भक्ति से सराबोर रहा।

आधी रात में से ही श्रद्धालुओं ने उठकर स्नान आदि किया। उसके बाद सिर पर डाला रखकर हाथ में कलश लिए माताएं- बहने मंगल गीत गाते हुए छठ घाट पहुंची। घाट पर छठ माता की विधिपूर्वक पूजा अर्चना करने के बाद सूर्य के उदय होने का इंतजार किया।

घाट पर बज रहे भक्ति गाने छठ माता के गुणगान से लोग आस्था में लीन रहे। इसी बीच सूर्योदय से पहले हल्की बारिश शुरू हुई, लेकिन इसमें भी लोगों की आस्था कम नहीं हुई। बारिश की बौछारों के बीच व्रती महिलाएं अर्घ्य देने का इंतजार करते हुए खड़ी रहीं।

लगभग छह बजे के बाद अलग-अलग जगहों पर व्रती महिलाओं ने छठ माता को अर्घ्य देकर अपने घर के लिए प्रस्थान हो गए। शहर के सूर्यकुंड धाम, गोरखनाथ मंदिर के भीम सरोवर,रामी तट के गुरु गोरखनाथ घाट और रामघाट, मानसरोवर, रामगढ़ ताल सहित शहर के लगभग 400 स्थान पर छठ पर्व धूमधाम से मनाया गया।

## महापर्व छठः लोक परंपरा और श्रद्धा का संगम बने पूर्वांचल के घाट, सूर्य को अर्घ्य देकर सुख की कामना

वाराणसी , एजेंसी। हे छठी मईया भूल चूक माफ करिहअ हमार के साथ छठ व्रतियों ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पर्व का समापन की। महापर्व ढाला छठ के चौथे दिन मंगलवार को जिले के 157 घाटों (गंगा घाट, तालाब और पोखरा किनारे) उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए जन सैलाब उमड़ा।

भोर तीन बजे ही व्रती महिलाएं घाट पर पहुंच गईं। वे वेदी के सामने घुटने भर पानी में खड़ी होकर छठी मइया की आराधना में डूब गईं। उग हे सुरुजदेव... भइल अरघ के बेर गीत गुनगुनाती रहीं। बादलों के चलते सूर्य के दर्शन तो नहीं हुए करीब तीन घंटे की प्रतीक्षा के बाद महिलाओं ने शुभ मुहूर्त में सुबह 6:25 बजेव्रती महिलाओं ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित की। इसी के साथ व्रतियों ने 36 घंटे के व्रत का पारण किया। इस दौरान शंख शहनाई की ध्वनि और छठी मइया के जयकारे से तट गूंज उठा।

नगर के कचहरी घाट, अस्सीघाट, पक्काघाट, नारघाट, संकटाघाट, फतहांघाट पर आधी रात को ही व्रती महिलाएं अपनी बेदी के पास के पहुंच गई थीं। रात दो बजे से लोगों के घाट पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। सड़कों पर आगे-आगे व्रती महिलाएं सूप में अखंड दीप लेकर चल रही थीं। पीछे-पीछे सिर पर प्रसाद का दउरा रखकर उनके परिजन चल रहे थे।

आस्था, संयम और श्रद्धा का प्रतीक चार दिवसीय छठ महापर्व मंगलवार की भोर में उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। सुबह सूर्योदय से पहले ही शहर के गंगा घाटों पर व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ी थी। काले बादलों के बीच जैसे ही भगवान भास्कर की लाल रश्मियां गंगा की लहरों पर पड़ीं, वैसे ही घाटों पर छठ मइया के जय और सूर्य देव की जय के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा।

### बिना ऑपरेशन कबाड़ हुई 82 लाख की मॉड्यूलर ओटी

## इंजीनियरों ने निष्प्रयोज्य घोषित किया-अब सवा करोड़ लगेंगे

कानपुर , एजेंसी। कानपुर के उर्सला अस्पताल में 82 लाख रुपये से बनाई गई मॉड्यूलर ओटी बिना किसी ऑपरेशन के कबाड़ हो गई। यह 2009-10 में बनाई गई थी। निदेशक डॉ. एचडी अग्रवाल ने इंजीनियरों से निरीक्षण कराया तो उन्होंने निष्प्रोज्य घोषित कर दिया। उनका कहना है कि इसका जीर्णोद्धार भी नहीं हो सकता है। तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान में इस तरह की ओटी बनाई जाए तो 1.25 करोड़ रुपये लागत आएगी। अस्पताल के मुख्य भवन में वार्ड पांच के पास सन 2009-10 में 15 बाई 15 के कमरे में मॉड्यूलर ओटी बनवाई गई थी।

एनआरएचएम के बजट से करीब 82 लाख रुपये की लागत आई थी। उसी समय एनआरएचएम घोटाले का मामला उजागर हुआ तो इसकी आंच ओटी तक पहुंच गई। ओटी बनाने में घोटाले की अफवाह भी उड़ी। इसके बाद से इसका संचालन शुरू नहीं हो सका जब स्थितियां कुछ ठीक हुई तो ओटी में लगी कुछ मशीनों में खराबी आ गई। इन मशीनों का एनुअल मेंटीनेंस कॉन्ट्रैक्ट (एएमसी) कराया ही नहीं गया था, जिसके चलते मशीनों की मरम्मत नहीं हुई और ओटी की स्थिति खराब होती गई।

**ओटी में कबूतरों और चूहों का कब्जा :** आरोप है कि उसी समय जब इसके लिए उपकरणों की खरीद फरोख्त हुई थी, तो उसमें भी काफी धांधली की गई थी। दो लाख का अगर एक उपकरण है तो उसे चार लाख का बताया गया। उपकरणों का मेंटीनेंस न होने व तारों की खराबी के चलते वह शुरू नहीं हो सकी। ओटी में कबूतरों और चूहों का कब्जा हो गया। अब इंजीनियर ने भी मना कर दिया। उनका कहना है कि अब इसका संचालन नहीं हो सकता है।

**एसी के लिए लगने वाला सिस्टम बर्बाद :** अब इंजीनियरों की रिपोर्ट के अनुसार, उर्सला अस्पताल की इस ओटी की स्थिति इतनी खराब है कि सर्जरी किया जाना संभव नहीं है। एसी के लिए लगने वाला सिस्टम बर्बाद हो गया है। निदेशक डॉ. एचडी अग्रवाल ने बताया कि वर्तमान में अस्पताल में चार ओटी संचालित हैं जिसमें हड्डी, नाक-कान-गला, नेत्र और सामान्य मिलाकर औसत 30 सर्जरी रोजाना हो रही हैं। अगर मॉड्यूलर ओटी शुरू हो जाती, तो सर्जरी की संख्या बढ़ने के साथ ही रोगियों में संक्रमण की आशंका भी न के बराबर होती।

**लैप्रोस्कोपिक व इंडोस्कोपी मशीनें दूसरे कमरे में रख दी गईं :** मॉड्यूलर ओटी में ऑपरेशन टेबल, सर्जिकल लाइट, एनेस्थीसिया मशीन, मरीज मॉनिटर, उच्च दक्षता कणिकीय वायु (हेपा) फिल्टर, मेडिकल गैस पैनल जैसे कई महत्वपूर्ण उपकरण लगाए गए थे। इस ओटी में इंटरकॉम की व्यवस्था भी थी जिससे ओटी के अंदर वाले लोगों को अगर बाहर से कुछ मंगाना हो तो वह फोन कर भी मंगा सकते थे। हेपा फिल्टर भी लगा था जो छोटे से छोटे बैक्टीरिया को अपने में चिपका लेता और रोगी को संक्रमण से बचा सकता है।

### घर के पास भूसे के ढेर में मिली बालिका की लाश, शरीर पर नहीं थे कपड़े; पास में मिले बिस्कुट-गुटखा के पैकेट

चंदौली , एजेंसी। अलीनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में छह वर्षीया बालिका का शव मंगलवार की भोर में घर से कुछ दूरी पर भूसे के ढेर में मिला। पास में ही लड़की के कपड़े, बिस्कुट और गुटका के पाउच पड़े थे। इससे बालिका से दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मजदूरी कर परिवार का पेट पालने वाले मजदूर की सबसे छोटी बेटी सोमवार की शाम घर के बाहर खेल रही थी। देर रात तक वह वापस नहीं लौटी तो परिवार वालों को चिंता हुई। रात नौ बजे से बालिका की तलाश शुरू की। पूरे गांव में ढूंढने पर भी वह नहीं मिली। परिजन पुलिस के पास जाने की तैयारी करने लगे।

इसी बीच, भोर में घर से पचास मीटर दूर भूसा रखने के लिए बने छावनी के पास गए तो मासूम के कपड़े दरवाजा पर देख कर शक हुआ। जब वे अंदर गए तो बिस्कुट के पैकेट और गुटका का पाउच मिला। शक होने पर भूसे को हटाया तो उसमें बालिका नग्न अवस्था में मृत पड़ी मिली।

### पुलिस ने की कार्रवाई

ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। बालिका की हत्या की सूचना पर अलीनगर थानाध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय और पीडीडीयू नगर के सीओ कृष्ण मुरारी शर्मा आदि पहुंच गए। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंच कर साक्ष्य जुटाए। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आगे की कार्रवाई में पुलिस जुटी रही।

इस संबंध में सीओ कृष्ण मुरारी शर्मा ने बताया कि बालिका का शव मिला है। उसको पोस्टमार्टम के लिए भेज कर कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पटा चलेगा कि बालिका से दुष्कर्म भी हुआ है या नहीं। वहीं, बालिका की मौत के बाद परिजनों का रो-रो कर हाल बेहाल है।

## बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन की नई व्यवस्था नहीं हुई लागू, इसलिए भीड़ से बिगड़ रहे हालात

मथुरा , एजेंसी। वृंदावन के श्री बांकेबिहारी मंदिर में इन दिनों अव्यवस्थाएं देखने को मिल रही हैं। भीड़ से न गलियों में चैन मिल रहा है और न ही मंदिर में। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित श्री बांकेबिहारी मंदिर प्रबंधन हाईपावर्ड कमेटी ने मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर कई आदेश दिए, लेकिन आदेशों के पालन के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई। आदेशों के पालन की चिंता न तो स्थानीय प्रशासन को है और न ही सेवायतों को।

श्री बांकेबिहारी मंदिर हाईपावर्ड कमेटी के गठन के बाद कई बैठकों का दौर चला। हर बैठक में पुराने नियमों पर चर्चाएं हुईं तो नए नियमों को लागू किया गया। आदेश जारी किया गया, लेकिन आदेश मंदिर पहुंचते ही दम तोड़ गए। वीआईपी पर्ची सिस्टम चूंकि सबको दिखाई देता है, इसलिए इसे तत्काल बंद कर दिया गया। जबकि मंदिर के समय में जो परिवर्तन किया गया, वह आज तक लागू नहीं हो सका। मंदिर में रैलिंग लगाने की बात की जाए तो पिछली मीटिंग में इसके लिए आदेश दिए गए, लेकिन छह लाइन की रैलिंग की व्यवस्था भी नहीं हो पाई है।

यहां तक राजस्थान सिक्योरिटी एजेंसी को लेकर कहा गया कि इस एजेंसी की जगह रिटायर्ड सैनिकों की एजेंसी को लगाया जाए, लेकिन आज तक इस दिशा में भी कोई काम नहीं हो पाया है। अब तो सेवायत ही खुद सवाल उठा रहे हैं कि अगर आदेशों का पालन ही नहीं होना है तो कमेटी नए आदेश क्यों दे रही है।

कमेटी के पदाधिकारी अपने ही आदेशों का पालन कराने में पीछे क्यों हैं। भीड़ में फंसे लोगों से इस बारे में बात की गई तो गाजियाबाद से आए वरुण ने कहा कि मंदिर में भीड़ लगातार बढ़ती ही जा रही है। नई कमेटी के बारे में सुना था, लग रहा था कि व्यवस्थाएं बेहतर होंगी, लेकिन यहां आए तो कुछ नहीं दिखा।

## दुल्हन बनने से 23 दिन पहले...सिरफिरे आशिक ने की ऐसी हरकत, टूट गई शादी; थाने पहुंची पीड़िता रो पड़ी

आगरा , एजेंसी। शिकोहाबाद के एक निजी विश्वविद्यालय की एमए की छात्रा की शादी को एक सिरफिरे आशिक ने तय होने से पहले ही तुड़वा दिया। सिरफिरे ने युवक को धमकी दे डाली कि अगर बरात लेकर आया तो गोली मार दूंगा। आरोपी के खिलाफ युवती की तहरीर पर थाना रामगढ़ में केस दर्ज हुआ है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

रामगढ़ थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाली छात्रा ने आरोप लगाया है कि आरोपी विजय उर्फ कार्तिक निवासी ग्राम कोडर, थाना फरिहा उसे कॉलेज आते-जाते परेशान करता था, जबरदस्ती शादी का प्रस्ताव रखता था, मना करने पर जान से मारने की धमकी देता था, और उसके साथ अश्लील हरकत भी की थी। विरोध करने पर भाई को जान से मारने की धमकी दी थी।

इसकी शिकायत उसके परिजन से भी की थी। मगर, उन्होंने भी कोई कार्रवाई नहीं की। युवती ने बताया कि उसकी शादी 15 नवंबर 2025 को खैरागढ़ के युवक से से तय होने की जानकारी मिलते ही आरोपी विजय 23 अक्तूबर को करीब 10 लोगों के साथ युवक (जिससे रिश्ता तय हुआ था) के घर पहुंचा। वहां उसने युवक के घरवालों को गालियां देते हुए धमकी दी कि अगर युवती उसकी नहीं हुई, तो किसी की नहीं होगी, और शादी वाले दिन ही सबको जान से मार दूंगा। थाना रामगढ़ इंस्पेक्टर संजीव दुबे ने बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर आरोपी विजय उर्फ कार्तिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

## कुसियापुर गांव में फिर आई आफत, दिवाली से पहले 12 मौतें...अब घर की दीवार गिरी; एक व्यक्ति की मौत

आगरा , एजेंसी। आगरा के खेरागढ़ थाना क्षेत्र के गांव कुसियापुर में फिर बड़ा हादसा हो गया। एक घर की दीवार गिर गई। दीवार के मलबे में दबकर घर के अंदर सो रहे व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव को मलबे से निकालने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

गांव कुसियापुर में मंगलवार सुबह तड़के एक मकान की छत की पटिया टूटने से छत गिर पड़ी। हादसे में कमरे में सो रहे युवक की मलबे में दबकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मुन्ना लाल 50 पुत्र राम शरण राजपूत अपने घर के कमरे में सो रहे थे। तभी करीब सुबह 5 बजे छत की गार्डर,पटिया अचानक टूट कर उनके ऊपर गिर पड़ी।

छत गिरने की तेज आवाज होने से परिजन दौड़ कर कमरे में पहुंचे और मलबे में दबे घायल मुन्ना लाल को निकाल कर सीएचसी खेरागढ़ ले गए जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।सूचना पर नायब तहसीलदार अभिषेक कुमार, थाना प्रभारी मदन सिंह भी पुलिसफोर्स के सहित मौके पर पहुंच गए।पुलिस ने विधिक कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

### सीलन से गार्डर में जंग लगने से कमजोर होकर टूटी गार्डर,पटिया

ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार से हो रही वर्षा से छत में सीलन हो गई वहीं गार्डर भी जंग लगने कमजोर हो गया था। और जर्जर गार्डर,पटिया चटक कर टूट गई।

बतादें कि कुछ दिन पूर्व ही मूर्ति विसर्जन के दौरान कुसियापुर के 12 नवयुवकों की नदी के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। गांव के लोग अभी बड़े हादसे के गम से उबरे भी नहीं थे कि मंगलवार सुबह हुए दर्दनाक हादसे में एक और मौत से गांव में मातम छा गया।वहीं परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव को मलबे से निकालने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

### बुखार और अस्थमा हुआ जानलेवा... 24 घंटे में तीन लोगों की मौत

मैनपुरी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में अस्थमा के साथ बुखार जानलेवा बन रहा है। बीते 24 घंटे में सांस लेने में दिक्कत के कारण जिला अस्पताल पहुंचे दो मरीजों ने दम तोड़ दिया। वहीं, बुखार से पीड़ित महिला की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। पांच मरीजों को हालत बिगड़ने पर मेडिकल कॉलेज सैफई के लिए रेफर किया गया है।

जिले में दिवाली के बाद अचानक अस्थमा और निमोनिया के मरीजों की संख्या बढ़ चली है। सोमवार को महाराजा तेज सिंह जिला अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की भीड़ देखी गई। अस्पताल की ओपीडी में 1249 मरीजों को प्राथमिक उपचार दिया गया। 43 मरीज गंभीर हालत में भर्ती कराए गए। पांच मरीजों को हालत बिगड़ने पर मेडिकल कॉलेज सैफई के लिए रेफर किया गया।

शहर के मोहल्ला ककरइया निवासी सीमा देवी (46) पत्नी अशोक को पिछले कुछ दिन से बुखार आ रहा था। परिजन उनका एक निजी डॉक्टर के यहां उपचार करा रहे थे। सोमवार को हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे यहां डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। शहर के मोहल्ला रघुराजपुरी निवासी रामनरेश (76) को सांस लेने में दिक्कत के चलते रविवार की शाम जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

उपचार के दौरान देर रात उनकी मौत हो गई। गांव अंजनी निवासी कम्मोद सिंह (85) को भी सांस लेने में दिक्कत के चलते रविवार की रात जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

## प्रदेश के पंचायत चुनावों में एसआईआर का पड़ेगा प्रभाव, अपने तय समय से चुनाव करा पाना होगा मुश्किल

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश को विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) में शामिल किए जाने से इसका असर पंचायत चुनाव की तैयारियों पर पड़ना तय माना जा रहा है। लोकसभा-विधानसभा और पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूचियां अलग-अलग हैं। जबकि, इन सूचियों को अपडेट करने की जिम्मेदारी उठाने वाले निचले स्तर के कर्मचारी कॉमन हैं। इसलिए दिक्कतें आना तय माना जा रहा है।

यूपी में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अगले साल अप्रैल-मई में होने हैं। इन दिनों पंचायत चुनाव के लिए मतदात सूचियों को अपडेट करने का काम चल रहा है। 1 जनवरी 2025 के आधार पर मतदाता सूची दुरुस्त करने के लिए सर्वे का काम पूरा हो चुका है। अब सभी एसडीएम डाटा चेकिंग के बाद इसे ऑनलाइन फीड करवाने का काम करेंगे। मतदाता सूची का मसौदा (अनंतिम सूची) 5 दिसंबर को प्रकाशित होगा। जबकि, फाइनल सूची 15 जनवरी 2026 को प्रकाशित करने की घोषणा की गई है।

इसके बाद पंचायत चुनाव की मतदाता सूचियों में उन युवा मतदाताओं को शामिल करने का अभियान भी चलेगा, जो 1 जनवरी 2026 को 18 साल के हो जाएंगे।

इसी बीच 28 अक्तूबर से 7 फरवरी के बीच एसआईआर का काम पूरा करना होगा। जानकारों का कहना है कि दोनों ही तरह की मतदाता सूचियों के लिए बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) कॉमन हैं, इसलिए काम का भार कम करने के तरीके भी निकालने होंगे। इसके लिए यह भी हो सकता है कि स्थानीय प्रशासन कुछ और बीएलओ देकर जिम्मेदारियों को बांट दें।

**क्या पंचायत चुनाव टल सकते हैं? :** पंचायतीराज विभाग के एक अधिकारी ने नाम न छापने के अनुरोध के साथ बताया कि पंचायतीराज अधिनियम के अनुसार, ये चुनाव पंचायतों का कार्यकाल खत्म होने के छह माह पहले या बाद तक कराए जा सकते हैं। इसलिए छह माह से ज्यादा चुनाव टालने पर केंद्र सरकार से मिलने वाली स्वास्थ्यता रुक जाएगी। फिर यूपी में वर्ष 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव को देखते हुए भी पंचायत चुनावों को टालना मुमकिन नहीं होगा। इसलिए इन सब स्थितियों के बीच ही समाधान ढूंढने होंगे।

### सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

अलीगढ़ , एजेंसी। गांव काका वेगपुर निवासी एक व्यक्ति में कासगंज से लौटते वक्त किसरौली के पास एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। अचेत हालत में उन्हें जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। काका वेगपुर निवासी 52 वर्षीय गिरीशचंद्र पुत्र वीरी सिंह कासगंज से एक जन्मदिन समारोह से वापस लौट रहे थे। रास्ते में हाईवे स्थित किसरौली के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां से गंभीर हालत में परिजन उन्हें अलीगढ़ के जेएन मेडिकल कॉलेज ले गए। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। दोपहर को शव का अंतिम संस्कार किया गया। उन्होंने अपने पीछे तीन बेटे-तीन बेटियों को रोते हुए छोड़ा है।

# द रॉयल अटलांटिस

## यहां गेस्ट्स को दिए जाते हैं सोने की कंघी-ब्रश

दुबई के पाम जुमेराह आइलैंड पर अटलांटिस द रॉयल नामक लग्जरी रिसॉर्ट बनाया गया है। इस रिसॉर्ट के नाम के साथ विश्व का मोस्ट अल्ट्रा लग्जरी एक्सपीरियंसल रिसॉर्ट का तमगा जुड़ा हुआ है। इस रिसॉर्ट की शुरुआत साल 2023 जनवरी में हुई थी। रिसॉर्ट को लग्जरी वेलनेस प्रोवाइड करने के मकसद से बनाया गया है।

### लुई वितों, वेलेंटिनो जैसे ब्रांड भी यहां

रिसॉर्ट 6 अलग-अलग टावरों से मिलकर बना है। प्रत्येक टावर कुछ मंजिलों के ब्लॉक जैसा नजर आता है। 43 मंजिला यह रिसॉर्ट करीब 178 मीटर ऊंचा है। इसमें 795 लग्जरी कमरे हैं। इसमें करीब 44 पेंट हाउस व सुइट्स बनाए गए हैं। इसके साथ ही 17 से ज्यादा रेस्तरां बनाए गए हैं। इस रिसॉर्ट में 90 स्विमिंग पूल भी है, जो रिसॉर्ट की भव्यता को दर्शाता है। रिसॉर्ट में लुई वितों, वेलेंटिनो और डोल्सी एंड गबाना जैसे मशहूर टेक्सटाइल ब्रांड भी नजर आते हैं। एट्रेस प्वाइंट पर पानी पर केंद्रित कई इंस्टॉलेशन डिजाइन किए गए हैं।

### 100 साल पुराने ऑलिव पेड़ का उपयोग

इस रिसॉर्ट में 17 रेस्तरां है, जो इसे प्लेनेट का सबसे बड़ा सेलेब्रिटी रेस्तरां कलेक्शन बनाता है। इसके साथ ही यहां 18 वें व 19वें फ्लोर पर रॉयल मेंशन नामक प्रायवेट सुइट है। इस दो मंजिला लग्जरी सुइट में एक इनफिनिटी पूल, पर्सनल थिएटर और लाइब्रेरी भी है। इसके प्रवेश द्वार को 100 साल पुराने ऑलिव पेड़ों से सजाया गया है। इस सुइट में 12-15 लोगों के रहने की व्यवस्था हो सकती है। यहां एक रात रुकने का किराया करीब 83 लाख रुपए है। यह दुनिया का सबसे महंगा लग्जरी सुइट बनाता है। यह सुइट करीब 11 हजार वर्गफीट में फैला हुआ है।

### ज्वालामुखी के पत्थरों को सोने में डुबाकर देते हैं मसाज

यहां रॉयल कस्टमर्स के लिए हमींस द्वारा सोने के टूथब्रश, कंघी और रेजर बनाए गए हैं। रिसॉर्ट में 32 हजार वर्गफीट में वेलनेस एरिया है। यहां पर 24 कैरेट गोल्ड फेशियल और गोल्डन आवर मसाज आगंतुकों को दी जाती है। गोल्डन मसाज में ज्वालामुखी पत्थरों को सोने में डुबाया जाता है और सोने के अर्क वाले अरोमाथेरेपी ऑयल के साथ अरेबिक वेलनेस कल्चर के अनुसार शरीर पर मसाज की जाती है। यहां 3500 गैलन पानी से घिरी ग्लास लिफ्ट भी है और तीन मंजिला एक्वेरियम भी बनाया गया है, जिसमें 7200 समुद्री जीव है। एंट्रेस पर 37 फीट ऊंची स्टेनलेस स्टील की प्रतिमा डॉप्लेट्स है, जो रेगिस्तान की धरती पर बारिश की पहली बूंद गिरने को दर्शाती है।

### ओपनिंग के लिए पॉप स्टार बियांसे को बुलाया

दुबई तो वैसे भी अपनी लग्जरी लाइफ और अमीरी के लिए जाना जाता है. यहां बनी बुर्ज खलीफा इमारत दुनियाभर में फेमस है, लेकिन इस बार दुबई का नाम एक अल्ट्रा लग्जरी होटल-रिजॉर्ट को लेकर चर्चा में है. दुबई में खुला अटलांटिस रॉयल होटल में एक रात का जितना किराया लगता है, उतने में आप चमचमाती मर्सिडीज कार खरीद सकते हैं. इस अल्ट्रा लग्जरी रिजॉर्ट की ओपनिंग सेरिमनी के दौरान प्रस्तुति के लिए ग्रैमी अवार्ड विजेता अमेरिकी पॉप गायक बियांसे को बुलाया गया था.

## सागरदा फैमेलिया:

### 141 साल से बन रहा स्पेन का ये चर्च, बनने के बाद होगा विश्व का सबसे ऊंचा चर्च

बार्सिलोना मेगा प्रोजेक्ट के तैयार होने में 2-4 साल का समय लगना तो आम बात है। लेकिन स्पेन के बार्सिलोना में एक ऐसी जगह है, जिस पर पिछले 141 सालों से काम चल रहा है। लेकिन अभी तक काम खत्म नहीं हुआ है। यह इमारत है सागरदा फैमिलिया नामक चर्च की। इस चर्च पर अभी भी काम चल रहा है। लेकिन फिर भी यह स्पेन के प्रमुख टूरिस्ट आकर्षणों में से एक है। साल 2026 तक इस चर्च का काम पूरा होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

### सिविल वॉर और महामारी की वजह से प्रभावित हुआ काम

चर्च के बनने की शुरुआत 1882 में हुई थी। लेकिन कई कारणों से काम पूरा नहीं हो पाया। 1926 में एक चौथाई काम ही हुआ था कि काम पर पहला ब्रेक लग गया। क्योंकि इसके मुख्य आर्किटेक्ट एंटोनी गॉडी की मौत हो गई थी। साल 1939 में स्पेनिश सिविल वॉर की वजह से भी काम रुक गया। उस चर्च के मॉडल को नुकसान पहुंचाया था। चर्च के निर्माण कार्य से जुड़े 12 लोगों की जान भी गई थी। इसके बाद तानाशाह फ्रांसिस्को फ्रेंको के शासनकाल में भी इसके निर्माण की प्रगति प्रभावित हुई। साल 2007 में स्पेनिश सरकार ने इस चर्च के नीचे से हाईस्पीड रेल परियोजना लॉन्च की, जिससे इसके बनने पर प्रश्नचिन्ह खड़े हो गए। बाद में काम कोरोना महामारी आने तक चला।

### एक बुकसेलर को आया था इसे बनाने का विचार

इस भव्य चर्च को बनाने का विचार बुकसेलर जोसेप मारिया बोकेबेला को आया था। वे पवित्र परिवार को समर्पित एक स्थल बनाना चाहते थे। इस विशाल चर्च में कुल 18 टावर बनने हैं। इनमें से 12 टावर जीसस क्राइस्ट के शिष्यों को समर्पित होंगे। वहीं चार टावर प्रचारकों, एक वर्जिन मैरी व मुख्य टावर ईसा मसीह को समर्पित होगा। चर्च के तीन अग्रभाग ईसा मसीह के जन्म, मृत्यु और पुनर्जन्म को प्रदर्शित करेंगे। इस चर्च के बनने के बाद यह दुनिया का सबसे ऊंचा चर्च बन जाएगा। टावर ऑफ जीसस क्राइस्ट की ऊंचाई 565 फीट होगी और बाकी टावर 442 फीट ऊंचे बनने हैं। चर्च की लंबाई 295 फीट और चौड़ाई 196 फीट है। यह चर्च यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों की सूची में भी शामिल है। क्रिसमस के दिनों में इस चर्च में खास सजावट की जाती है।

क्या आप जानते हैं कि ऊंचे बादल 5-14 किमी की ऊंचाई पर बनते हैं और इसमें सायरस जैसे बादल शामिल होते हैं। मध्य ऊंचाई के बादल 2-7 किमी की ऊंचाई पर बनते हैं। वहीं, कम ऊंचाई के बादल धरती की सतह से 2 किमी की ऊंचाई तक बनते हैं, जैसे स्ट्रेटस और क्यूम्यलस। ऊंचे बादलों में तापमान बहुत कम होता है क्योंकि ये बर्फ के क्रिस्टल्स से बने होते हैं। जैसे-जैसे ये बादल नीचे आते हैं, पानी की बूंदों में बदलते जाते हैं।

# 100 हाथियों के बराबर होता है बादलों का वजन

क्या कभी आपका भी मन हुआ है कि बादलों के संग उड़ते फिरें। या रूई से हल्के, मुलायम, सफेद बादलों पर चढ़कर कहीं सैर पर निकल जाएं। खासकर हवाई जहाज के सफर में जब प्लेन बादलों के बीच से गुज़रता है, उस समय तो जानें कितने खयाल आते हैं। काश..खिड़की खोलकर इन बादलों पर कूद जाएं। या इन्हें एक बार छूकर ही देख लें। लेकिन अगर कोई बताएं कि इन सावनीले बादलों का वजन सौ हाथियों के बराबर होता है..तो क्या आप विश्वास करेंगे। बादल पानी की छोटी बूंदों या बर्फ के छोटे क्रिस्टल से बने होते हैं। इनमें मौजूद पानी की बूंदें और बर्फ के क्रिस्टल इतने छोटे होते हैं कि ज़मीन से खूबसूरत फूले हुए दिखाई देते हैं।बादल बनने की प्रक्रिया के बारे में तो ज्यादातर लोगों ने पढ़ा ही है। धरती के पानी के भाप बनकर ऊपर उठने, ठंडी हवा में बदलने और छोटे-छोटे पानी के कणों में इकट्ठा होने का परिणाम हैं ये बादल। यह प्रक्रिया धरती के जल चक्र का हिस्सा है।

### कितना होता है बादलों का वजन

बादलों का वजन बेहद दिलचस्प विषय है। आमतौर पर उनकी हल्की फूली आकृति हमें ये मानने पर मजबूर कर देती है कि बादल एकदम हल्के फुल्के होते होंगे। लेकिन वास्तविकता इससे बहुत अलग है। असल में बादलों का वजन बहुत अधिक होता है। औसतन, एक क्यूम्यलस प्रकार का बादल लगभग 1.1 मिलियन पाउंड (लगभग 450,000 किलोग्राम या 450 टन) वजन का होता है। इसे सरल शब्दों में समझें तो यह पृथ्वी पर लगभग 100 हाथियों या तीन विशालकाय ब्लू व्हेल के वजन के बराबर होता है। दिखने में हल्के लगने वाले इन बादलों का भारीपन उनकी अदृश्य भौतिक संरचना का प्रमाण है। वैज्ञानिक बादल के वजन का अनुमान लगाने के लिए उसके घनत्व और आकार का उपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए, एक साधारण क्यूम्यलस बादल में पानी की मात्रा लगभग 0.5 ग्राम प्रति घन मीटर होती है। यदि बादल 1 किलोमीटर लंबे, चौड़े, और ऊंचाई में हो, तो इसका कुल वजन 1.1 मिलियन पाउंड तक पहुंच सकता है। अब सवाल ये है कि बादलों के भारी होने के बावजूद वे आसमान में तैरते कैसे हैं। ये इसलिए संभव होता है क्योंकि गर्म हवा का प्रवाह और वायुमंडलीय दबाव बादलों को गिरने से रोकते हैं। इसके अलावा, जब बादलों में पानी की बूंदें आपस में मिलकर बड़ी हो जाती हैं तो वे आखिरकार बारिश या बर्फ के रूप में गिर जाती हैं।

### क्यों हल्के नज़र आते हैं बादल

लौटते हैं बादलों के वजन पर। अगर बादल इतने भारी होते हैं तो हमें उनके हल्के होने का आभास क्यों होता है। ऐसा इसलिए है कि वो हमें आसमान में उड़ते नजर आते हैं। बादलों का घनत्व आसपास की हवा से कम होता है और वायुमंडलीय दबाव उन्हें सहारा देता है। बादलों का घनत्व हवा की तुलना में कम होने के कारण वे हवा से अधिक उत्प्लावन बल का अनुभव करते हैं। इसी कारण बादल अपने वज़न को संतुलित कर पाते हैं और आस-पास की हवा से दूर तक उड़ते रहते हैं। तो अगली बार जब भी आप आसमान की तरफ देखें और आपको बादल नजर आएं तो याद करिएगा कि ये नर्म, मुलायम, सुंदर बादल असल में कितने भारी भरकम हैं।

## क्या हैं क्यूम्यलस बादल

अब आपको क्यूम्यलस के बारे में बता दें। ये शब्द लैटिन भाषा से आया है, जिसका अर्थ है ढेर या संचित। बादल आमतौर पर सफेद, फूले हुए और किसी ढेर की तरह दिखते हैं। इनकी आकृति साफ-सुथरी और गोल, एक साथ ढेरी सारी होती है इसीलिए इनकी बनावट और संरचना के कारण इन्हें यह नाम दिया गया है। क्यूम्यलस बादल का आयतन करीब एक अरब घन मीटर होता है। अगर बादल के आयतन को पानी के घनत्व से गुणा किया जाए तो बादल का वज़न मिलता है। क्यूम्यलस बादलों के कई प्रकार होते हैं जैसे कि क्यूम्यलस ह्यूमिलिस, क्यूम्यलस मेडिओक्रिस, क्यूम्यलस कॉन्जेस्टस, क्यूम्यलस रेडिएटस, क्यूम्यलस विरगा, क्यूम्यलस पैनस, क्यूम्यलस आर्कस, क्यूम्यलस टूबा, क्यूम्यलस पाइलस और क्यूम्यलस वेलम। इन बादलों का वर्गीकरण उनकी ऊंचाई, घनत्व, बनावट और वातावरण में उनकी संरचना के आधार पर किया जाता है। हालांकि खारे बादलों को क्यूम्यलस नहीं कहा जाता है। इनके अलावा, बादल कई अन्य प्रकार के भी होते हैं जैसे कि स्ट्रेटोक्यूम्यलस, स्ट्रेटस, और क्यूम्यलोनिम्बस आदि।

## यहां मौजूद है दुनिया की सबसे छोटी गली, गिनीज रिकॉर्ड में भी है शामिल

जब कभी भी हम गलियों का जिक्र करते हैं तो हमारे जहन में लंबी और घुमावदार सड़कों की तस्वीर सामने आती है जो हमारे गांवों और शहरों का एक अहम हिस्सा होती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया में एक ऐसी भी गली हो सकती है जो इतनी छोटी हो कि उसमें से गुजरना मानो एक झटके में हो जाए। जी हां, आज हम आपको एक ऐसे ही गली के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है और जो दुनिया की सबसे छोटी गली मानी जाती है।

### लंबाई मात्र 2.06 मीटर

दुनिया की सबसे छोटी गली ब्रिटेन में है। एबेनेजर प्लेस नाम की यह गली स्कॉटलैंड के कैथनेस के वीक में स्थित है। यह गली अपनी अनोखी लंबाई के कारण गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है, इसकी कुल लंबाई केवल 2.06 मीटर है। एबेनेजर प्लेस का केवल एक ही पता है, जो मैकेंज होटल के हिस्से के रूप में नंबर वन बिस्ट्रो है।

### दुनिया की सबसे छोटी गली का इतिहास

इस गली का निर्माण 1883 में हुआ था और इसे आधिकारिक तौर पर 1887 में गली का दर्जा दिया गया। स्थानीय परिषद ने होटल के छोटे किनारे को एक नई गली के रूप में मान्यता दी और श्री सिंकलेयर को इसका नाम रखने का निर्देश दिया। आपको बता दें, यह गली न केवल अपनी छोटी लंबाई के लिए जानी जाती है, बल्कि अपने ऐतिहासिक महत्व की कारण भी आकर्षण का केंद्र है।

### गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया के अनगिनत अद्भुत और अनोखे रिकॉर्ड दर्ज किए जाते है जिसमें सबसे छोटी गली से लेकर सबसे बड़ी बिल्डिंग तक शामिल है। यह एक प्रतिष्ठित मंच है, जहां लोग अपने असाधारण कौशल उपलब्धियां या अनोखे कारनामों को दर्ज करवाने की कोशिश करते हैं। कई लोग इन रिकॉर्ड्स को तोड़ने और अपने नाम को अमर करने का प्रयास करते है, जिसमें कुछ सफल हो जाते हैं जबकि कई को असफलता का सामना भी करना पड़ता है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड आज भी लोगों के बीच एक बड़ा आकर्षण बना हुआ है।

## 2025 में तीसरी बार डिविडेंड देने जा रही धाकड़ डिफेंस कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। धाकड़ डिफेंस कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी इस साल तीसरी बार डिविडेंड दे रही है। वहीं, चालू वित्त वर्ष का यह पहला अंतरिम डिविडेंड होगा। डिफेंस कंपनी ने सोमवार को तिमाही नतीजों का ऐलान किया था। मझगांव डॉक का रेवन्यू 6.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2929.24 करोड़ रुपये सितंबर तिमाही में रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2756.83 करोड़ रुपये रहा था। जुलाई से सितंबर के दौरान मझगांव डॉक का नेट प्रॉफिट 749.48 करोड़ रुपये रहा था। जोकि सालाना आधार पर 28 प्रतिशत अधिक है। पिछले वित्त वर्ष कंपनी को इसी तिमाही में 585.08 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी ने एक शेयर पर 6 रुपये का डिविडेंड देने का ऐलान किया है। यह वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पहला अंतरिम डिविडेंड है। कंपनी ने डिविडेंड के लिए 4 नवंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। वहीं, योग्य निवेशकों को 26 नवंबर से पहले डिविडेंड का भुगतान कर दिया जाएगा। इस साल कंपनी इससे पहले अप्रैल और सितंबर के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर क्रमशः 3 रुपये और 2.71 रुपये का डिविडेंड दिया था। सोमवार को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के शेयर 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 2810.15 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले एक साल में मझगांव डॉक के शेयरों की कीमतों में 38 प्रतिशत से अधिक की उछाल दर्ज की गई है। 5 साल में इस डिफेंस कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 3229 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

## 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। डेयरी प्रॉडक्ट्स इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट के शेयर सोमवार को इंट्रा डे में 20 पर्सेंट उछलकर 1081.35 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल सितंबर 2025 तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया है। कंसोलिडेटेड बेसिस पर चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में हैटसन एग्रो को 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा हुआ है। हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1200 रुपये है। 73 प्रतिशत बढ़ा है कंपनी का मुनाफा हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में कंसोलिडेटेड बेसिस पर 109.78 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर कंपनी का मुनाफा 73.13 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि के दौरान कंपनी को 63.41 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। हालांकि, तिमाही आधार पर कंपनी का मुनाफा 18.89 पर्सेंट घटा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी को 135.34 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। 2400 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा कंपनी का रेवेन्यू हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट का रेवेन्यू चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 17.1 पर्सेंट बढ़कर 2427.59 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 2072.10 करोड़ रुपये था। हालांकि, तिमाही आधार पर कंपनी का रेवेन्यू 6.3 पर्सेंट घटा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 2590.28 करोड़ रुपये था। सितंबर 2025 तिमाही में टैक्स भुगतान से पहले कंपनी का मुनाफा 147.53 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले टैक्स भुगतान से पहले कंपनी का प्रॉफिट 68.6 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का टैक्स भुगतान से पहले प्रॉफिट 87.50 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में कंपनी के टोटल एक्सपेंसेज सालाना आधार पर 14.7 पर्सेंट बढ़कर 2284.32 करोड़ रुपये रहे हैं। तिमाही आधार पर कंपनी के एक्सपेंसेज 5.2 पर्सेंट घटे हैं।

### मक्का को पक्का कर दबाव बनाने की सोच रहे ट्रंप

# भारत के इथेनॉल मार्केट पर अमेरिका की नजर

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

अमेरिका ने रूस की तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर जो प्रतिबंध लगाए हैं, उनसे भारत अब रूसी कच्चा तेल खरीदना कम कर सकता है। अमेरिका का कहना है कि इस तेल से मिले पैसे से रूस, यूक्रेन में युद्ध लड़ रहा है। लेकिन अमेरिका अभी भारत पर और भी दबाव बनाने की सोच रहा है। ब्लूमबर्ग के अनुसार चीन के साथ व्यापारिक मसलों को सुलझाने के बाद अमेरिका अब भारत के ऊर्जा बाजार में भी अपनी पैठ बनाना चाहता है।

भारत अमेरिका से चाहता है कि वह अपने यहां आयात होने वाले सामानों पर लगने वाले 50 प्रतिशत टैक्स को कम कर दे। इसके बदले में अमेरिका भारत के ऊर्जा बाजार में अपनी जगह बनाना चाहता है। कुछ मांगें ऐसी हैं जिन्हें भारत आसानी से मान सकता है। जैसे भारत की सरकारी तेल कंपनियां अब मिडिल ईस्ट के देशों से एलपीजी (लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस) खरीदने की बजाय अमेरिका से ज्यादा एलपीजी खरीदना चाहती हैं। भारत इस व्यापारिक समझौते को पक्का करने के लिए अमेरिका से एलपीजी पर लगने वाले टैक्स को पूरी तरह खत्म करने को भी तैयार है।

**लेकिन मामला यहां हो जाएगा मुश्किल**

लेकिन जब अमेरिकी बातचीत करने वाले भारत के बायोएनर्जी बाजार को खोलने की

कोशिश करेंगे, तो मामला थोड़ा मुश्किल हो जाएगा। भारत हर साल पेट्रोल में 10 अरब लीटर इथेनॉल मिलाता है। यह इथेनॉल अमेरिका के मिडवेस्ट में उगाई जाने वाली मक्के की फसल का एक बड़ा हिस्सा इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिका में ज्यादातर बायोइथेनॉल मक्के से ही बनता है।

जैसे-जैसे भारत में गाड़ियों की संख्या बढ़ेगी साल 2050 तक इथेनॉल की यह मांग दोगुनी होने की उम्मीद है। ऐसे में अमेरिका यह नहीं चाहता कि इतने बड़े बाजार में उसकी पहुंच न हो। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि ने अपनी साल 2025 की रिपोर्ट में कहा है कि इथेनॉल को पेट्रोल में मिलाने के बड़े लक्ष्यों के बावजूद भारत ईंधन के तौर पर इथेनॉल के आयात पर रोक लगाता है।

**मजबूत स्थिति में पहुंचा अमेरिका:** ट्रंप के ट्रेड वॉर ने अमेरिका को बातचीत में एक मजबूत स्थिति में ला दिया है। अब जब चीन और अमेरिका दुर्लभ खनिजों के निर्यात और बंदरगाह शुल्क जैसे मसलों पर अपने मतभेद सुलझाते दिख रहे हैं, तो भारत और ब्राजील ही दो बड़े उभरते हुए देश हैं जिन पर सबसे ज्यादा टैरिफ का बोझ है। भारत से कपड़े, घर की सजावट का सामान, झींगा, रत्न और गहने जैसे श्रम-आधारित निर्यात अमेरिका जैसे अपने सबसे बड़े बाजार में लगभग बंद हो गए हैं।

**क्या चाहता है भारत:** भारत की इच्छा है कि अमेरिका भी जवाबी तौर पर 20 प्रतिशत या उससे कम का टैरिफ लगाए और यह समझौता जल्द से जल्द हो जाए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो भारतीय निर्यातक दक्षिण पूर्व एशिया के अपने प्रतिद्वंद्वियों से और पिछड़ जाएंगे।

**मोदी के सामने कई चुनौतियां:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बायोफ्यूल (जैविक ईंधन) के मामले में कोई भी रियायत देने से हिचकिचाएंगे। क्योंकि उन्हें इस मामले में दो तरह से विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

*1. गाड़ी मालिकों का विरोध:* एक तो गाड़ी चलाने वाले लोग सरकार के इथेनॉल मिलाने के सख्त नियमों से खुश नहीं हैं। पुरानी गाड़ियों के मालिक, जिन्हें 80-20 (80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत इथेनॉल) के मिश्रण के लिए डिजाइन नहीं किया गया था, वे इंजन की कम क्षमता और बढ़ते रखरखाव के खर्चों की शिकायत कर रहे हैं। हालांकि सरकार ने जनता को आश्वासन दिया है कि प्रदर्शन पर इसका असर बहुत कम और ठीक करने लायक है।

*2. किसानों का विरोध:* असली विरोध ग्रामीण इलाकों से आएगा। भारत के बायोफ्यूल कार्यक्रम का एक मकसद किसानों के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत पैदा करना भी है। अनुमानों के मुताबिक गन्ने के रस, शीरे, मक्का, धान की पराली, कपास के डंठल और बांस जैसी चीजों को इथेनॉल बनाने वालों को बेचकर किसानों को करीब 1.18 लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। ऊर्जा उत्पादक के तौर पर थोड़ी सफलता का स्वाद चखा है, तो वे विदेशी प्रतिस्पर्धा के आगे अपनी कमाई नहीं छोड़ना चाहेंगे। वे ऐसे किसी भी व्यापार समझौते का विरोध कर सकते हैं।

### क्या मोदी उठाएंगे जोखिम

11 साल से ज्यादा समय से मोदी भारत की राजनीति पर हावी रहे हैं। उनकी आर्थिक नीतियों और कार्यक्रमों का ज्यादा विरोध नहीं हुआ है- सिवाय किसानों के। किसानों ने ही उन्हें एक नहीं, बल्कि दो बार कानून वापस लेने पर मजबूर किया है। साल 2027 तक उत्तर भारत के प्रमुख अनाज उगाने वाले राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में वे ट्रंप के साथ ऐसा व्यापार समझौता करके किसानों को नाराज करने का जोखिम नहीं उठाएंगे।

# टाटा से निकल गया कांटा! रतन टाटा के करीबी मेहली मिस्त्री की विदाई तय

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

देश के सबसे औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में मैज्योरिटी हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट्स में बड़ा उलटफेर हुआ है। दिवंगत रतन टाटा के करीबी माने जाने वाले मेहली मिस्त्री को ट्रस्ट से हटाया जा सकता है। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा, वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और ट्रस्टी विजय सिंह ने मेहली मिस्त्री के कार्यकाल को आगे बढ़ाने की मंजूरी नहीं दी है। सूत्रों के मुताबिक इससे टाटा के इन बड़े चैरिटेबल संस्थानों में उनका सफर खत्म हो जाएगा।

मिस्त्री के कार्यकाल को बढ़ाने के खिलाफ तीन ट्रस्टियों ने वोट दिया है। यह फैसला दोनों अहम ट्रस्टों में बहुमत से लिया गया है। सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट मिलकर टाटा संस में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। वहीं टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टियों में नोएल टाटा, वेणु श्रीनिवासन, विजय सिंह, मेहली मिस्त्री, प्रमित झावेरी और डेरियस खंबाटा शामिल हैं। सर रतन टाटा ट्रस्ट में नोएल

टाटा, वेणु श्रीनिवासन, विजय सिंह, जिमी टाटा, जहांगीर एचसी जहांगीर, मेहली मिस्त्री और डेरियस खंबाटा ट्रस्टी हैं।

चूंकि मेहली मिस्त्री अपने कार्यकाल को बढ़ाने के फैसले पर वोट नहीं कर सकते, इसलिए एसडीटीटी में उनके खिलाफ बहुमत है। एसडीटीटी में भी जिमी टाटा आमतौर पर ट्रस्ट की बैठकों में हिस्सा नहीं लेते हैं, इसलिए वहां भी उनके खिलाफ बहुमत है। यह एक अजीब संयोग है कि मेहली मिस्त्री को उसी अक्टूबर महीने में हटाया जा रहा है, जिस महीने 2016 में उनके चचेरे भाई साइरस मिस्त्री को टाटा संस के चेयरमैन पद से हटाया गया था।

सूत्रों ने बताया कि तीन ट्रस्टियों ने गुरुवार देर रात और शुक्रवार सुबह अपना फैसला बताया। मिस्त्री के तीन साल के कार्यकाल को बढ़ाने का प्रस्ताव टाटा ट्रस्ट्स के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा ने पिछले शुक्रवार को रखा था। ट्रस्टी डेरियस खंबाटा, प्रमित झावेरी और जहांगीर जहांगीर ने पहले ही अपनी सहमति दे दी थी। लेकिन बाकी लोगों की सहमति न मिलने के कारण मिस्त्री का पत्ता कट गया। यह टाटा समूह के लिए एक और अक्टूबर का उथल-पुथल भरा महीना साबित हुआ है।

टाटा ट्रस्ट्स में, ट्रस्टियों की नियुक्ति और अन्य फैसले परंपरा के अनुसार सर्वसम्मति से होते आए हैं। लेकिन 11 सितंबर को इस परंपरा को तोड़ा गया। यह तब हुआ जब लंबे समय से ट्रस्टी रहे रतन टाटा के निधन के करीब एक साल बाद ट्रस्टियों ने बहुमत से पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह को टाटा संस के बोर्ड में एक नॉमिनी डायरेक्टर के पद से हटाने का फैसला किया। इस घटना ने देश भर का ध्यान भारत के सबसे प्रतिष्ठित सार्वजनिक ट्रस्टों के अंदरूनी झगड़ों की ओर खींचा।

## सोना सस्ता, करीब 10,000 टूटा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्ड की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। आज 28 अक्टूबर को इंटरनेशनल मार्केट में सोने का भाव 4000 डॉलर प्रति आउंस के नीचे आ गया है। वहीं, घरेलू बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली है। शादियों के सीजन शुरू होने से पहले सोने और चांदी का भाव कम होने से लोगों ने राहत की सांस ली है। 27 अक्टूबर की शाम को 24 कैरेट गोल्ड का रेट लुढ़ककर 121077 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया था। इससे पहले कल 12 बजे यह 122402 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था। यानी महज कुछ ही घंटों में सोने का भाव 1325 रुपये तक सस्ता हो गया। चांदी की बात करें तो यह सोमवार को 2999 रुपये और सस्ती हो गई। एक किलोग्राम चांदी का रेट कल सोमवार की शाम को 1,45,031 रुपये था। इससे पहले सोमवार की सुबह चांदी 1,48030 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रही थी। 17 अक्टूबर को 24 कैरेट गोल्ड का भाव 130874 रुपये था। तब से सोमवार की शाम तक गोल्ड की कीमतों में 9797 रुपये की गिरावट आ चुकी है। चांदी तो 33000 रुपये से अधिक की सस्ती हो चुकी है। 14 अक्टूबर को चांदी का भाव 178100 रुपये प्रति किलो था। जोकि सोमवार को घटकर 145031 रुपये पर आ गया। यानी तब से अबतक चांदी की कीमतों में 33069 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है। घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में आई गिरावट के पीछे त्योहारों के सीजन को खत्म होने को माना जा रहा है। जिसकी वजह से ज्वैलरी आदि की डिमांड में कमी आई है। वहीं, इंटरनेशनल मार्केट में गिरावट के पीछे की वजह बदलते वैश्विक हालात हैं।

# सरकारी बैंकों में 49 प्रतिशत विदेशी निवेश की मंजूरी दे सकती है सरकार

● आरबीआई से चर्चा कर रहा वित्त मंत्रालय ● 12 सरकारी बैंक, 1.71 लाख करोड़ की संपत्ति

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

सरकारी बैंकों में 49 फीसदी तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मंजूरी मिल सकती है। यह वर्तमान सीमा 20 फीसदी के दोगुना से भी ज्यादा है। यह कदम सरकारी और निजी बैंकों के लिए नियमों के बीच के अंतर को कम करने के प्रयास का हिस्सा है। निजी बैंकों में एफडीआई की वर्तमान सीमा 74 फीसदी तक है। वित्त मंत्रालय कुछ महीनों से भारतीय रिजर्व बैंक के साथ इस मामले पर चर्चा कर रहा है। प्रस्ताव को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। भारत के बैंकिंग उद्योग में विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ रही है। दुबई के एमिरेट्स एनबीडी ने हाल में करीब 27,000 करोड़ रुपये (3 अरब डॉलर) में आरबीएल बैंक में 60 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की इच्छा जताई है। जापान के सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्प ने करीब

17,000 करोड़ रुपये में यस बैंक में 25 फीसदी हिस्सा खरीदा है।

सरकारी बैंकों में विदेशी स्वामित्व की सीमा बढ़ाने से उन्हें आने वाले वर्षों में और अधिक पूंजी हासिल करने में मदद मिलेगी। भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि दर पिछले तीन वित्त वर्षों में औसतन 8 फीसदी की रही है। ऋण की मांग में भी तेजी आई है। इससे देश के ऋणदाताओं का आकर्षण बढ़ा है। जनवरी से सितंबर के बीच भारत के वित्तीय क्षेत्र में सौदे 127 फीसदी बढ़कर 8 अरब डॉलर हो गए।

भारत में 12 सरकारी बैंक हैं। इनकी संयुक्त संपत्ति मार्च तक 1.71 लाख करोड़ रुपये थी। यह पूरे बैंकिंग क्षेत्र का 55 फीसदी हिस्सा है। सरकार सरकारी बैंकों में न्यूनतम 51 फीसदी हिस्सेदारी बनाए रखने की योजना बना रही है। वर्तमान में सभी 12 बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी इससे बहुत अधिक है। कुछ में तो 90 फीसदी तक है। बैंकों के बोर्ड में विदेशी कंपनियों के भी अधिकारी होंगे। निवेश आने से बैंकों को विस्तार करने में मदद मिलेगी। वैश्विक स्तर पर उनकी पहुंच आसान होगी। इस खबर के बाद सोमवार के कारोबारी सत्र में निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 3.02 फीसदी बढ़कर 8053 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अंत में 2.22 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

### हिस्सेदारी 12 फीसदी तक

स्टॉक एक्सचेंजों के आंकड़ों के अनुसार, 30 सितंबर तक सरकारी बैंकों में विदेशी हिस्सेदारी कैनरा बैंक में लगभग 12 प्रतिशत से लेकर यूको बैंक में लगभग शून्य के स्तर तक है। सामान्य तौर पर सरकारी बैंकों को उनके निजी समकक्षों की तुलना में कमजोर माना जाता है। आरबीआई ने पिछले कुछ महीनों में बैंकिंग क्षेत्र में नियमों को कम करने और आसान बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। साथ ही विदेशी बैंकों को भारतीय निजी ऋणदाताओं में बड़ी हिस्सेदारी रखने की अनुमति देने के लिए और अधिक खुला रुख अपनाया है। 49 फीसदी सीमा के बाद 51 फीसदी हिस्सा सरकारी बैंकों के पास रहेगा। ऐसे में बैंक पर नियंत्रण घरेलू निवेशकों का ही रहेगा। यह हिस्सेदारी छोटे और बड़े निवेशकों सहित सरकार की भी होगी।

## जेके टायर का शुद्ध लाभ वित्तीय वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में 54 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी टायर निर्माता जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आज 30 सितंबर 2025 को समाप्त हुई दूसरी तिमाही के अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। डायरेक्टर डॉ. रघुपति सिंघानिया ने परिणामों पर टिप्पणी करते हुए कहा, जेके टायर ने वित्तीय वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है, जो विकास की सकारात्मक गति को समर्थन प्रदान करता है। घरेलू बाजारों में 15 प्रतिशत की वॉल्यूम ग्रोथ दर्ज की गई, जो सभी सेगमेंट्स में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाती है। उन्होंने आगे कहा, अमेरिका में टैरिफ दरों की अनिश्चितता के बावजूद, पिछली तिमाही की तुलना में एक्सपोर्ट वॉल्यूम्स में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, यह वृद्धि हमारी उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों, मौजूदा बाजारों में गहराई तक पहुंच और नए भौगोलिक क्षेत्रों में उच्च मार्जिन वाले उत्पादों की शुरुआत के कारण संभव हुई। कंपनी का समेकित एबिटिडा इस तिमाही में 13.3 प्रतिशत की सुधारात्मक मार्जिन दर के साथ 536 करोड़ रुपए का रहा। बेहतर परिचालन प्रदर्शन का श्रेय अधिक बिक्री मात्रा, कच्चे माल की कीमतों में नरमी और उच्च ऑपरेशनल दक्षता को जाता है।

### स्मार्टफोन में इस्तेमाल होने वाली मेमोरी चिप्स की सप्लाई घट रही है

# सस्ते स्मार्टफोन जल्द हो सकते हैं महंगे

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

इस साल की चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) से सस्ते और मिड-रेंज स्मार्टफोन महंगे हो सकते हैं। ईटी के मुताबिक, इंडस्ट्री के जानकारों और मार्केट पर नजर रखने वालों का कहना है कि इसकी मुख्य वजह मेमोरी चिप्स की बढ़ती कीमतें हैं। इस वजह से फोन बनाने का कुल खर्च (इनपुट कॉस्ट) बढ़ गया है। ट्रेंडफोर्स के मुताबिक, सस्ते और मिड-रेंज स्मार्टफोन में इस्तेमाल होने वाली मेमोरी चिप्स की सप्लाई घट रही है।

ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि चिप बनाने वाली कंपनियां इनका हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटर की बढ़ती मांग प्रोडक्शन कम करके अपनी क्षमता को हाई- बैंडविड्थ मेमोरी की में लगा रही हैं। डेटा सेंटर का मार्केट तेजी से बढ़ने के कारण एचबीएम की डिमांड आसमान छू रही है। फर्म ने अपनी रिपोर्ट में कहा, सप्लाई में स्कावट से बचने के लिए स्मार्टफोन कंपनियों ने चिप की खरीदारी तेज कर दी है। इससे मांग और सप्लाई का संतुलन और बिगड़ गया है, जिसके चलते चौथी तिमाही में एलपीडीडीआर4एक्स चिप की कीमतें 10 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ सकती हैं।

### क्या होगा आगे

काउंटरपॉइंट रिसर्च के एनालिस्ट पर्व शर्मा का कहना है कि चिप की कीमतों में बढ़ोतरी और कमी के पीछे सबसे बड़ी वजह ए.आई. सर्वर के लिए हाई परफॉर्मेंस की बढ़ती मांग है। ज्यादातर मेमोरी प्रोडक्शन अब हाई-बैंडविड्थ मेमोरी बनाने ए.आई. डेटा सेंटर का मार्केट तरफ शिफ्ट हो रहा है, जो ए.आई. कंप्यूटर्स के लिए खेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि चिप बनाने वाली कंपनियों के लिए स्मार्टफोन के पार्ट्स सप्लाई करने के मुकाबले एचबीएम बनाने में लागत और मुनाफा, दोनों काफी ज्यादा हैं। इसी तरह स्मार्टफोन बनाने में इस्तेमाल होने वाला एक और जरूरी हिस्सा नन्द फ्लैश स्टोरेज की कीमतों में भी बाजार के उतार चढ़ाव के कारण तेजी देखी जा रही है।

## सोना सस्ता, करीब 10,000 टूटा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्ड की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। आज 28 अक्टूबर को इंटरनेशनल मार्केट में सोने का भाव 4000 डॉलर प्रति आउंस के नीचे आ गया है। वहीं, घरेलू बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली है। शादियों के सीजन शुरू होने से पहले सोने और चांदी का भाव कम होने से लोगों ने राहत की सांस ली है। 27 अक्टूबर की शाम को 24 कैरेट गोल्ड का रेट लुढ़ककर 121077 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया था। इससे पहले कल 12 बजे यह 122402 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था। यानी महज कुछ ही घंटों में सोने का भाव 1325 रुपये तक सस्ता हो गया। चांदी की बात करें तो यह सोमवार को 2999 रुपये और सस्ती हो गई। एक किलोग्राम चांदी का रेट कल सोमवार की शाम को 1,45,031 रुपये था। इससे पहले सोमवार की सुबह चांदी 1,48030 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रही थी। 17 अक्टूबर को 24 कैरेट गोल्ड का भाव 130874 रुपये था। तब से सोमवार की शाम तक गोल्ड की कीमतों में 9797 रुपये की गिरावट आ चुकी है। चांदी तो 33000 रुपये से अधिक की सस्ती हो चुकी है। 14 अक्टूबर को चांदी का भाव 178100 रुपये प्रति किलो था। जोकि सोमवार को घटकर 145031 रुपये पर आ गया। यानी तब से अबतक चांदी की कीमतों में 33069 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है।

# एसआईआर की सार्थक पहल का विरोध नहीं, स्वागत हो

ललित गर्ग

**ज्ञानेश कुमार की यह पहल केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति में नवीनीकरण का संदेश है। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास की परीक्षा भी है। यदि यह अभियान ईमानदारी और जनसहभागिता के साथ पूरा होता है, तो यह भारत के लोकतंत्र को और परिपक्व बनाएगा। अब जिम्मेदारी केवल चुनाव आयोग की नहीं, बल्कि हर नागरिक और राजनीतिक दल की भी है कि वे इस सुधारात्मक पहल का स्वागत करें और लोकतंत्र के इस महापर्व को निष्कलंक बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं।**

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार के बाद अब देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष ग्रहण पुनरीक्षण (एसआईआर) की शुरूआत करने की घोषणा करके चुनाव विसंगतियों एवं कमियों को दूर करने का सराहनीय एवं साहसिक कार्य किया है। यह पहल न केवल तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया भर है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने की एक निर्णायक कोशिश है। लोकतंत्र की आत्मा उसके निर्वाचन तंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता में बसती है और चुनाव आयोग का यह कदम उसी दिशा में एक ठोस, सकारात्मक और आवश्यक प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया से सबक लेते हुए इस बार आयोग ने प्रक्रिया के लिए अधिक समय दिया है, ताकि बिहार जैसी जल्दबाजी और अफरातफरी से बचा जा सके। आधार कार्ड को एक सहायक दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल बनेगी।

निश्चित ही इस बार 12 राज्य संख्या में ज्यादा हैं तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, गोवा, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप हैं, इनमें से केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल विधानसभा चुनाव है, लेकिन उसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया। आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन एसआईआर में इसे एक डॉक्युमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का मसला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुंच में हों और आधार आज पहचान का सबसे सरल जरिया है।

मतदाता सूची की सटीकता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता

लोकतंत्र की रीढ़ है। भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में मतदाता सूची की सटीकता सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिये एक निश्चित अन्तराल के बाद एसआईआर की प्रक्रिया होते रहना अपेक्षित है। इसके पहले एसआईआर करीब दो दशक पहले किया गया था। कम से कम अब तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एसआईआर में इतना अंतराल न आने पाए, क्योंकि अब लाखों लोग नौकरी-पेशे के चलते अन्यत्र चले जाते हैं। इनमें से अधिकांश वहीं बस जाते हैं। कई बार देखा गया है कि मृत व्यक्तियों के नाम सूची में बने रहते हैं, वहीं नये पात्र नागरिकों के नाम दर्ज नहीं हो पाते। ग्रामीण इलाकों से लेकर महानगरों तक, इस विसंगति के चलते मतदान प्रतिशत प्रभावित होता है और चुनावी परिणामों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगता है। एसआईआर का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह पहल-इन खामियों को दूर करने की दिशा में एक संगठित और वैज्ञानिक लोकतांत्रिक प्रयास है। यदि यह कार्य धरातल पर ईमानदारी से लागू हुआ, तो यह मतदाता सूची की पवित्रता और लोकतंत्र की गरिमा दोनों को बढ़ाएगा।

भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिये यह बहुत जरूरी है, इसके लिये राजनीतिक दलों की भूमिका एवं सहयोग अपेक्षित है, वे इस प्रक्रिया को सकारात्मक दृष्टि से लें। इस सराहनीय एवं नितांत अपेक्षित उपक्रम के लिये विपक्षी दलों के द्वारा विरोध का वातावरण बनाना एवं आस्तीनें चढ़ाना उनकी विश्वसनीयता एवं जिम्मेदारी पर प्रश्न खड़ा करता है। अक्सर देखा गया है कि जब चुनाव आयोग सुधारात्मक कदम उठाता है, तो विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। परंतु लोकतंत्र का स्वास्थ्य तब ही सुदृढ़ होगा जब सभी दल 'पारदर्शिता' को 'राजनीतिक लाभ-हानि' से ऊपर रखेंगे। विपक्ष को चाहिए कि वह इस पहल का विरोध करने की बजाय स्वागत करे और इसे सही दिशा में लागू कराने में सहयोग दे, न कि शंका और अविश्वास के चश्मे से देखे। बहरहाल, राजनीतिक पार्टियों की यह महती जिम्मेदारी है कि वे सिर्फ दोषारोपण करने तक सीमित न रहें, बल्कि इस पूरी प्रक्रिया में अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। इसी तरह, नागरिक संगठनों के लिए भी यह सक्रिय होने का समय है। उनकी निगरानी बीएलए के काम को अधिक सरल व सटीक बना सकती है। कुल मिलाकर पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने का सपना दिखाने वाले चुनाव आयोग के सामने अभी अपनी इस प्राथमिक जिम्मेदारी को ही निर्विवाद रूप से पूरा करने की चुनौती है।

डिजिटल युग में चुनाव सुधार केवल मानव संसाधन या प्रशासनिक इच्छाशक्ति का नहीं, बल्कि तकनीकी पारदर्शिता का भी प्रश्न है। बायोमेट्रिक सत्यापन, ऑनलाइन नामांकन और डेटा क्रॉस-वेरिफिकेशन जैसे उपाय अब आवश्यक हो चुके हैं। विशेष ग्रहण पुनरीक्षण इस दिशा में आधारभूत कार्य करेगा यानी चुनावी डाटा की सफाई और पुनर्गठन। भारत की चुनावी प्रक्रिया विश्व में सबसे बड़े लोकतांत्रिक अभ्यास के रूप में जानी जाती है। लेकिन यह गौरव तभी सार्थक होगा जब मतदाता सूची, मतदान केंद्रों की निष्पक्षता और आचार संहिता के पालन में कोई संदेह न रहे। चुनाव आयोग की यह पहल उसी लक्ष्य की ओर एक ठोस कदम है। लोकतंत्र केवल मतों की गिनती नहीं, बल्कि विश्वास की गिनती है और यह विश्वास चुनाव आयोग की ईमानदारी, पारदर्शिता और सक्रियता पर टिका है। जन-प्रतिनिधित्व कानून, 1950 की धारा 21 चुनाव आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और उनको संशोधित करने का अधिकार देती है। मतदाता सूचियों को दुरुस्त करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की अनिवार्य आवश्यकता भी है। विडंबना यह है कि कुछ दलों को इस आवश्यकता की पूर्ति किया जाना रास नहीं आ रहा है। उन्होंने बिहार में एसआईआर को लेकर आसमान सिर पर उठाया और वोट चोरी के जुमले के सहारे सड़कों पर उतरने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया। मगर उनकी दाल न सुप्रीम कोर्ट के समक्ष गली और न ही बिहार की जनता के बीच तो इसीलिए कि वे कोरा दुष्प्रचार कर रहे थे।

ज्ञानेश कुमार की यह पहल केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति में नवीनीकरण का संदेश है। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास की परीक्षा भी है। यदि यह अभियान ईमानदारी और जनसहभागिता के साथ पूरा होता है, तो यह भारत के लोकतंत्र को और परिपक्व बनाएगा। अब जिम्मेदारी केवल चुनाव आयोग की नहीं, बल्कि हर नागरिक और राजनीतिक दल की भी है कि वे इस सुधारात्मक पहल का स्वागत करें और लोकतंत्र के इस महापर्व को निष्कलंक बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं। क्या यह विचित्र नहीं कि विपक्षी दल मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों की शिकायत भी करते हैं और उनके पुनरीक्षण का विरोध भी? हालांकि उनके दुष्प्रचार की पोल खुल चुकी है, फिर भी चुनाव आयोग को इसके लिए तैयार रहना होगा कि विपक्ष शासित राज्य एसआईआर की प्रक्रिया का विरोध कर सकते हैं। उसे इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि मतदाता सूचियों को ठीक करने की प्रक्रिया में किसी तरह की गलती न होने पाए, क्योंकि विपक्षी दल छोटी-छोटी बातों को तूल देकर इस संवैधानिक प्रक्रिया को श्रीहीन करने की चेष्टा कर सकते हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

## संपादकीय

### एसआईआर के विरोधाभास

चुनाव आयोग ने 12 राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्यक्रम घोषित किया है। अंतिम एसआईआर 2002-04 में किया गया था। लंबे 21 सालों के बाद यह अभियान छेड़ा गया है, जाहिर है कि मतदाताओं की संख्या, छंटनी, पात्रता आदि में व्यापक परिवर्तन आए होंगे! एसआईआर के दूसरे चरण में 51 करोड़ से अधिक मतदाता शामिल होंगे। यह कवायद अंतिम सूची के साथ 7 फरवरी, 2026 को समाप्त होगी। भारत का संविधान अनुच्छेद 324 और 326 में चुनाव आयोग को विशेषाधिकार देता है कि वह निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र चुनाव कराए और समय-समय पर मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण करता रहे। एसआईआर का दूसरा चरण उप्र से शुरू होगा, क्योंकि 25 करोड़ से अधिक आबादी वाला यह देश का सबसे बड़ा राज्य है। उप्र में अप्रैल-मई, 2027 में विधानसभा चुनाव भी होने हैं, लेकिन आयोग की प्राथमिकता पर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल राज्य और संघशासित क्षेत्र होंगे, जहां 2026 में चुनाव होने हैं। असम में भी 2026 में चुनाव होंगे, लेकिन उसे फिलहाल एसआईआर से अलग रखा गया है। असम के संदर्भ में अजीब विरोधाभास सामने आया है कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा एसआईआर के पक्षधर हैं, लेकिन चुनाव आयोग असम में नागरिकता की स्थिति भिन्न मानता है। आयोग की दलील है चूंकि सर्वोच्च अदालत की देखरेख में असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) पर अदालत का फैसला अभी आना है, लिहाजा असम पर बाद में एसआईआर का आदेश जारी किया जाएगा। हकीकत यह है कि असम में एनआरसी के तहत जिन 19 लाख से अधिक लोगों की गणना की गई थी, उसमें 7 लाख से ज्यादा ही मुसलमान पाए गए। शेष 12 लाख से ज्यादा गैर-मुस्लिम थे। एनआरसी की यह कवायद 2019 में ही पूरी हो चुकी है, लेकिन सर्वोच्च अदालत का फैसला शेष है। इसी तरह शीर्ष अदालत के आदेशानुसार महाराष्ट्र में 31 जनवरी, 2026 तक स्थानीय निकाय (बीएमसी) के चुनाव होने हैं। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस एसआईआर के पक्ष में हैं और उसे 'डॉक्टरिन' के तौर पर पेश कराना चाहते हैं, लेकिन चुनाव आयोग तैयार नहीं है।

## चिंतन-मनन

### खुद तय करें कि अगले जन्म में क्या बनेंगे

अगले जन्म में आप धनवान बनेंगे या गरीब, एक्टर बनेंगे या डॉक्टर यह सब आप पर निर्भर है। हो सकता है कि आप इस पर यकीन न करें लेकिन सच यही है। इसका प्रमाण है श्रीमद्भगवत गीता। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि आत्मा अमर है। एक शरीर को छोड़कर आत्मा दूसरा शरीर धारण कर लेती है। अर्जुन को समझाते हुए श्री कृष्ण ने कहा है कि ऐसा कोई समय नहीं है जब तुम और मैं नहीं थे। आने वाला ऐसा कोई समय नहीं है जब हम और तुम नहीं होंगे। भगवान प्रत्यक्ष रूप से कहते हैं आत्मा निरंतर एक शरीर से दूसरे शरीर में पहुंचकर अपनी यात्रा जारी रखती है। यानी आप चाहें या न चाहें आपको अगल जन्म लेना है। आपके हाथ में बस इतना है कि आप अगले जन्म में खुद को किस रूप में देखना चाहते हैं यह तय करें। आप कहेंगे कि जब हम खुद ही तय कर सकते हैं कि हमें अगले जन्म में क्या बनना है तो हर व्यक्ति धनवान और सुखी होता है। लेकिन इस दुनियां में गरीब भी हैं और दुखी भी हैं। श्रीमद्भगवत गीता में इस प्रश्न का भी उत्तर है। गीता के अष्टम में अध्याय में लिखा है, श्री कृष्ण अर्जुन से कहते है 'यं यं वापि स्मरन्भावं त्यजत्यन्ते कलेवरम्। तं तमेवैति कौन्तेय सदा तद् भावभावितः इसका अर्थ है,' हे कुन्तीपुत्र अर्जुन! यह मनुष्य अन्तकाल में जिस-जिस भी भाव को स्मरण करता हुआ शरीर का त्याग करता है, उस उसको ही प्राप्त होता है, क्योंकि वह सदा उसी भाव से भावित रहा है। यानी आप अंत समय में जिन-जिन चीजों का ध्यान करेंगे अगले जन्म में उन चीजों को प्राप्त करेंगे। इसी मान्यता के कारण बहुत से लोग अपने बच्चों का नाम भगवान के नाम पर अर्थात राम, विष्णु, कृष्ण, गोविंद आदि रखते हैं। इसका उद्देश्य यह रहता है कि जीवन काल में संतान का नाम लेते हुए भगवान का भी स्मरण बना रहे। आमतौर पर मनुष्य का अपनी संतान से बहुत अधिक मोह रहता है, मरते समय वह अपनी संतान का मुख देना चाहता है और उसे ही याद करता है। संतान का नाम ईश्वर के नाम पर होने से मरते समय संतान को याद करते हुए व्यक्ति ईश्वर का भी ध्यान कर लेता है जिससे मुक्ति मिल जाती है। इसलिए हमेशा उस बात का ध्यान करिये जो आप बनना चाहते हैं।

# सड़क पर चिताओं का कारण बन रही है जुगाड़ वाली बसे

कांतिलाल मांडोत

अक्टूबर माह में बस में आग लगने और यात्रियों के जिन्दे जलने की घटना बढ़ती गई है।जयपुर में बस हाइटेंशन वाले तार से टकरा गईऔर बस में करंट दौड़ने से दो व्यक्ति जिन्दे जले और करीब दस व्यक्ति झुलस गए। जैसलमेर बस में आग लगने से 26 लोगो की मौत हुई।बहरहाल, बस में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी।कुरनूल की चलती बस में आग लगने से दो व्यक्तियों की जलने से मृत्यु हो गई है।कुरनूल में स्लीपर बस में आग लगने से बस जलकर खाक हो गई।मध्य प्रदेश के अशोकनगर में बड़ा हादसा हुआ।आगरा लखनऊ मार्ग पर तेवरी टोलप्लाजा पर लगी भीषण आग से कई लोग झुलस गए और कई यात्रियों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।बस में आग लगने की घटना थम नही रही है।इस महीने सर्वाधिक आग की घटना हुई है। और आग लगने से कई यात्री जिन्दे जल गए।बस में आग लगने की करुण और दुःखद घटनाओ में यात्रियों की मौते हुए है।झुलसे यात्रियों की स्थिति नाजुक बनी और कुछ दिन बाद झुलसे व्यक्ति की मौत भी हो है। ऐसी घटना आखिरी घटना नही है।इसके पीछे रहे कारणों का पता चलना आवश्यक है।निजी बसे रखरखाव के अभाव और चालक की लापरवाही के कारण भी चलती बस में आग लगना और दुर्घनाग्रस्त होती है।चालक की गलतियों को नजरअंदाज नही किया जा सकता है।बसों में आग लगने की सिलसिलेवार कई घटनाओं में कही शॉर्ट सर्किट तो कही चालक की लापरवाही के कारण आग लगी है।जयपुर में हाईटेंशन लाइन के नीचेबस ले जाने और सिलेंडर में ब्लास्ट होने की वजह से आग लगी थी।यह मानव सर्जित घटना थी।देश मे वाहनों की दुर्घटनाओं में कई लोग हररोज जान गंवाते है।भारत मे हररोज सड़क दुर्घटना में सैकड़ो लोगो की मौत हो रही है।

कार दुर्घटनाएँ कई कारणों से हो सकती हैं, लेकिन कुछ कारक घातक टक्करों के उच्च प्रतिशत का कारण बनते हैं।

एनएचटीएसए के आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल लगभग 29% सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों के लिए तेज गति ज़िम्मेदार थी । इस तरह के खतरनाक व्यवहार को अक्सर लापरवाह ड्राइविंग के रूप में वगीकृत किया जाता है ।

गाड़ी चलाते समय टेक्स्ट मैसेज भेजना, रेडियो एडजस्ट करना या फोन पर बात करना सड़क से ध्यान भटका देता है।

सीडीसी के अनुसार , अकेले अमेरिका में ही ध्यान भटकाकर गाड़ी चलाने से हर साल 3,000 से ज्यादा मौतें होती हैं। लाल बत्ती पार करना भी ध्यान भटकाने से जुड़ा एक आम व्यवहार है जिससे जानलेवा दुर्घटनाएँ होती हैं।हमारे यहां लालबति चालू होते हुए भी वाहनचालक क्रॉस पार कर लेते है।यह गलत और आरटीओ के नियमों का उल्लंघन है।

बारिश, कोहरा और सड़कों का खराब रखरखाव जानलेवा दुर्घटनाओं में योगदान देता है।

सीट बेल्ट जान बचाती हैं, फिर भी कई मौतें अनियंत्रित यात्रियों के कारण होती हैं।

बारिश, कोहरा और सड़कों का खराब रखरखाव जानलेवा दुर्घटनाओं में योगदान देता है। संघीय राजमार्ग प्रशासन (FHWA) के आंकड़ों के अनुसार, सभी दुर्घटनाओं में से 21% मौसम संबंधी होती हैं। यह समझना कि ज्यादातर दुर्घटनाएँ कहाँ होती हैं, ड्राइवरों को उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में ज्यादा सतर्क रहने में मदद कर सकता है। सड़क सुरक्षा आधुनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है, जो प्रतिदिन लाखों लोगों को प्रभावित करता है। वाहनों की टक्करों से लेकर पैदल यात्रियों की दुर्घटनाओं तक, सड़क दुर्घटनाएँ जन स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा करती हैं. सड़क सुरक्षा बनाए रखने के लिए यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। इसमें निर्धारित गति सीमा का पालन करना शामिल है, जो सड़क की स्थिति के अनुसार बनाई गई हैं और दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करती हैं। इसके अलावा, ट्रैफिक सिग्नल और सड़क संकेतों का पालन करने से सड़क पर पूर्वानुमान बेहतर होता है, जिससे भ्रम और अप्रत्याशित मोड़ कम करने में मदद मिलती है। इन नियमों का पालन करके, चालक यातायात के समग्र सुचारू प्रवाह में योगदान देते हैं, दुर्घटनाओं की संभावना कम करते हैं और सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाते हैं। सड़क पर संभावित खतरों को कम करने के लिए रक्षात्मक ड्राइविंग तकनीकों का प्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। वाहन चलाते समय सतर्क और सजग रहने से चालकों को अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की गतिविधियों का पूर्वानुमान लगाने में मदद मिलती है,

दुर्घटनाओं की रोकथाम में वाहनों का नियमित और संपूर्ण रखरखाव एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ब्रेक, टायर और लाइट जैसे आवश्यक पुर्जों की नियमित जाँच और निरीक्षण के माध्यम से, चालक संभावित यांत्रिक समस्याओं की पहचान कर सकते हैं और उन्हें गंभीर खराबी में बदलने से पहले ही उनका समाधान कर सकते हैं।

व्यापक सड़क सुरक्षा शिक्षा का उद्देश्य ड्राइवरों, पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों सहित सभी सड़क उपयोगकर्ताओं तक पहुँचना होना चाहिए। सड़क सुरक्षा प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाकर, जैसे कि पैदल यात्रियों के लिए निर्दिष्ट क्रॉसिंग बिंदुओं का उपयोग करने का महत्व और विभिन्न सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच परस्पर सम्मान की आवश्यकता, शिक्षा सुरक्षा और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा दे सकती है।गति नियंत्रण के प्रभावी उपाय तेज गति से होने वाली दुर्घटनाओं के प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक हैं। स्पीड बम्प और रंबल स्ट्रिप्स जैसे भौतिक ढाँचे लगाने से उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में यातायात धीमा करने में मदद मिल सकती है, जबकि रणनीतिक रूप से लगाए गए स्पीड कैमरे एक निवारक और प्रवर्तन उपकरण के रूप में कार्य करते हैं। इसके अतिरिक्त, कानून प्रवर्तन पहलों और जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से गति सीमाओं का सख्ती से पालन, तेज गति से चलने वाले व्यवहारों को और हतोत्साहित कर सकता है, शराब या नशीली दवाओं के नशे में गाड़ी चलाने की प्रवृत्ति को कम करने पर केंद्रित शैक्षिक अभियान, नशे में गाड़ी चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नशे में गाड़ी चलाने के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर और वैकल्पिक परिवहन विकल्पों तथा निर्धारित ड्राइवरों के बारे में जानकारी प्रदान करके, इन अभियानों का उद्देश्य नशे में गाड़ी चलाने की आदतों को हतोत्साहित करना है।

# कब तक पराली रहेगी सियासत वाली

ऋतुपर्ण दवे

टण्ड की दस्तक के साथ ही, धान की कटाई और पराली जलाई के बीचआई दिवाली पर खतरनाक स्तर तक पहुंचे प्रदूषण के लिए फिर पराली को ही जिम्मेदार ठहराने में पंजाब और दिल्ली की राज्य सरकारें इस बार आमने-सामने रहीं। यह सच है कि पराली के चलते दोनों राज्यों के अलावा भी कई राज्य इसका प्रदूषण भुगत रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि पंजाब-दिल्ली की सरकारें बजाए सुलह के एक दूसरे को दोषी ठहरा, प्रदूषण से कैसे निपटेंगी? आसमान से निगरानी और लाइव तस्वीरों के इस दौर में भी सच सामने होने के बावजूद राजनीतिक बयानबाजी बेहद हैरानगी भरी है। सच है कि प्रदूषण की दमघोटू हवा इसके प्रभाव में आने वाले हर किसी को तकलीफ देती है। यह भी सही है कि कोरोना के बाद बहुतेरे लोगों में प्रदूषण को बरदास्त करने की क्षमता भी घटी है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सरकारें बयानों से बचाव करें। हालाकि इस बार दिल्ली में क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश की बात की जा रही है जो यह लिखे जाने तक दिखी नहीं। फिर भी देखना होगा यह तकनीक कितनी कामियाब होती है। लेकिन प्रदूषण को लेकर यह स्थाई विकल्प हो पाए, ऐसा लगता नहीं है।

इधर सुप्रीम कोर्ट ने भी बीते बरस,दिल्ली में बढ़े वायु प्रदूषण पर केंद्र को कड़ी फटकार लगाई तो पंजाब और हरियाणा सरकारों को भी चेताया। बावजूद इसके तो काबू पाया जा सका न ही कोई विकल्प खोजा गया। अदालत में तब पेश जवाब पर ही सवाल खड़े होना लाजिमी थे जो हुए। फिलाहाल दिल्ली में दिवाली के फौरन बाद प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक पहुंचना बेहद चिंताजनक है। 301 से ऊपर का वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एयर क्वालिटी इण्डेक्स(एएक्यूआई) इमरजेंसी स्थिति मानी जाती है। दिल्ली में 27 अक्टूबर तक प्रदूषण के स्तर में सुधार जरूर हुआ है, लेकिन धान कटाई और पराली जलाने की घटनाओं में भी पंजाब व आसपास तेजी से स्तर कब कहां पहुंच जाए कहना मुश्किल है। ध्यान देने वाली बात यह है कि न केवल एनसीआर बल्किदूसरे क्षेत्रों में प्रदूषण बढ़ा हुआ है। पंजाब भी बुरी तरह से इसकी गिरफ्त में है। लेकिन यह सच है कि दिल्ली के मुकाबले वहां प्रदूषण अभी कम है। भले अभी पंजाब को कैसे दोषी ठहराया जा सकता है क्योंकिइसी मंगलवारलुधियाना में दिवाली के ठीक पहले 271, जालंधर में 247, अमृतसर में 224, पटियाला में 206 वायु गुणवत्ता सूचकांकदर्ज किया गया। केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड के आंकड़ों जो कि 27 अक्टूबर तक के हैं देखने से पता चलता है कि दिल्ली में प्रदूषण में गिरावट के बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक 301 पर बना हुआ है जोविश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से 1,900 प्रतिशत अधिक है। इसी दिन बहादुरगढ़ में वायु गुणवत्ता सूचकांक 381 से बढ़कर 387 हो गया है। जबकि दिल्ली सहित नौ शहरों में यह 300 के पार है। वहीं देश में शिलांग की हवा सबसे साफ रही जबकि भारत के 256 शहरों में से केवल 23प्रतिशत में ही हवा साफ है यानी 77 प्रतिशत में हवा खराब है। गनीमत है कि बीच-बीच में बदलते मौसम से हालात इस बार पिछली बार जैसे नहीं बन पा रहे हैं।

समझना होगा कि प्रदूषण के लिए केवल भारत ही नहीं पाकिस्तान की पराली का धुंआ भी जिम्मेदार है। नासा की एक रिपोर्ट,वर्ल्डव्यू एनिमेशन,सेटेलाइट तस्वीरें,चंडीगढ़ पीजीआई और पंजाब यूनिवर्सिटी केशोध से भी साफ हो गया है कि भारतीय पंजाब के मुकाबले पाकिस्तानी पंजाब में पराली ज्यादा जलती। इस पर पड़ोसी पर भी लगाम की जरूरत है।

आखिर कैसी कोशिशें हैं किसालों साल से यह मसला बजाए सुलझने के हर बार नए आरोपों में घिर जाता है? रही बात सरकारों की तो केन्द्र या राज्य की सरकारें किसानों को लेकर दावा कुछ भी करें लेकिन किसानों की भी तो अपनी समस्याएं हैं। संसाधनों की कमीं से जूझते छोटे-छोटे किसानों को भला ऋण कैसे मिलेगा ताकि पराली से विभिन्न उत्पाद बनाने वाली मशीनें खरीदसकें? किसानों की अपनी मजबूरी है।

खेती मौसम पर निर्भर है और एक-दो दिन का बिगड़ा मौसम महीनों की मेहनत पर पानी फेर देता है। इसी चलते किसान भी तुरंत पराली जलाने को मजबूर होते हैं। किसानअगली फसल की बुवाई की जल्दबाजी मौसम के डर के बीच हालातों से जूझता है। दूसरी फसल के लिए बहुत कम वक्त के चलते खासकर छोटे किसानअसमंजस में जानते-समझते मजबूरन पराली जलाने का अपराध करते हैं।

दिल्ली में वायु प्रदूषण दशकों पुराना मुद्दा है। 1985 में भीआवाज उठी थी। जब कीर्ति नगर जैसेघने रिहायशी क्षेत्र मेंएक फटीलाइजर संयंत्र की जहरीली हवासे लोग बीमार होने लगे। तब एक वकील एम.सी. मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। हकीकत देखिए, सुनवाई के दौरान ही प्लांट से ओलियम गैस रिसी औरतीस हजारी कोर्ट के एक वकील की जान चली गई। कइयोंकी हालत बिगड़ी। इसके बाद कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा। आबादी वाले क्षेत्र में क्लोरीन, सुपर क्लोरीन, ओलियम, फॉस्फेट जैसी जहरीलेउत्पाद बनाने पर रोक लगी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने को मौलिक अधिकार बनाया। धरातल पर देखें तोसिवाय कागजी योजना बनाने, बैठकें और आखिर में आरोप-प्रत्यारोप सेज्यादा भला अब तक क्या हासिल हुआ है? न तमाम प्रभावित राज्य सरकारें और नही केन्द्र,पराली केदूसरे उपयोग किसानों कोसमझा पाया। क्लाउड सीडिंग से कृत्रिम बारिश की बातें करने वाली दिल्ली सरकार भी खतरनाक स्तर तक प्रदूषण से फौरी राहत हीदिला पाईजो कुछ देशों ने कर दिखाया। बजाए आपसी तू-तू, मैं-मैंके पराली संग्रहण, इसके व्यावसायिक उपयोगों पर पूरे साल चर्चा होती तो शायद जलाने की नौबत ही न आती। लगता नहीं कि पराली मुद्दा गंभीर जरूर है लेकिन निदान असंभव नहीं?काश, सरकारी तंत्र और हुक्मरान यह समझ पाते!

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

# दिलजीत के 'कुफर' गाने में ट्रोल होने पर

# मानुषी छिल्लर ने दिया करारा जवाब, बोलीं- 'मेरा नहीं तो कम से कम'

मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद फिल्मों में आईं अभिनेत्री मानुषी छिल्लर को अभी भी एक बड़ी हिट की तलाश है। हालांकि, हाल ही में मानुषी सिंगर दिलजीत दोसांझ की 'औरा' एल्बम के नए गाने 'कुफर' में नजर आईं। ये गाना अपनी रिलीज के बाद से ही लगातार ट्रेंड में बना हुआ है और लोगों को पसंद आ रहा है। गाने के वीडियो में मानुषी दिलजीत के साथ नजर आई हैं। दोनों की केमिस्ट्री भी फैंस को पसंद आ रही है। हालांकि, इस बीच जब एक यूजर ने मानुषी को ट्रोल किया, तो एक्ट्रेस ने बड़ी ही शालीनता से ट्रोलर को करारा जवाब दिया।

## मानुषी ने दिया जवाब

मानुषी ने एक्स पर एक क्रिप्टिक पोस्ट किया, जिसे ट्रोलर्स को उनका जवाब माना जा रहा है। मानुषी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, 'मेरा नहीं, लेकिन क्या हम उस डांसर का सम्मान नहीं कर सकते जो बस अपना काम कर रही थी।' जाहिर है कि मानुषीने उनके डांस के लिए उन्हें ट्रोल करने पर ट्रोलर्स को जवाब दिया है और डांसर का सम्मान करने की बात कही है।

## आखिरी बार 'तेहरान' में नजर आई थीं मानुषी

वर्कफ्रंट की बात करें तो मानुषी छिल्लर ने साल 2022 में हिस्टोरिकल-ड्रामा 'सम्राट पृथ्वीराज' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो 'द ग्रेट इंडियन फैमिली', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' और 'मालिक' में नजर आई हैं। मानुषी आखिरी बार इसी साल आई जॉन अब्राहम की फिल्म 'तेहरान' में नजर आई थीं। हालांकि, मानुषी को अभी भी एक बड़ी हिट की तलाश है।

## 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे दिलजीत

दिलजीत दोसांझ के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो इन दिनों अपने ऑरा टूर में व्यस्त हैं। फिल्मों की बात करें तो दिलजीत अब 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे। इसमें उनके साथ सनी देओल, वरुण धवन और अहान शेट्टी भी नजर आएंगे।

# 600 करोड़ क्लब में शामिल होने के करीब पहुंची 'कांतारा चैप्टर 1', 26वें दिन भी जुटाए इतने करोड़ रुपए

**ऋषभ** शेट्टी स्टारर 'कांतारा चैप्टर 1' धीरे-धीरे बॉक्स ऑफिस पर एक महीना पूरा करने के करीब है। 26 दिन बाद भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छे नंबर हासिल कर रही है। अब फिल्म के 26वें दिन की भी कमाई सामने आ गई है। जानिए चौथे सोमवार को फिल्म ने किया कैसा प्रदर्शन? 'कांतारा चैप्टर 1' सिनेमाघरों में 26 दिन पूरे कर चुकी है। फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई है। अब फिल्म ने 26वें दिन अपने चौथे सोमवार को भी 3.25 करोड़ रुपए की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 592.85 करोड़ रुपए पहुंच गया है।

# जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की मिर्जापुरः द फिल्म में हुई एंट्री

**जन्नत** फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की एंट्री मिर्जापुरः द फिल्म में हो गई है। इसकी जानकारी मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए दी। सोनल ने भी टीम को थैंक्स कहते हुए एक पोस्ट किया है। अभिनेत्री सोनल चौहान को 'जन्नत' और 'आदिपुरुष' जैसी फिल्मों में काम करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक शानदार गिफ्ट हैंपर और प्रोडक्शन हाउस के एक नोट की झलक दिखाई। नोट में जानकारी दी गई है कि सोनल अब मिर्जापुर फिल्म का हिस्सा हैं।इस नोट में लिखा है, प्रिय सोनल, हम आपको मिर्जापुर की टीम में पाकर बहुत उत्साहित हैं। हम पर्दे पर आपके अभिनय का जादू को देखने के लिए बेताब हैं। सोनल ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं मिर्जापुरः द फिल्म में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। इस टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई और मैं आप सभी को यह देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि हम पर्दे पर क्या-क्या दिखाने वाले हैं। इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद। इस फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अली फजल एक बॉडी बिल्डर के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों की दुनिया को दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े

पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी गोलू गुप्ता के रोल को निभाती दिखाई देंगी और रसिका दुग्गल फिल्म में अपने बीना त्रिपाठी के किरदार में दिखाई देंगी। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यतः मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी।

भावुक होकर मांगी माफी

# बंद कमरे में करूर भगदड़ पीड़ितों से मिले विजय

अभिनेता-राजनेता विजय ने सोमवार को महाबलीपुरम में करूर भगदड़ के पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने इस दुखद घटना के लिए उनसे माफी मांगी। करूर भगदड़ में 41 लोग मारे गए थे और 60 से ज्यादा घायल हुए थे। यह बैठक भगदड़ के एक महीने बाद हुई। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के सूत्र के मुताबिक करूर से कुल 37 परिवारों को बैठक स्थल पर लाया गया था। इन लोगों से विजय ने एक रिसॉर्ट में मुलाकात की जहां पार्टी ने लगभग 50 कमरे बुक किए थे। खबरों के मुताबिक विजय ने पीड़ित परिवारों को शिक्षा, स्वरोजगार और आवास के अलावा आर्थिक सहायता का आश्वासन दिया। परिवारों से मुलाकात के दौरान, विजय ने उन्हें महाबलीपुरम लाने के लिए उनसे माफी मांगी और कहा कि वह करूर नहीं जा सके क्योंकि उन्हें अधिकारियों से अनुमति नहीं मिल पाई। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह जल्द ही करूर में उनसे जरूर मिलेंगे।

# कैटरीना कैफ ने फिल्मी इंडस्ट्री में आने के लिए प्रेरित किया : कशिका कपूर

अभिनेत्री काशिका कपूर बॉलीवुड, तेलुगु सिनेमा और कई म्यूजिक वीडियो में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित ड्रामा 'आयुष्मति गीता मैट्रिक पास' से बॉलीवुड में कदम रखा और बाद में 'लाइफः लव योर फादर' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया। कशिका कपूर ने एक विशेष इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ का भी हाथ है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उनके पिता शुरुआत में बेटी के इंडस्ट्री में आने को लेकर झिझक रहे थे, जबकि उनकी मां उनके सपनों के साथ खड़ी रहीं।जब उनसे पूछा गया कि उन्हें बॉलीवुड में आने के लिए कैसे प्रेरणा मिली, तो कशिका कपूर ने कहा, मुझे लगता है कि हमेशा से एक अभिनेत्री बनना मेरा सपना था। मैं पांचवीं कक्षा में थी जब मैंने नाटकों में भाग लेना शुरू किया। मुझे याद है कि स्कूल में शो की शुरुआत मैं ही करती थी और सभी को मुझ पर बहुत गर्व था। लोगों की प्रशंसा ने मुझे एहसास दिलाया कि शायद मुझमें कुछ ऐसा है जिसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए। वास्तव में यह सब ऐसे ही शुरू हुआ। उन्होंने आगे कहा, मैं कैटरीना कैफ के गाने शीला की जवानी से प्रेरित थी। मैंने उसे देखा और सोचा, मुझे यह करना है। मैं वहां जाना चाहती हूं। लेकिन मेरे पिताजी इस विचार के बिल्कुल खिलाफ थे, उन्हें उस समय इंडस्ट्री पसंद नहीं थी। दूसरी ओर, मेरी मां बहुत सहयोगी थीं। मेरे पिताजी ने कहा था कि यह बस एक दौर है जो गुजर जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आखिरकार, उन दोनों ने मेरा साथ दिया, और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। इस तरह मेरे सपने ने आकार लेना शुरू किया। अपने पहले बड़े मौके के बारे में बात करते हुए कशिका ने कहा, यह बिल्कुल अप्रत्याशित था। हम घर पर 'फर्न्स एंड पेटल्स' की शूटिंग कर रहे थे। उस शूटिंग के लिए आए निर्देशक ने मुझे बताया कि वह आमतौर पर ऐसे प्रोजेक्ट्स नहीं करते, लेकिन उस दिन किसी चीज ने उन्हें आने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैं आया क्योंकि मुझे मेरी गीता मिल गई है। कशिका ने आगे कहा, उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और कहा, मैं तुम्हें इस भूमिका के लिए चाहता हूं। मैं बहुत आभारी थी क्योंकि यह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर आधारित एक बहुत ही खूबसूरत कहानी थी। मैंने इसके लिए तेलुगु में ऑडिशन भी दिया था।

# 18 साल बाद सलमान के साथ काम कर सकते हैं गोविंदा !

18 साल बाद 'पार्टनर' एक बार फिर साथ आ रहे हैं। दरअसल, सलमान खान की मच अवेटेड फिल्म में अब 'बैटल ऑफ गलवां' में गोविंदा भी नजर आएंगे।

बॉलीवुड के 'पार्टनर' यानी सलमान खान और गोविंदा की जोड़ी अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आ सकती है। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' को लेकर चर्चाओं में हैं। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस फिल्म में सलमान खान के साथ गोविंदा भी नजर आएंगे। यानी लगभग 18 साल बाद दोनों अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आएंगे।

## सलमान ने खुद दी हिंट

बिग बॉस 19 के वीकेंड का वार के हालिया एपिसोड में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा शो में बतौर मेहमान शामिल हुईं। सलमान और सुनीता ने गोविंदा के साथ उनके फिर से साथ आने पर चर्चा की, जो अब फैंस के बीच वायरल है। दरअसल, सलमान ने इस दौरान ये कहा कि अब वो और गोविंदा एक साथ काम कर रहे हैं। हालांकि, सलमान ने इस प्रोजेक्ट के नाम का खुलासा नहीं किया, लेकिन ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि गोविंदा वॉर ड्रामा 'बैटल ऑफ गलवां' में सलमान के साथ अभिनय करेंगे। इन चर्चाओं के बीच कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया कि गोविंदा ने 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग भी शुरू कर दी है। 'बैटल ऑफ गलवां' अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित है। यह फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है, जो समुद्र तल से 15,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर बिना एक भी गोली चलाए लड़ा गया था। सलमान के अलावा फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। पुरानी है सलमान और गोविंदा की दोस्ती

सलमान और गोविंदा दशकों से दोस्त हैं, उनकी लंबे समय से चली आ रही दोस्ती 2000 के दशक की शुरुआत में शुरू हुई थी। गोविंदा अक्सर सलमान को अपने करियर को खराब दौर में फिर से पटरी पर लाने का श्रेय देते हैं। सलमान और गोविंदा आखिरी बार 'पार्टनर' फिल्म में नजर आए थे। दोनों इसके अलावा 'सलाम-ए-इश्क' में भी साथ में काम कर चुके हैं।

## राष्ट्रवादी का टैग लगने पर क्या बोलीं यामी गौतम? फिल्म हक में अपने रोल पर भी रखी बात

फिल्म हक के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यामी गौतम से कई सवाल किए गए। इस पर उन्होंने बेबाकी से जवाब दिए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है?

शांत और दृढ़ विश्वास वाले किरदारों को निभाने के लिए मशहूर अभिनेत्री यामी गौतम, अपनी अगली बड़ी रिलीज, हक के लिए तैयार हैं। इसमें उनके साथ इमरान हाशमी भी हैं। ऐतिहासिक शाहबानो मामले से प्रेरित यह फिल्म न्याय, पहचान और आस्था के विषयों पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यामी गौतम से पूछा गया कि हाल के वर्षों में उन्होंने जिस तरह की फिल्में चुनी हैं, उनके कारण उन्हें अक्सर राष्ट्रवादी कहा जाता है। इस पर उनका क्या कहना है? इस पर अभिनेत्री ने हंस कर इस लेबल को खारिज कर दिया।

### राष्ट्रवादी टैग को किया खारिज

राष्ट्रवादी का टैग दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर यामी ने कहा, लेबल है, मुझे पता भी नहीं है। अगर है तो लोगों का काम है कुछ न कुछ कहना। उन्होंने कहा, ये नहीं तो कुछ और लेबल, फिर कुछ और, फिर कुछ और। पहले कुछ और था। पहले कुछ अंडररेटेड लेबल था। उससे पहले कुछ और था। यह बदलता रहता है। मैं वो सब नहीं जानती हूं।

यामी गौतम ने बताया कि फिल्म हक उनके लिए सिर्फ एक कोर्टरूम ड्रामा नहीं था।

# पद्मावत से हीरामंडी तक अपने हर किरदार से दिखाई सशक्त नारी की छवि

**बॉलीवुड** और टॉलीवुड की चमक-दमक भरी दुनिया में कई अभिनेत्रियां हैं, लेकिन कुछ ही कलाकार ऐसे होते हैं जो अपनी खूबसूरती के साथ-साथ ऐतिहासिक किरदारों में अपनी पहचान भी बना पाते हैं। अदिति राव हैदरी उन्हीं में से एक हैं। अदिति ने सिर्फ फिल्मों में अपने अभिनय का जादू नहीं बिखेरा, बल्कि इतिहास से जुड़े कई किरदारों को जीवंत बनाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। चाहे वह पद्मावत में रानी मेहरुन्निसा का किरदार हो या ताजः डिवाइडेड बाय ब्लड में अनारकली की भूमिका, अदिति ने हमेशा अपने किरदारों में शाही और नाजुक अंदाज को बखूबी पेश किया है।

अदिति राव हैदरी का जन्म 28 अक्टूबर 1986 को हैदराबाद में हुआ था। उनका जन्म एक शाही परिवार में हुआ। वह अकबर हैदरी की परपोती होने के साथ असम के पूर्व गवर्नर मोहम्मद सालेह अकबर हैदरी की पोती हैं। इसके अलावा, उनके नाना जे.रामेश्वर राव तेलंगाना के वनापर्थी पर राज किया करते थे। अदिति की मां विद्या राव एक हिंदू है और पिता एहसान हैदरी मुस्लिम हैं। यही वजह है कि वह अपने सरनेम में अपने माता और पिता दोनों का नाम लिखती हैं। अदिति ने फिल्मी करियर की शुरुआत मलयालम फिल्म प्रजापति से की थी। इसके बाद उन्होंने 2006 में हिंदी फिल्म दिल्ली-6 से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनका कैमियो रोल था, लेकिन उन्होंने अपने अभिनय और चेहरे की मासूमियत से दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके बाद अदिति ने लगातार फिल्मों में अपनी जगह बनाई और कई महत्वपूर्ण किरदार निभाए। साल 2011 में आई ये साली जिंदगी और रॉकस्टार जैसी फिल्मों ने अदिति को बॉलीवुड में जगह दिलाई। रॉकस्टार में उनके अभिनय को काफी सराहा गया, और उन्होंने अपनी अदाकारी से रणबीर कपूर के साथ शानदार कैमिस्ट्री दिखाई। इसके बाद उन्होंने फितूर, मर्डर 3 जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन दर्शकों और क्रिटिक्स ने उन्हें खास तौर पर पद्मावत में रानी मेहरुन्निसा के किरदार के लिए याद किया।

इंडिया-ऑस्ट्रेलियाः वरुण-रेड्डी आउट, कुलदीप-हर्षित इन

# पहले टी20 में ये हो सकती है भारत की प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का आगाज 29 अक्तूबर से होने जा रहा है. अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप की तैयारियों के लिहाज से ये सीरीज काफी अहम मानी जा रही है. पहला मुकाबला कैनबरा में खेला जाना है. इस मुकाबले में प्लेइंग इलेवन को लेकर काफी माथापच्ची देखने को मिल सकती है. भारत ने अपना पिछला टी20 मुकाबला एशिया कप 2025 फाइनल में खेला था. जहां भारत केवल एक मुख्य तेज गेंदबाज के साथ खेला था. लेकिन यह स्थिति मनुका ओवल (कैनबरा) में होने वाले पहले टी20 मैच में निश्चित रूप से बदलेगी. एक बदलाव तो तय है क्योंकि हार्दिक पंड्या चयन के लिए फिट नहीं हैं. उनका बैकअप नीतीश कुमार रेड्डी भी चोटिल है, इसलिए उनकी उपलब्धता पर भी संदेह है. कैनबरा के मनुका ओवल की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है, जिसमें समान उछाल और गति होती है. इसलिए इस बार टीम को तेज गेंदबाजों पर अधिक भरोसा करना पड़ेगा. एशिया कप में भारत ने तीन स्पिनरों कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती के साथ खेला था. दरअसल, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह तो तय हैं. दोनों भारत के शीर्ष टी20 गेंदबाज हैं. अर्शदीप ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 2022 टी20 वर्ल्ड कप में सबसे अधिक विकेट लिए थे. ऐसी परिस्थितियों में तेज गेंदबाजों को बढ़त मिलेगी. पिच को देखते हुए, शुभमन गिल और गौतम गंभीर एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को शामिल करना चाहेंगे. एकमात्र विकल्प हर्षित राणा हैं, जिन्होंने हालिया वनडे सीरीज में सर्वाधिक विकेट लिए और बल्ले से भी योगदान दिया. इसका मतलब है कि हर्षित की अहमियत बढ़ गई है.

### कुलदीप या अक्षर किसे मिलेगा मौका

ग्राउंड की सीमाएं स्पिनरों के पक्ष में हैं, लेकिन सतह उनके अनुकूल नहीं होगी. यही वजह है कि अक्षर पटेल को कुलदीप और वरुण पर बढ़त मिलती है. अक्षर ऑलराउंडर हैं और मिडल ऑर्डर में रन बनाने की क्षमता रखते हैं. इस तरह दूसरे स्पिनर की जगह को लेकर असली टक्कर कुलदीप बनाम वरुण के बीच है. लेकिन इसमें हर्षित राणा का नाम भी जुड़ गया है.

भारत बनाम ऑस्ट्रेलियाः

## 5 बल्लेबाज, जिनके नाम टी20 मुकाबलों में सर्वाधिक रन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें साल 2007 से 2024 के बीच अब तक 32 टी20 मैच खेल चुकी हैं। इस दौरान सिर्फ 3 ही बल्लेबाज 500 रन का आंकड़ा छू सके हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 मुकाबलों में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की इस लिस्ट में शीर्ष पर भले ही विराट कोहली मौजूद हैं, लेकिन टॉप-5 खिलाड़ियों की सूची में सिर्फ दो ही क्रिकेटर भारतीय हैं। आइए, इन सभी खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं।

**विराट कोहली :** रन-मशीन कोहली ने साल 2012 से 2024 के बीच 23 टी20 मुकाबलों में 49.62 की औसत के साथ 794 रन बनाए हैं। इस दौरान कोहली के बल्ले से 8 अर्धशतक निकले।

**ग्लेन मैक्सवेल :** ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने साल 2012 से 2024 के बीच भारत के विरुद्ध 22 टी20 मैच खेले, जिसकी 21 पारियों में 31.88 की औसत के साथ 574 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और इतने ही अर्धशतक निकले।

**आरोन फिंच :** इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने साल 2012 से 2022 के बीच भारत के खिलाफ 18 टी20 मैच खेले, जिसमें 27.77 की औसत के साथ 500 रन जुटाए। इस दौरान उनके बल्ले से 11 छक्के और 62 चौके देखने को मिले। फिंच ने टीम इंडिया के विरुद्ध 2 अर्धशतकीय पारियां खेली हैं।

**मैथ्यू वेड :** ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने भारत के विरुद्ध कुल 17 टी20 मैच खेले, जिसमें 3 अर्धशतक के साथ 488 रन बनाए। टीम इंडिया के खिलाफ 43 चौके और 20 छक्के लगाने वाले वेड का औसत 54.22 रहा है।

**रोहित शर्मा :** भारत को अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा ने साल 2007 से 2024 के बीच 28.47 की औसत के साथ 484 रन बनाए। इस दौरान रोहित ने 4 बार अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें 29 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी।

दोनों देशों के बीच कैनबरा में सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा, जिसके बाद मेलबर्न, होबार्ट, गोल्ड कोस्ट और ब्रिस्बेन में सीरीज के शेष मुकाबलों का आयोजन होगा।

महिला विश्व कपः

## स्मृति मंधाना के साथ ओपनिंग करेंगी शैफाली वर्मा?

● ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्लेइंग 11 में 2 बदलाव कर सकता है भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला वर्ल्ड कप 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में 30 अक्टूबर को भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। लीग स्टेज में भारतीय टीम 3 मैच हारकर अंक तालिका में चौथे नंबर पर रही। वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम एक भी मैच नहीं हारी। भारत की दिक्कतें खिलाड़ियों के चोटिल होने से और बढ़ गई है। बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी लीग मैच में ओपनर प्रतिका रावल चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। शैफाली वर्मा को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया। विकेटकीपर ऋचा घोष भी चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ मैच में नहीं खेली थीं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में विकेटकीपिंग के दौरान बाएं हाथ की उंगली में चोट लगी थी। उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था और उमा छेत्री ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली थी। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में उमा को डेब्यू का मौका मिला था। अगर ऋचा चोट से उबर जाती हैं तो भारत प्लेइंग 11 में दो बदलाव कर सकता है।

### शैफाली की राह आसान नहीं

भारत की प्लेइंग 11 में प्रतिका रावल की जगह शैफाली वर्मा और उमा छेत्री की जगह ऋचा घोष को मौका मिल सकता है। इसके अलावा बदलाव के कोई और आसार नहीं दिख रहे हैं। प्रतिका का बाहर होना भारत के लिए बड़ा झटका है। वह टूर्नामेंट में स्मृति मंधाना के बाद दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। शैफाली बेखौफ बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं, लेकिन वह एक साल बाद भारत के लिए वनडे खेलती दिखेंगी।

## वर्ल्ड चैम्पियनशिपः भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने जीता स्वर्ण पदक, उज्बेकिस्तान के जालोलोव को हराया

नोवी साद, एजेंसी। भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में पुरुषों की फ्री स्टाइल 65 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। सुजीत ने खिताबी मुकाबले में उज्बेकिस्तान के उमिदजोन जालोलोव को एकतरफा अंदाज में 10-0 से हराया। दोनों पहलवानों के बीच यह मुकाबला चार मिनट 54 सेकेंड तक चला जिसके बाद रेफरी ने भारतीय पहलवान को विजेता घोषित किया। सुजीत ने इस तरह उज्बेकिस्तान के पहलवान पर तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत दर्ज की। इससे पहले सुजीत ने कभी विश्व खिताब नहीं जीता था, लेकिन उन्होंने 2022 और 2025 में अंडर-23 एशिया खिताब और 2022 में अंडर-20 एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। सुजीत ने पिछले साल इसी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, लेकिन इस बार वह पदक का रंग बदलने में सफल रहे।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर का सख्त संदेश

## 40 की उम्र में भी रोहित-विराट वर्ल्ड कप के लिए फिट





श्रीकांत

नई दिल्ली, एजेंसी।टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने चयनकर्ताओं को बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के चयन में उम्र को लेकर कोई बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए। श्रीकांत का मानना है कि दोनों दिग्गज 2027 वनडे विश्व कप तक टीम इंडिया की रीढ़ बने रह सकते हैं। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, रोहित शर्मा को 2027 वर्ल्ड कप में जरूर खेलना चाहिए।

वह के करीब हैं या अब उम्र हो रही है, ऐसी बातें बंद होनी चाहिए। वह फिट हैं, बेहतरीन फॉर्म में हैं और फील्डिंग में भी शानदार हैं। सिडनी में उनकी बल्लेबाजी देखकर लगा जैसे 2019 वर्ल्ड कप की झलक दोबारा दिख रही हो। उन्होंने आगे कहा, विराट कोहली तो अपनी फिटनेस के दम पर 45 साल तक खेल सकते हैं। उनकी फिटनेस अब भी किसी 25 वर्षीय खिलाड़ी जैसी है। रोहित और विराट दोनों को डराने या असुरक्षित महसूस कराने के बजाय चयनकर्ताओं को उन्हें भरोसा देना चाहिए कि वे टीम के सबसे अहम खिलाड़ी हैं।

श्रीकांत ने चयन समिति को सलाह देते हुए कहा, उन्हें कहना चाहिए – 'आप दोनों टीम के केंद्र हैं, बस फिट रहो और हमें 2027 वर्ल्ड कप जिताओ।' डर या दबाव डालने की जरूरत नहीं है। हाल ही में खत्म हुई ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में रोहित शर्मा ने तीन मैचों में 202 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल रहा। उनकी 121* रनों की पारी भारत की 9 विकेट से जीत में निर्णायक साबित हुई थी। अब टीम इंडिया 30 नवंबर से शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू वनडे सीरीज में खेलेगी, जहां रोहित और विराट अपने फॉर्म को जारी रखने की कोशिश करेंगे।

## यूरोपीय शतरंज क्लब कप में दिव्या और गुकेश नें जीते दोहेरे स्वर्ण पदक

रोड्ज , ग्रीस ( एजेंसी )। में आयोजित 40वें यूरोपीय शतरंज क्लब कप 2025? में भारतीय खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ रिकॉर्ड कायम किया। सुपरचेस? (रोमानिया) क्लब ने ओपन वर्ग में 14 में से 14 अंकों के साथ खिताब पर कब्जा जमाया। इस टीम की जीत में विश्व चैंपियन डी. गुकेश का प्रदर्शन निर्णायक रहा, जिन्होंने पहले बोर्ड पर गोल्ड मेडल जीता। वहीं, नॉर्थ मैसेडोनिया की टीम अल्कालॉइड जिसमें भारत से अर्जुन एरीगैसी , अरविंद चितांबरम और अभिमन्यु पौराणिक थे ने 12 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया और डिफेंडिंग चैंपियन नोवी बोर (चेक गणराज्य) जिसमें भारत से विदित गुजराती और पेंटला हरिकृष्णा थे ने उतने ही अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में सर्कल डी शे मोंटे कार्लो ? ने 13 में से 13 अंक अर्जित कर खिताब जीत लिया। भारत की ग्रांड मास्टर दिव्या देशमुख, जिन्होंने हाल ही में महिला विश्व कप 2025? जीता था, इस क्लब के लिए खेलते हुए अपने बोर्ड पर व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने में सफल रहीं। मौजूदा चैंपियन वाइफुन एसके ल्युब्लियाना तीसरे स्थान पर रही, जबकि सर्बिया की सर्मियम सेम्स्का मित्रोविका ने दूसरा स्थान हासिल किया। ओपन वर्ग में भारत के चार खिलाड़ियों ने अपने बोर्ड पर गोल्ड मेडल जीते - विश्व चैंपियन डी. गुकेश ( सुपरचेस), निहाल सारिन ( बेयगन पेंडिक), अभिमन्यु पुराणिक ( अल्कालॉइड) और दिव्या देशमुख ( मोंटे-कार्लो)। वहीं, अरविंद चितांबरम को अपने बोर्ड पर कांस्य पदक मिला। इस बार का आयोजन भारतीय खिलाड़ियों के लिए सबसे सफल साबित हुआ। पहली बार, ओपन और महिला दोनों वर्गों की विजेता टीमों में भारतीय ग्रैंडमास्टर शामिल रहे। ओपन वर्ग की शीर्ष तीनों टीमों में भी कम से कम एक भारतीय खिलाड़ी खेला। कुल सात राउंड के इस स्विस सिस्टम टूर्नामेंट में यूरोप की 100 से अधिक शीर्ष टीमें और लगभग 800 खिलाड़ी शामिल हुए।

फुटबॉलः

## नेपाल ने भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को 2-1 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल की ओर से स्ट्राइकर सबित्रा भंडारी ने दूसरे और 63वें मिनट में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत की ओर से एकमात्र गोल करिश्मा शिरवोइकर ने 81वें मिनट में करके हार के अंतर को कम किया। भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को सोमवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में तीन देशों के अंतरराष्ट्रीय मैत्री टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में नेपाल के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। नेपाल की ओर से स्ट्राइकर सबित्रा भंडारी ने दूसरे और 63वें मिनट में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत की ओर से एकमात्र गोल करिश्मा शिरवोइकर ने 81वें मिनट में करके हार के अंतर को कम किया।

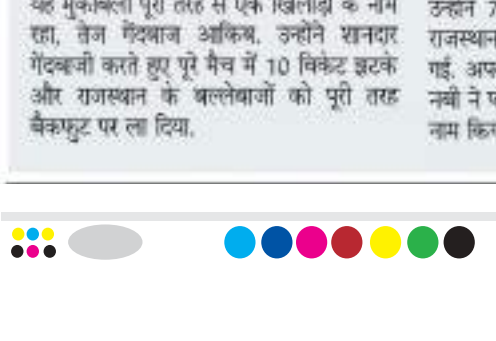



करिश्मा का सीनियर राष्ट्रीय टीम की ओर से यह पहला गोल है। सबित्रा ने दूसरे ही मिनट में नेपाल को बढ़त दिला दी जब उन्होंने भारतीय गोलकीपर इलांगबाम पेनथोई चानू को छकाकर गोल किया। नेपाल ने पहले हाफ में इस बढ़त को बरकरार रखा और मध्यांतर तक टीम 1-0 से आगे थी। सबित्रा ने 61वें मिनट में एक और गोल दागकर नेपाल की बढ़त 2-0 की। करिश्मा ने फेनजोबाम निर्मला देवी की फ्री किक पर गोल दागकर भारत को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन यह नाकाफी साबित हुआ।

रंजी ट्रॉफी 2025

## उमरान मलिक को भूल जाइए! अब आ गया जम्मू का नया तूफान

**10 विकेट लेकर आकिब नबी ने मचाई सनसनी**

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने राजस्थान के खिलाफ 10 विकेट लेकर सबको चौंका दिया. उमरान मलिक के बाद अब यही बन गए हैं टीम के नए स्पीड स्टार. जम्मू-कश्मीर की टीम ने रणजी ट्रॉफी 2025 के दूसरे राउंड में राजस्थान को एक पारी और 141 रन से करारी शिकस्त दी है. श्रीनगर के मैदान पर खेला गया यह मुकाबला पूरी तरह से एक खिलाड़ी के नाम रहा, तेज गेंदबाज आकिब. उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए पूरे मैच में 10 विकेट झटके और राजस्थान के बल्लेबाजों को पूरी तरह बैकफुट पर ला दिया.

**आकिब नबी ने अकेले पलट दिया मैच:** पहली पारी में आकिब ने तीन विकेट लेकर राजस्थान को बड़ा स्कोर बनाने से रोका. उसके बाद दूसरी पारी में तो उन्होंने कहर ही बरपा दिया. उन्होंने 7 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा और राजस्थान की पूरी टीम सिर्फ 89 रन पर ढेर हो गई. अपनी घातक गेंदबाजी के दम पर आकिब नबी ने प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी अपने नाम किया.

**उमरान मलिक नहीं, अब आकिब नबी की चर्चा:** कुछ साल पहले जब भी जम्मू-कश्मीर की क्रिकेट की बात होती थी, तो सबसे पहले उमरान मलिक का नाम याद आता था. उमरान भारत के सबसे तेज गेंदबाजों में से एक थे, लेकिन हाल के महीनों में उमरान मलिक की लय गुम हो गई है. वे राजस्थान के खिलाफ इस मैच में भी खेले, लेकिन एक भी विकेट नहीं ले पाए. वहीं, दूसरी ओर आकिब नबी ने अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. अब पूरा क्रिकेट जगत जम्मू-कश्मीर के इस नए -स्पीड स्टार की तारीफ कर रहा है.

**कौन हैं आकिब नबी?:** 28 साल के आकिब नबी जम्मू-कश्मीर के बारामुल्ला जिले से आते हैं.

उनके पिता एक स्कूल टीचर हैं. आकिब पढ़ाई के मामले में भी काफी अच्छे हैं. एक टैलेंट हंट के दौरान उनकी प्रतिभा को पहचाना गया और उसके बाद उन्होंने क्रिकेट को गंभीरता से लेना शुरू किया. दिलचस्प बात यह है कि बारामुल्ला में उस वक्त कोई औपचारिक कोचिंग सुविधा नहीं थी, इसलिए आकिब ने खुद को बेहतर बनाने के लिए डेल स्टेन के वीडियो देखकर सीखना शुरू किया. वे स्टेन को अपना वर्चुअल कोच मानते हैं.

**करियर और उपलब्धियां:** अब तक आकिब नबी 33 प्रथम श्रेणी, 29 लिस्ट ए, और 27 टी20 मैच खेल चुके हैं. उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 113 विकेट, लिस्ट ए में 42 विकेट, और टी20 में 28 विकेट अपने नाम किए हैं.

# ट्रम्प को नोबेल के लिए नॉमिनेट करेगा जापानः अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री तकाइची से मुलाकात की



**टोक्यो, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को जापान की नई प्रधानमंत्री साने तकाइची से टोक्यो के अकासाका पैलेस मुलाकात की। इस दौरान ट्रम्प ने जापान को अमेरिका का सबसे मजबूत सहयोगी बताया। साथ ही जापान की हर संभव मदद का ऐलान किया। तकाइची हाल ही में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी हैं। दोनों के बीच बैठक में ट्रेड और सिक्योरिटी के मुद्दे पर बात हुई। तकाइची ने घोषणा की कि जापान, अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर अगले साल 250 चेरी के पेड़ भेंट करेगा। साथ ही ट्रम्प को अगले साल नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट भी करेगा। ट्रम्प सोमवार को जापान पहुंचे थे, जहां उन्होंने सम्राट नारुहितो से मुलाकात की। ट्रम्प आज दोपहर तकाइची के साथ योकोसुका नौसैनिक अड्डे का दौरा करेंगे। यहां अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन तैनात है।

**अमेरिका में 550 अरब डॉलर निवेश करेगा जापान :** ट्रम्प और तकाइची ने मंगलवार को ट्रेड और रेयर अर्थ मिनरल्स से जुड़े दो अहम समझौतों पर साइन किए। व्यापार समझौते के तहत जापान, अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निवेश करेगा। इसके बदले में अमेरिका, जापानी निर्यात पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। रेयर अर्थ मिनरल्स से जुड़े समझौते का मकसद इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए जरूरी खनिजों की सप्लाई चेन को मजबूत बनाना है। माना जा रहा है कि यह कदम ट्रम्प पर जापान से रक्षा खर्च बढ़ाने के दबाव को कम कर सकता है। ट्रम्प चाहते हैं कि जापान अपनी सेना पर ज्यादा पैसे खर्च करे। तकायची ने पिछले को बताया था कि जापान अपने रक्षा बजट को देश की जीडीपी का 2% तक बढ़ाएगा। बैठक के दौरान ट्रम्प और तकाइची ने दिवंगत जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे को भी याद किया। तकाइची ने ट्रम्प को आबे का गोल्फ क्लब गिफ्ट में देने की बात कही।

**दक्षिण कोरिया में चीनी राष्ट्रपति से मिलेंगे ट्रम्प :** जापान के बाद ट्रम्प दक्षिण कोरिया पहुंचेंगे। जहां वे एशिया-पेसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। यहां पर उनकी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात होगी। ट्रम्प चीन से एक व्यापार समझौता करना चाहते हैं ताकि व्यापार युद्ध खत्म हो सके। इस समझौते में अमेरिकी सोयाबीन की खरीद, दुर्लभ मिट्टी के खनिजों पर प्रतिबंध हटाना और फेंटेनिल जैसी दवाओं के कच्चे माल पर नियंत्रण शामिल है। अमेरिका ने फरवरी 2025 में चीन पर 10% टैरिफ लगाया था, जो अप्रैल तक 145% हो गया। ट्रम्प को लगता है कि यह डील उनकी महान डीलमेकर की छवि को और मजबूत करेगी। ट्रम्प के मलेशिया पहुंचने से पहले अमेरिका और चीन के बड़े अधिकारियों ने शनिवार को कुआलालंपुर में ट्रेड वार्ता की। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं ट्रेड वॉर रोकने और अगले हफ्ते दक्षिण कोरिया में होने वाले एशिया-पेसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन शिखर सम्मेलन में ट्रम्प और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात कराने की कोशिश कर रही हैं। यह बातचीत तब हुई जब ट्रम्प ने 1 नवंबर से चीनी सामानों पर 100% टैक्स लगाने और अन्य व्यापार नियम कड़े करने की धमकी दी थी। यह धमकी चीन की तरफ से कुछ खास खनिजों और मैग्नेट के निर्यात पर रोक लगाने के बाद आई थी। ट्रंप-तकाइची की मुलाकात में दिखे हल्के पल इस दौरान दोनों की बैठक के दौरान एक मजेदार लम्हा तब आया, जब ट्रंप ने तकाइची से हाथ मिलाया। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, यह तो बहुत मजबूत हैंडशेक है। इस पर प्रधानमंत्री ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया और कहा कि उन्होंने कार्यक्रम से पहले अमेरिकी वर्ल्ड सीरीज का रोमांचक मैच देखा। तकाइची एलान किया कि जापान अगले वर्ष अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ पर 250 चेरी के पेड़ भेंट करेगा और आकीता प्रीफेक्चर से आतिशबाजी भी भेजेगा। अपने संबोधन में ताकाइची ने पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे का जिक्र किया, जिन्हें वे अपना राजनीतिक मार्गदर्शक मानती हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री आबे अक्सर आपकी ऊर्जावान कूटनीति की तारीफ करते थे। ट्रंप ने भी ताकाइची की भूमिका को अहम बताते हुए कहा, जापान की मदद के लिए जो भी कर सकेंगे, हम करेंगे। हम सबसे मजबूत स्तर पर सहयोगी हैं।

इस बीच दोनों नेताओं ने व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की । ट्रंप लगभग 550 अरब डॉलर के जापानी निवेश को अंतिम रूप देना चाहते हैं, जिससे अमेरिका अपने व्यापार घाटे को कम करने की कोशिश में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तकाइची अमेरिकी कंपनी फोर्ड के एफ-150 ट्रकों की खरीद पर भी विचार कर रही हैं। ट्रंप लंबे समय से जापान की तरफ से अमेरिकी गाड़ियों के न खरीदे जाने की आलोचना करते रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति मंगलवार को टोक्यो में अमेरिकी नौसेना के विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन पर तैनात सैनिकों से भी मिलने वाले हैं। इससे पहले सोमवार को उन्होंने जापान के सम्राट से औपचारिक मुलाकात की थी।

# आइवरी कोस्ट के राष्ट्रपति अलासाने औटारा चौथी बार चुने गए, शुरुआती नतीजों में 89.7% वोट से जीत

**यामौसूकरो , एजेंसी।** आइवरी कोस्ट के राष्ट्रपति अलासाने औटारा को चौथी बार देश का राष्ट्रपति चुना गया है। शुरुआती नतीजों के अनुसार, 83 वर्षीय औटारा को 89.7 प्रतिशत वोट मिले हैं। रविवार को हुए चुनाव में मतदाता उपस्थिति कम रही और अबीजान की सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिला। औटारा वर्ष 2011 से सत्ता में हैं और उन्हें देश की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने का श्रेय दिया जाता है। हालांकि, विपक्ष ने उन पर सत्ता पर पकड़ मजबूत करने और लोकतंत्र को कमजोर करने के आरोप लगाए हैं। इस चुनाव में उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित किया गया था, जिससे औटारा की जीत लगभग तय मानी जा रही थी। अंतिम नतीजे नवंबर की शुरुआत तक घोषित किए जा सकते हैं।

**चीनी विदेश मंत्री ने रुबियो से बात की :** चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बात की चीनी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इस दौरान वांग ने कहा, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच लंबे समय से आदान-प्रदान और एक-दूसरे का सम्मान है। मंत्रालय के अनुसार, उन्होंने शी और ट्रंप के संबंधों को चीन-अमेरिका संबंधों में सबसे मूल्यवान रणनीतिक संपत्ति बताया। यह बातचीत बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सीईओ शिखर सम्मेलन के दौरान शी और ट्रंप के बीच होने वाली संभावित बैठक से पहले हुई।

सोमवार की बातचीत के बारे में चीन की ओर से जारी बयान में सीधे तौर पर इस बात की पुष्टि नहीं की गई कि दोनों मिलेंगे, लेकिन व्हाइट हाउस ने पहले कहा था कि वे मिलेंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि रुबियो और वांग ने दोनों देशों के नेताओं के बीच अमेरिका-चीन संबंधों के महत्व और आगामी बैठक पर चर्चा की, हालांकि उन्होंने कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। दोनों देशों के वार्ताकारों ने सप्ताहांत में मलेशिया में मुलाकात की ताकि राष्ट्रपतियों के लिए सोयाबीन और टिकटॉक जैसे मुद्दों पर विचार करने हेतु एक रूपरेखा व्यापार समझौते पर बातचीत की जा सके। अपेक्षाकृत शांत अवधि के बाद हाल के हफ्तों में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार तनाव फिर से बढ़ गया है। बीजिंग अपने दुर्लभ मृदा नियंत्रण का विस्तार कर रहा है और वाशिंगटन चीनी जहाजों पर अतिरिक्त बंदरगाह शुल्क लगाने पर जोर दे रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### घर की सफाई नहीं की तो चंद्रप्रभा ने काट डाला पति का गला, अमेरिका में हुई गिरफ्तार

**नॉर्थ कैरोलिना, एजेंसी।** अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना से हाल ही में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां राज्य के शार्लोट में घरेलू विवाद के बाद एक 44 वर्षीय भारतीय मूल की महिला ने कथित तौर पर अपने पति का गला काट दिया। जानकारी के मुताबिक घटना बीते 12 अक्टूबर को हुई। धारदार हथियार से चाकू से वार करने के आरोप में महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। महिला की पहचान चंद्रप्रभा सिंह के रूप में हुई है। [illegible] की एक रिपोर्ट के मुताबिक महिला एक प्राइमरी स्कूल में शिक्षिका की सहायक के रूप में काम करती थी। गिरफ्तारी वारंट के मुताबिक उस पर अवैध रूप से जानबूझकर, अपराधपूर्ण तरीके से किसी अन्य व्यक्ति पर हमले का आरोप लगाया गया है। उसका पति हमले में गंभीर रूप से घायल हुआ और फिलहाल उसका इलाज जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पति-पत्नी के बीच मामूली बात को लेकर बड़ा झगड़ा हो गया था। चंद्रप्रभा ने कहा कि उसके पति ने घर की सफाई करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद वह निराश हो गई। हालांकि उसने पुलिस को बताया कि जब वह नाश्ता बनाने लगी तो गलती से पति को चाकू लग गया। वहीं पति ने बताया कि चंद्रप्रभा ने उस पर जानबूझकर हमला किया, जिसके बाद उसमें 911 पर कॉल किया। आरोपी महिला को शुरुआत में एक मजिस्ट्रेट ने जमानत देने से इनकार कर दिया था। हालांकि 13 अक्टूबर को अदालत में पेशी के दौरान उसे 10,000 डॉलर की जमानती राशि पर बेल मिल गई। फिलहाल महिला को जेल से रिहा कर दिया गया है लेकिन उसे घायल पति से कोई बातचीत ना करने का आदेश दिया गया है।

### ब्रिटेन में एलजीबीटीक्यू+ सैनिकों को समर्पित पहला राष्ट्रीय स्मारक

**लंदन, एजेंसी।** किंग चार्ल्स तृतीय ने सोमवार को ब्रिटेन के पहले राष्ट्रीय स्मारक को समर्पित किया, जो एलजीबीटीक्यू+ (लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल और ट्रांसजेंडर) सैनिकों के सम्मान में बनाया गया है। यह समारोह मध्य इंग्लैंड के नेशनल मेमोरियल आर्बोरेटम में आयोजित हुआ। स्मारक को उन सैनिकों की याद में बनाया गया है जिन्हें 1967 से 2000 के बीच समलैंगिक या ट्रांसजेंडर होने के कारण सेना से निष्कासित कर दिया गया था। किंग चार्ल्स ने समारोह में फूल अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। 1999 में यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय के आदेश के बाद ब्रिटेन ने सेना में समलैंगिकता पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया था।2023 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इस अन्याय के लिए औपचारिक माफी मांगी थी और पीड़ित सैनिकों को मुआवजा देने की योजना शुरू की थी।

### डच सांसद की वजह से अप्रवासन मुद्दे पर नीदरलैंड में फिर चुनाव

**एम्स्टर्डम , एजेंसी।** नीदरलैंड में प्रवासी-विरोधी सांसद गीर्ट वाइल्डर्स के कारण नीदरलैंड में एक बार फिर अचानक चुनाव हो रहे हैं। दरअसल, वाइल्डर्स ने अपने दक्षिणपंथी एजेंडे के चलते गठबंधन सरकार से अपने मंत्रियों को हटा दिया था, जिससे जून में फिर से चुनावों का एलान हुआ। अप्रवासन को नियंत्रित करने का मुद्दा इस बार नीदरलैंड चुनाव अभियान में हावी रहा है। हालांकि, एग्जिट पोल बताते हैं कि अगर वाइल्डर्स फिर से जीतते भी हैं, तब भी उनके के लिए बहुमत का गठबंधन बनाना मुश्किल होगा। वाइल्डर्स ने नीदरलैंड में अप्रवासन को पूरी तरह रोकने के लिए 10 सूत्रीय योजना पर ध्यान केंद्रित किया है। जर्मनी में प्रोफेसर लियोनी डी जोंग ने कहा है कि यह दूर-दक्षिणपंथ की वैश्विक बढ़ोतरी के अनुरूप है।

### तिब्बती व्यक्ति को अमेरिका में दो साल से अधिक की जेल

**ल्हासा, एजेंसी।** तिब्बत के एक व्यक्ति को वित्तीय लाभ के लिए फर्जी शरण आवेदन जमा करने की साजिश में शामिल होने के लिए दो साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई गई है। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। जानकारी के मुताबिक, तेनजिन नोरबू (56) को 27 महीने की जेल और 170,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भुगतान करने का आदेश दिया गया है। जांच से पता चला कि 2007 से 2018 के बीच, नोरबू ने अपने और कई अन्य लोगों के शरण आवेदन तैयार किए थे, जिनमें झूठी कहानियां गढ़ी गई थीं। जांच के दौरान नोरबू अमेरिका से कनाडा भाग गया था। लेकिन, पांच साल बाद उसे अमेरिका को सौंप दिया गया। कोर्ट के दस्तावेजों में कहा गया है कि यह मामला लगभग 100 लोगों को प्रभावित कर रहा है।

# मेटा ऑस्ट्रेलिया में देगा 270 करोड़ का मुआवजा, कैम्ब्रिज एनालिटिका प्रकरण से जुड़ा है मामला

**सिडनी, एजेंसी।** मेटा ने ऑस्ट्रेलिया में फेसबुक उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता उल्लंघन से संबंधित मामले में पांच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 270 करोड़ रुपये) के मुआवजा फंड की घोषणा की है। यह ऑस्ट्रेलिया में गोपनीयता उल्लंघन के लिए अब तक का सबसे बड़ा भुगतान कार्यक्रम है। करीब 3.11 लाख ऑस्ट्रेलियाई फेसबुक उपयोगकर्ता इस फंड से मुआवजे के पात्र हैं। पात्र दावेदारों की दावा दर्ज करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। इस तरह के भुगतान कार्यक्रम अमेरिका में पहले भी शुरू हो चुके हैं। यह मुआवजा कैम्ब्रिज एनालिटिका प्रकरण से जुड़ा है, जिसमें 2010 के दशक में ब्रिटेन की एक डाटा कंपनी ने दुनिया भर के 8.7 करोड़ फेसबुक प्रोफाइलों से निजी जानकारी एकत्रित की थी। अमेरिका में इस मामले में मेटा पर पांच अरब अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया गया था और 72.5 करोड़ डॉलर की मुआवजा योजना बनाई गई थी।

**दिसंबर तक समाप्त होगी दावा संबंधी प्रक्रिया :** 'दिस इज यॉर डिजिटल लाइफ' नामक एप के जरिये केवल 53 ऑस्ट्रेलियाई उपयोगकर्ताओं ने यह क्विज इंस्टॉल किया था। ऑस्ट्रेलियाई सूचना आयुक्त ने मेटा के साथ प्रवर्तनीय समझौते के तहत सहमति जताई थी। यह दावा प्रक्रिया 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त होगी।

**कौन कर सकता है दावा :** वे उपयोगकर्ता जो 2 नवंबर, 2013 से 17 दिसंबर, 2015 के बीच फेसबुक पर सक्रिय थे, उस अवधि में कम से कम 30 दिन ऑस्ट्रेलिया में रहे और या तो लाइफ एप इंस्टॉल किया था अथवा किसी ऐसे व्यक्ति के मित्र थे जिसने यह एप इंस्टॉल किया था, वे दावा करने के पात्र हैं।

# फिलिस्तीन में सैनिक भेजेगा पाकिस्तान, गाजा के लिए गली-गली से जुटाया था चंदा



**इस्लामाबाद, एजेंसी।** गाजा में इजरायली हमलों को लेकर चिंतित रहने वाला पाकिस्तान अब वहां अपने सैनिक भेजेगा। पाकिस्तान की सरकार ने गाजा में बड़े पैमाने पर मदद भेजी थी। इसके अलावा इस्लामिक संगठनों ने गली-गली से चंदा और सहायता सामग्री जुटाई थी। अब पाकिस्तान की ओर से वहां सेना भेजने की भी तैयारी है, जो इंटरनेशनल स्टैबिलाइजेशन फोर्स का हिस्सा होगी। फिलहाल सरकार इसे लेकर विचार कर रही है। फिलहाल पाकिस्तान की सेना और सरकार के बीच इसे लेकर चर्चा चल रही है। फिलहाल खबर यही है कि पाकिस्तान की सरकार चाहती है कि हमारी सेना गाजा स्टेबिलाइजेशन फोर्स का हिस्सा बने। गाजा जाने वाली फोर्स में ज्यादातर सैनिक मुस्लिम बहुल देशों के ही रहेंगे। इस फोर्स की जिम्मेदारी होगी कि आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखे। इसके अलावा यह भी तय किया जाए कि हमास निरस्त्रीकरण हो। वहीं बॉर्डर क्रॉसिंग की सुरक्षा और मानवीय सहायता को लोगों तक पहुंचाने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। इसके अलावा गाजा में तमाम इमारतों को दोबारा से बनाने करने की तैयारी है। इनकी निगरानी भी स्टेबिलाइजेशन फोर्स करेगी। अहम बात यह है कि अमेरिकी प्रशासन ने अपने सैनिकों को गाजा भेजने से इनकार किया है। फिलहाल अमेरिका की सलाह पर इंडोनेशिया, यूएई, मिस्र, कतर, तुर्की और अजरबैजान की ओर से सेनाएं भेजी जा रही हैं।

हालांकि इजरायल ने तुर्की के इस फोर्स में शामिल होने पर ऐतराज जताया है। इजरायल का कहना है कि यह सीधे तौर पर हमारे खिलाफ खड़े होना और चैलेंज करना है। रविवार को तो बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा ही था कि हम तय करेंगे कि किन देशों को गाजा में जाने की अनुमति मिलेगी। इसके अलावा उन्होंने तुर्की के सुरक्षा बलों की भूमिका का विरोध करने की बात भी कही थी। ऐसे में देखना होगा कि तुर्की और पाकिस्तान जैसे देशों की ओर से गाजा में सेना भेजे जाने पर इजरायल का क्या रिएक्शन रहता है।

पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर इसमें काफी दिलचस्पी ले रहे हैं। माना जा रहा है कि पाकिस्तान इस बहाने इस्लामिक दुनिया में खुद को एक मजबूत मुल्क के तौर पर स्थापित करना चाहता है। सालों से पाकिस्तान इस्लामिक मुद्दों पर आक्रामक रहा है और गाजा एवं कश्मीर के मसले को यही रंग देने की उसकी कोशिश रही है।

# क्या सच में टेस्ला को छोड़ देंगे मस्क? बोर्ड प्रमुख ने एक ट्रिलियन डॉलर की वेतन योजना पर चिंता जताई



**ऑस्टिन (टेक्सास), एजेंसी।** टेस्ला की बोर्ड प्रमुख रोबिन डेनहोम ने चेतावनी दी कि अगर शेयरधारक छह नवंबर को कंपनी की सालाना बैठक में एलन मस्क के प्रस्तावित एक ट्रिलियन की भुगतान योजना को स्वीकार नहीं करते हैं, तो मस्क कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद से इस्तीफा दे सकते हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अपने निवेशकों को लिखे पत्र में रोबिन डेनहोम ने कहा कि यह प्रदर्शन पर आधारित योजना मस्क को कम से कम अगले साढ़े सात वर्षों तकटेस्ला का नेतृत्व करते रहने के लिए बनाई गई।

उन्होंने कहा कि मस्क का नेतृत्व कंपनी के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा पैकेज नहीं मिला जो उन्हें पद पर बने रहने के लिए प्रोत्साहित करे, तो टेस्ला उनके समय, प्रतिभा और दृष्टि को खो सकता है। उन्होंने आगे कहा, उनका योगदान महत्वपूर्ण है क्योंकि टेस्ला का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और स्वचालित ड्राइविंग तकनीक में विस्तार करने का लक्ष्य रखा है।

रॉयटर्स के मुताबिक, प्रस्ताविक योजना के तहत अगर टेस्ला 8.5 ट्रिलियन डॉलर का बाजार मूल्य और स्वचालित प्रणाली व रोबोटिक्स में प्रगति जैसे बड़े लक्ष्यों को पूरा करता है, तो मस्क को 12 अलग-अलग हिस्सों में शेयर विकल्प दिए जाएंगे। डेनहोम ने कहा कि यह योजना कंपनी की सफलता और शेयरधारकों के लाभ के अनुसार मस्क को इनाम देगा। उन्होंने निवेशकों से तीन ऐसे निदेशकों को फिर से चुनने को कहा, जो लंबे समय से मस्क के साथ करीब से काम कर रहे हैं।

कुछ शेयरधारकों और विशेषज्ञों ने टेस्ला के बोर्ड की आलोचना की है। उनका मानना है कि बोर्ड मस्क से पूरी तरह स्वतंत्र नही था। इस साल की शुरुआत में डेलावेयर की एक अदालत ने यह कहते हुए मस्क का 2018 का भुगतान समझौता रद्द कर दिया कि इसे ऐसे निदेशकों ने संभाला जो पूरी तरह स्वतंत्र नहीं थे।

# तीसरी बार चुनाव लड़ना पसंद करूंगा, मेरे पास बेहतरीन आंकड़े.., अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का बयान



**टोक्यो, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 2028 में तीसरी बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने की संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं कर रहे हैं। एयर फोर्स वन में पत्रकारों ने व्हाइट हाउस के पूर्व रणनीतिकार स्टीव बैनन के हालिया बयान के बारे में पूछा तो ट्रंप ने मुस्कुराते हुए कहा, मैं ऐसा करना पसंद करूंगा। मेरे पास अब तक के सबसे बेहतरीन आंकड़े हैं। बैनन ने सुझाव दिया था कि ट्रंप को तीसरी बार चुनाव लड़ना चाहिए।

**तीसरी बार चुनाव लड़ने पर गंभीरता से विचार नहीं किया: ट्रंप :** हालांकि, ट्रंप ने तुरंत यह भी कहा कि उन्होंने वास्तव में तीसरी बार चुनाव लड़ने को लेकर अभी तक गंभीर तक गंभीरता से विचार नहीं किया है। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि उनके मौजूदा कार्यकाल के बाद रिपलब्लिकन पार्टी का नेतृत्व कौन कर सकता है। उन्होंने 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के संभावित उम्मीदवारों के रूप में विदेश मंत्री मार्को रूबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का नाम लिया।

**ट्रंप ने रूबियो और वेंस की जमकर तारीफ की :** ट्रंप ने कहा, हमारे पास कुछ बहुत अच्छे लोग हैं। उन्होंने रूबियो की ओर इशारा करते हुए आगे कहा, हमारे पास शानदार लोग हैं। इस पर ज्यादा बात करने की जरूरत नहीं है। उनमें से एक तो यहीं खड़े हैं। राष्ट्रपति ने अपने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, स्पष्ट है कि जेडी बहुत शानदार हैं। उपराष्ट्रपति बेहतरीन हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई इन दोनों के खिलाफ चुनाव लड़ेगा।

**बैनन तीसरी बार चुनाव लड़ने के लिए ट्रंप को कर रहे प्रोत्साहित :** राजनीतिक पत्रिका पॉलिटिको के मुताबिक, ट्रंप के करीबी सहयोगियों में से एक स्टीव बैनन लंबे समय से उन्हें तीसरी बार चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में अपने पॉडकास्ट में कहा था कि एक योजना तैयार की जा रही है, जिससे ट्रंप तीसरी बार चुनाव लड़ सकें। हालांकि, अमेरिकी संविधान के तहत कोई भी राष्ट्रपति केवल दो कार्यकाल तक ही पद पर रह सकता है।

**एशिया दौरे के दूसरे चरण में जापान पहुंचे ट्रंप :** इस बीच, ट्रंप अपने एशिया दौरे के दूसरे चरण में जापान पहुंच गए हैं। इससे पहले उन्होंने मलयेशिया की यात्रा पूरी की, जहां उन्होंने आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। कुआलालंपुर से रवाना होने से पहले उन्होंने मलयेशियाई अधिकारियों और नागरिकों को विदा कहा, जिससे उनका 24 घंटे का दौरा समाप्त हुआ। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, अभी मलयेशिया से रवाना हो रहा हूं। यह एक शानदार और जीवंत देश है। यहां हमने बड़े व्यापारिक और दुर्लभ खनिज (रेयर अर्थ) समझौतों पर हस्ताक्षर किए और सबसे अहम बात.. थाईलैंड और कंबोडिया के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। कोई युद्ध नहीं! लाखों लोगों की जानें बचीं। यह काम पूरा करना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान था।

# पूर्वोत्तर राज्यों में साजिश रच रहा हाफिज सईद, करीबी ने डाला बांग्लादेश में डेरा; भारतीय सीमा पर एक्टिव

**ढाका, एजेंसी।** लश्कर-ए-तैयबा संस्थापक और 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के साजिशकर्ता हाफिज सईद का करीबी सहयोगी इब्तिसाम इलाही जहीर इन दिनों बांग्लादेश में बेहद सक्रिय है। सूत्रों के अनुसार, वह देश के कई संवेदनशील सीमावर्ती जिलों में जाकर भड़काऊ भाषण दे रहा है और कट्टरपंथी तत्वों से संपर्क स्थापित कर रहा है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, जहीर पाकिस्तान की मरकजी जमीयत अहले हदीस का महासचिव है। वह 25 अक्टूबर को ढाका पहुंचा। उसके बाद उसने राजशाही और चपाइनवाबगंज जैसे भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे इलाकों का दौरा किया। इस सप्ताह वह रंगपुर जाने वाला है। यह जहीर की इस साल की दूसरी बांग्लादेश यात्रा है। फरवरी 2025 में भी वह एक हफ्ते से अधिक समय तक वहीं रहा था।

**सीमा पर गतिविधियों से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क :** भारत की सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, जहीर की इस बार की यात्रा का एजेंडा बेहद चिंताजनक है। उसकी यात्रा में कई सीमावर्ती जिले शामिल हैं- रंगपुर, लालमोनिरहाट, नीलफामारी, जॉयपुरहाट और नागांव जहां वह स्थानीय धार्मिक समूहों से मिल रहा है। वह 6-7 नवंबर को राजशाही के पाबा उपजिला के डांगीपारा में होने वाले बड़े सलफी सम्मेलन में हिस्सा लेने वाला है। जहीर 8 नवंबर को पाकिस्तान लौटेगा।

**भड़काऊ भाषण और भारत-विरोधी बयान :** एक वीडियो में, जहीर को चपाइनवाबगंज में एक धार्मिक सभा के दौरान यह कहते सुना गया, इस्लाम के लिए खुद को और अपने बच्चों को कुर्बान करने के लिए तैयार रहोज्पाकिस्तान से बांग्लादेश तक सभी मुसलमान सेक्युलर ताकतों के खिलाफ एकजुट होंगे। उसने आगे कश्मीर का जिक्र करते हुए कहा, कश्मीरियों को



उनकी आजादी से वंचित किया जा रहा है। पाकिस्तान की जिम्मेदारी है कि वह कश्मीर में हो रहे अन्याय के खिलाफ मजबूत आवाज उठाए। अल्लाह की कृपा से वह दिन आएगा जब कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा।

**बांग्लादेश की स्थितिः हसीना के जाने के बाद बढ़ा कट्टरपंथ :** अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में अंतरिम शासन चल रहा है, जिसकी अगुवाई अर्थशास्त्री मुहम्मद यूनुस कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस अंतरिम शासन के दौरान चरमपंथी नेटवर्क को नई जगह और खुली गतिविधि का मौका मिला है, जिन्हें पहले हसीना सरकार ने कड़े नियंत्रण में रखा था। जहीर की यात्राओं और उसके भाषणों को इसी पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है।

**हाफिज सईद और जाकिर नाइक से गहरे रिश्ते :** इब्तिसाम इलाही जहीर न केवल हाफिज सईद का भरोसेमंद सहयोगी है, बल्कि वह भारतीय भगोड़े और कट्टरपंथी प्रचारक जाकिर नाइक के भी संपर्क में है। दोनों की मुलाकात अक्टूबर 2024 में पाकिस्तान में हुई थी। जहीर पिछले 24 वर्षों से हाफिज सईद, उसके साले अब्दुल रहमान मक्की (जो अब मारा जा चुका है), और लश्कर के सह-संस्थापक आमिर हमजा से जुड़ा हुआ है। उसकी अहले हदीस की विचारधारा पूरे दक्षिण एशिया में सलाफी नेटवर्क को वैचारिक आधार और धार्मिक वैधता देने का काम कर रही है।

**स्थानीय नेटवर्क से संपर्क :** ढाका में जहीर ने निब्रास इंटरनेशनल स्कूल के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया और अहले हदीस मूवमेंट बांग्लादेश के प्रमुख असदुल्लाह अल गालिब से मिलने की योजना भी बनाई है। यह वही संगठन है जिसे पहले चरमपंथी गतिविधियों से जुड़े आरोपों का सामना करना पड़ा था। सुरक्षा विश्लेषकों के अनुसार, यह गतिविधि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में अस्थिरता फैलाने की बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकती है। बांग्लादेश की सीमा से लगे इलाकों में सलफ़ी नेटवर्क की बढ़ती मौजूदगी, भारत के लिए सुरक्षा चुनौती बन सकती है।

**अब तक सरकार की चुप्पी :** बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अब तक जहीर की यात्रा पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, जबकि उसके भाषणों और सीमावर्ती गतिविधियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां पहले से सतर्क हैं।

## ड्रग सिंडिकेट के खिलाफ एनसीबी की बड़ी कार्रवाई, दाऊद इब्राहिम का करीबी दानिश चिकना गोवा से गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के करीबी और ड्रग सिंडिकेट का प्रमुख दानिश मर्चेंट उर्फ दानिश चिकना को गोवा से गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई टीम ने की और कहा जा रहा है कि इस गिरफ्तारी से दाऊद के ड्रग नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। एनसीबी की जानकारी के मुताबिक, दानिश चिकना मुंबई के डोंगरी इलाके में ड्रग फैक्ट्री चला रहा था और पूरे देश में ड्रग नेटवर्क मैनेज कर रहा था। उसका नाम पहले भी कई बार ड्रग्स के धंधे में आ चुका था। 2019 में एनसीबी ने डोंगरी में दाऊद की ड्रग फैक्ट्री पर छापा मारकर करोड़ों रुपये की ड्रग्स जब्त की थी। यह फैक्ट्री सब्जी की दुकान की आड़ में चलाई जा रही थी। उस समय दानिश चिकना को राजस्थान से गिरफ्तार किया गया था। कुछ समय जेल में रहने के बाद वह बाहर आया और फिर से ड्रग्स के धंधे में सक्रिय हो गया। सूत्रों के मुताबिक, दानिश चिकना दाऊद के पुराने साथी यूसुफ चिकना का बड़ा बेटा है। जांच एजेंसियों ने साफ किया है कि दाऊद से उसके करीबी रिश्ते हैं। पिछले कुछ महीनों से एनसीबी और मुंबई पुलिस दोनों उसे ढूंढ रही थीं। दानिश कई बार पुलिस को चकमा दे चुका था। लेकिन इस बार गोवा के एक होटल में उसके छिपे होने की जानकारी मिलने के बाद एनसीबी ने अचानक छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। बताया गया है कि एनसीबी के अधिकारियों ने दानिश चिकना को गोवा से मुंबई लाने की तैयारी शुरू कर दी है। जांच अधिकारियों को शक है कि उससे दाऊद इब्राहिम के ड्रग नेटवर्क के बारे में अहम जानकारी मिल सकती है। शुरुआती पूछताछ में दानिश से मुंबई में कई ड्रग तस्करी रैकेट, मनी ट्रांसफर नेटवर्क और डिस्ट्रीब्यूशन चेन के बारे में जानकारी मिलने की संभावना है। इस कार्रवाई से दाऊद इब्राहिम के ड्रग साम्राज्य पर बड़ा असर पड़ने की संभावना है। इस गिरफ्तारी से पुलिस को मुंबई, गोवा, राजस्थान और गुजरात में फैले नेटवर्क के एक बड़े तार हाथ लगे हैं।

## जुबीन गर्ग को अंतिम विदाई... उनकी अस्थियां ब्रह्मपुत्र नदी में विसर्जित की गई

गुवाहाटी (एजेंसी)। दिवंगत गायक जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग ने बुधवार को उनकी अस्थियां ब्रह्मपुत्र नदी में विसर्जित कीं। जुबीन गर्ग ने एक बार इच्छा जाहिर की थी कि उनके चले जाने पर उन्हें ब्रह्मपुत्र में विसर्जित किया जाए, जिसका सम्मान करते हुए यह रस्म पूरी की गई। अंतिम विदाई की यह रस्म गुवाहाटी के रचित घाट पर हुई, जहाँ परिवार के सदस्यों (बहन पाल्मी बोरठाकुर सहित), मीडिया और भारी संख्या में फैंस मौजूद थे। जुबीन गर्ग का निधन 19 सितंबर, 2025 को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान एक दुर्घटना में हुआ था। मृत्यु का कारण पानी में दम घुटना बताया गया है। वहीं सीबीआई और असम की सीआईडी उनकी मृत्यु की जाँच कर रही हैं। जुबीन गर्ग की आखिरी फिल्म रोई रोई बिनाले जल्द ही रिलीज़ होने वाली है, जिसकी रिकॉर्डिंग वह अपने अंतिम दिनों में कर रहे थे। उनके प्रशंसक इस फिल्म का ज़ोरदार प्रचार कर रहे हैं, ताकि जुबीन गर्ग का सपना बड़े पर्दे तक पहुँच सके। यह प्रचार गाँवों से लेकर शहरों तक, सोशल मीडिया से लेकर जमीनी स्तर तक हो रहा है। कई सिनेमा हॉल के मालिक भी जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि देने के लिए आगे आए हैं और फिल्म के प्रीमियर के आसपास विशेष स्क्रीनिंग और उनकी याद में कार्यक्रम की योजना बना रहे हैं।

## फांसी के इंतजार में काटी 12 साल की जेल, बरी होने पर मांगा मुआवजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट उन 3 व्यक्तियों की दायर रिट याचिकाओं पर सुनवाई करेगा, जिन्होंने गलत सजा और मौत की सजा का दोष झेलने के बाद बरी होने पर मुआवजे की मांग की है। याची ने 12 साल जेल में बिताए और बाद में सुप्रीम कोर्ट द्वारा बरी किए गए। याचिकाकर्ता ने अपनी गलत गिरफ्तारी, अभियोजन और दोषसिद्धि के लिए मुआवजे की मांग की है। मुख्य याचिकाकर्ता 41 वर्षीय रामकिरत मुनिलाल गौड़ है, जो महाराष्ट्र राज्य से गलत दोषसिद्धि और बारह साल की कैद, जिसमें से छह वर्ष उन्होंने फांसी की सजा के इंतजार में बिताए। उन्होंने मुआवजा मांगा है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बरी करते समय पाया था कि उनकी दोषसिद्धि त्रुटिपूर्ण और दूषित जांच पर आधारित थी। पीठ ने मामले में 27 अक्टूबर को कहा कि हम भारत सरकार के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अटॉर्नी जनरल से आग्रह करते हैं कि वह इस मामले में अदालत की सहायता करें। दूसरे याचिकाकर्ता तमिलनाडु के कट्टावेल्लई और उत्तर प्रदेश के संजय को भी हत्या व बलात्कार के मामले में मृत्युदंड की सजा सुनाई गई थी जिन्हें बाद में सुप्रीम कोर्ट ने बरी किया था। कट्टावेल्लई के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि गलत तरीके से कैद करने के मामलों में मुआवजा देने के लिए एक कानून होना चाहिए।

## शिरडी दर्शन से लौटते साईं भक्तों की कार पलटी, 3 की मौत, 4 घायल

नासिक(एजेंसी)। शिरडी साईं बाबा के आशीर्वाद लेने आए भक्तों पर दैव ने कहर बरपा दिया। शिवरात इलाके में शिरडी दर्शन कर लौट रही फॉर्च्यूनर कार अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हैं। घटना रात के समय हुई। कार में सवार सात लोग शिरडी से घर लौट रहे थे। दो की मौके पर ही मौत, पांच घायलों को ग्रामीणों और पुलिस ने रेस्क्यू कर नासिक के निजी अस्पताल भेजा। रास्ते में एक और ने दम तोड़ा। बाकी चार का इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि कार तेज रफ्तार में थी। आस-पास के सीसीटीवी फुटेज से हादसे की वजह पता की जा रही है। प्रारंभिक जांच में चालक की लापरवाही और नियंत्रण खोना मुख्य कारण लग रहा है। यह महाराष्ट्र में सड़क हादसों का दूसरा बड़ा मामला है। 18 अक्टूबर को वाशिम जिले के समृद्धी महामार्ग पर जऊलका पुलिस स्टेशन के पास इनोवा कार डिवाइडर से टकरा गई। कार मुंबई से ओडिशा के जगन्नाथ पुरी दर्शन के लिए जा रही थी। इसमें सवार सभी म्यांमार के नागरिक थे।

# बिहार चुनाव के पहले चरण में 2 प्रत्याशी 80 से ऊपर और 432 दागी मैदान में

**पटना (एजेंसी)।** बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में दो प्रत्याशी ऐसे है जो 80 साल से ज्यादा आयू के हैं। जबकि 432 दागी प्रत्याशी चुनावी मैदान में दिख रहे हैं। बता दें पहले चरण के 121 विधानसभा क्षेत्रों में उतरे 1303 उम्मीदवारों में 40 फीसदी करोड़पति हैं। औसतन एक उम्मीदवार के पास 3.26 करोड़ रुपये की संपत्ति है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल उम्मीदवारों में 36 फीसदी (463) की आयु 25 से 40 वर्ष के बीच की है। 51 फीसदी (669) उम्मीदवारों ने अपनी आयु 41 से 60 वर्ष के बीच बताई है। 13 प्रतिशत (169) उम्मीदवारों ने 61 से 80 वर्ष के बीच आयु घोषित की है। दो उम्मीदवारों की उम्र 80 वर्ष से भी अधिक है।

एडीआर (एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स) और बिहार इलेक्शन वॉच ने पहले चरण के उम्मीदवारों के शपथ पत्र के आधार पर जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में कुल 1314 में से 1303 उम्मीदवारों द्वारा घोषित वित्तीय, आपराधिक, शिक्षा, लिंग एवं अन्य विवरणों के आधार पर विश्लेषण किया गया है। चुनाव के पहले चरण में नौ फीसदी (121) महिला उम्मीदवार चुनाव लड़ रही हैं। इस चरण में 432 दागी मैदान में हैं। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक 50 फीसदी (651) उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता स्नातक या उससे अधिक की है। 105 उम्मीदवार डिप्लोमाधारक, 105 साक्षर और आठ असाक्षर हैं। 40 फीसदी (519) उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता 5वीं से 12वीं के बीच की है।

कुल उम्मीदवारों में आठ फीसदी (103) के पास दस करोड़ से अधिक, जबकि सात फीसदी (93) के पास पांच से दस करोड़ रुपये की संपत्ति है। इनके अलावा 25 फीसदी (323) उम्मीदवारों के पास एक से पांच करोड़, 32 फीसदी (417) उम्मीदवारों के पास 20 लाख से एक करोड़ और 28 फीसदी (367) उम्मीदवारों के पास 20 लाख रुपये से भी कम की संपत्ति होने की जानकारी दी गयी है।

इस चरण में मुंगेर से भाजपा उम्मीदवार कुमार प्रणय (170 करोड़ की संपत्ति) को सबसे धनी उम्मीदवार बताया गया है। दूसरे स्थान पर सीवान से निर्दलीय राजकिशोर गुप्ता (137 करोड़) और तीसरे स्थान पर मोकामा के जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह (100 करोड़) का नाम है। भाजपा के 48 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 11.30 करोड़, राजद के 70 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 10.37 करोड़, जदयू के 57 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 8.75 करोड़, कांग्रेस के 23 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 5.85 करोड़ रुपये और जन सुराज पार्टी के 114 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 5.72 करोड़ रुपये है।

## गोवा में 34 अधिकारियों के तबादले पर सियासी घमासान, कांग्रेस बोली- चुनाव आयोग के निर्देशों का हुआ उल्लंघन

**पणजी (एजेंसी)।** चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा गोवा समेत नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा के तुरंत बाद राज्य सरकार द्वारा किए गए 34 अफसरों के तबादलों ने सियासी विवाद खड़ा कर दिया है। गोवा कांग्रेस ने इन तबादलों को चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन बताते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने सोमवार को गोवा सिविल सेवा के 34 जूनियर स्केल अधिकारियों का तबादला आदेश जारी किया। अधिकारियों का कहना है कि यह नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया है और कुछ अफसर नियुक्ति की प्रतीक्षा में थे। हालांकि, गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित पाटकर ने मंगलवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर कहा कि तबादला किए गए कई अधिकारी चुनावी प्रक्रिया से जुड़े हैं, जिनमें डिप्टी कलेक्टर, मुख्य अधिकारी और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर की घोषणा के बाद ऐसे तबादले चुनाव आयोग के मानदंडों का स्पष्ट उल्लंघन हैं, क्योंकि आयोग की पूर्व अनुमति के बिना चुनावी कार्यों से जुड़े अधिकारियों का स्थानांतरण नहीं किया जा सकता। पाटकर ने मांग की कि राज्य सरकार के इन अनियमित तबादलों को तत्काल रद्द किया जाए, ताकि गोवा में चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनी रहे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी संजय गोयल ने बताया कि तबादलों में कुछ निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी भी शामिल हैं और उन्होंने कहा कि यह मुद्दा राज्य सरकार के समक्ष उठाया जाएगा।

## छठ महापर्व पर छाया मातम, बिहार में 83 लोगों की डूबने से हुई मौत

**पटना (एजेंसी)।** छठ महापर्व अकेले बिहार में 83 लोग हादसे का शिकार हुए और उनकी जान चली गई। अकेले पटना 9 लोगों की डूबने से मौत हुई है। इनमें अधिकतर की जान छठ घाट बनाते समय पैर फिसलने, नहाने या फिर अर्घ्य देते समय गहरे पानी में चले जाने से हुई है। मृतकों में दक्षिण बिहार से 34, कोसी-सीमांचल, पूर्वी बिहार के 30 और उत्तर बिहार के 19 लोग शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक पटना से सटे मोकामा में मरांची के बादपुर स्थित गंगा घाट पर मंगलवार सुबह करीब 6:30 गंगा स्नान के दौरान डूबने से रॉकी पासवान (21) की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही रॉकी की बहन सपना ने भी सदमे में दम तोड़ दिया। इस घटना से परिवार से कोहराम मच गया। बादपुर निवासी चूहा पासवान के पुत्र रॉकी गंगा में स्नान कर रहा था। तभी वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। स्थानीय गोताखोर और एसडीआरएफ टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद रॉकी पासवान का शव बरामद कर लिया। इस घटना की जानकारी जैसे ही सपना कुमारी को हुई। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने तत्काल उसे मरांची स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। रॉकी पासवान ने हाल ही में होमगार्ड का फिजिकल टेस्ट निकाला था और परिवार में खुशी का माहौल था।पटना जिले में गंगा स्नान के दौरान अलग-अलग स्थानों पर 15 लोग डूब गए जिनमें नौ की मौत हो गई। मोकामा में तीन, बाढ़ -बिहटा और खगौल में दो-दो की जान गई है। वहीं, मनेर में डूबे दो और अथमलगोला में एक युवक की तलाश जारी है। बाढ़ में तीन, खगौल में एक और गोपालपुर स्थित तालाब में डूबे युवक को बाहर निकाल एक घंटे सीपीआर देकर बचा लिया गया। वैशाली जिले के राघोपुर और महुआ में छठ घाट बनाने के बाद नहाने के दौरान डूबने से दो किशोर, महनार में एक छठव्रती, गोपालगंज जिले के भोरे थाने दुबे जिगना गांव में दो, औरंगाबाद दो, भोजपुर एक, बेगूसराय एक, नावानगर एक, रोहतास एक की मौत हो गई। छपरा में भी डूबने से एक की मौत हो गई। बाढ़ के जमुनीचक निवासी व्रती मुन्नी देवी (60) छठ पूजा के बाद गंगा घाट से लौटने के दौरान हार्ट अटैक आने से अचेत हो गई। परिजनों ने अनुमंडल अस्पताल में इलाज के लिए लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी मिलने के बाद पुत्र और अन्य परिजन फूट-फूट कर रोने लगे।

# अदालतों में आपराधिक मामलों में आरोप तय होने में लंबी देरी पर चिंतित सुप्रीम कोर्ट

### भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता का पालन नहीं कर रही अदालतें

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देशभर की अदालतों में आपराधिक मामलों में आरोप तय करने में हो रही लंबी देरी पर चिंता जाहिर की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह देरी न्याय प्रणाली की दक्षता पर गंभीर सवाल पैदा करती है। कई बार आरोपी सालों तक जेल में बंद रहते हैं, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हो पाता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि देशभर में कई इसतरह के केस हैं, जिसमें चार्जशीट दाखिल हुए 3-4 साल हो गए, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हुआ। शीर्ष अदालत ने साफ संकेत दिया कि वह अब इस समस्या पर पूरे देश के लिए समान दिशानिर्देश जारी करने पर विचार होना चाहिए है, ताकि इस प्रणालीगत देरी को समाप्त कर सके। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा को अमाइकस क्यूरी (न्यायालय मित्र) नियुक्त किया है। साथ ही भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अटॉर्नी जनरल से भी विषय पर न्यायालय की सहायता करने को कहा गया है। अदालत ने बिहार राज्य के वकील को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया है।

पीठ एक इसतरह के मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोपी करीब दो साल से जेल में था। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि चार्जशीट 2023 में दाखिल की गई थी, लेकिन अभी तक आरोप तय नहीं हुए हैं। इस पर जस्टिस अरविंद कुमार ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, दीवानी मामलों में मुद्दे तय नहीं होते, आपराधिक मामलों में आरोप तय नहीं होते। आखिर कठिनाई क्या है? अगर यह स्थिति जारी रही, तब हम पूरे देश के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने की कोशिश में है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 251(बी) में यह प्रावधान है कि सत्र न्यायालय के मामलों में पहली सुनवाई से 60 दिनों के भीतर आरोप तय किए जाने चाहिए, लेकिन अदालतों में इसका पालन नहीं हो रहा।

## आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत, स्वास्थ्य आधार पर मिली सशर्त जमानत

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बुधवार को आसाराम को बड़ी राहत देकर रेगुलर जमानत मंजूर कर दी है। यह फैसला कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा की डिवीजन बेंच ने दिया। आसाराम की ओर से स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर नियमित जमानत याचिका दायर की गई थी। इस याचिका पर बुधवार को जोधपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने आसाराम को उपचार और स्वास्थ्य संबंधी कारणों को देखकर राहत दी। बात दें कि आसाराम वर्तमान में जोधपुर की जेल में यौन शोषण के मामले में सजा काट रहे हैं। इससे पहले भी उन्हें कई बार अस्थायी जमानत दी गई थी और कई बार जमानत देने से इंकार किया था। लेकिन लगातार बिगड़ते स्वास्थ्य और चिकित्सीय रिपोर्टों को देखने के बाद अदालत ने इस बार रेगुलर जमानत को मंजूरी दी। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला शर्तों के साथ जमानत के रूप में लागू किया जाएगा, जिसके तहत आसाराम को इलाज के दौरान अदालत द्वारा तय नियमों का पालन करना होगा।

## पंजाब के एक और रिटायर्ड पुलिस अफसर पर गिरी गाज, झूठा केस बनाने के मामले में गिरफ्तार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** रिश्वत और झूठे मामले दर्ज करने के मामले में पंजाब के कई पुलिस अफसर निशाने पर आ गए हैं। पहले रिश्वत केस में डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर धरे गए अब पंजाब पुलिस के रिटायर्ड एसएसपी रशपाल सिंह को हेरोइन तस्करी से जुड़े एक मामले में स्पेशल टास्क फोर्स ने गिरफ्तार किया है। रशपाल सिंह दो साल पहले रिटायर हुए हैं। आठ साल पहले अमृतसर के एक व्यक्ति पर एक किलो हेरोइन का फर्जी केस दायर किया था। इसी मामले में रशपाल सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। चार्जशीट में उनके अलावा इंस्पेक्टर सुखविंदर सिंह, सब इंस्पेक्टर प्रभजीत सिंह व बलविंदर सिंह, थानेदार कुलविंदर सिंह, थानेदार सुरजीत सिंह, थानेदार कुलबीर सिंह, थानेदार बेअंत सिंह, कुलवंत सिंह और हवलदार हीरा सिंह के नाम भी शामिल हैं।

रशपाल सिंह जब एसटीएफ चीफ थे तो उनकी टीम ने साल 2017 में गुरजंट सिंह उर्फ सोनू नाम के व्यक्ति से एक किलो हेरोइन बरामद की थी। पुलिस ने हेरोइन की यह खेप बलविंदर सिंह के नाम पर दिखा दी और गुरजंट सिंह को रिहा कर दिया। पुलिस ने बलविंदर सिंह को फंसाने के लिए फर्जी कहानी बनाई थी। बलविंदर सिंह को रशपाल सिंह की टीम ने 3 अगस्त 2017 को सिविल अस्पताल पट्टी तरनतारन से गिरफ्तार किया था। बाद में उस पर एक किलो हेरोइन का केस दर्ज कर लिया था। उस पर पाकिस्तान से हेरोइन मंगवाने के भी आरोप लगाए गए। तीन अन्य आरोपियों के नाम मामले में जोड़ दिए थे।बलविंदर के खिलाफ सप्लीमेंट्री रिपोर्ट में बताया था कि भौर सिंह नाम के आरोपी के खेतों में हेरोइन की एक और खेप दबी है। इसके बाद पुलिस को खेत से चार किलो 530 ग्राम हेरोइन, एक पिस्टल, तीन मैगजीन और 56 कारतूस बरामद किए। पुलिस ने बलविंदर सिंह, मेजर सिंह और भौर सिंह के खिलाफ अमृतसर की अदालत में चार्जशीट पेश की। वहीं, बलविंदर सिंह के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की लेकिन इसमें गुरजंट सिंह का जिक्र नहीं था, जिससे शक गहरा गया। इस पर बलविंदर सिंह ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने नवंबर 2019 में मामले की जांच के लिए डीजीपी डायरेक्टर ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन प्रमोद बान को कहा। जांच में डीजीपी की तरफ से बलविंदर सिंह की कॉल डिटेल्स, सीसीटीवी फुटेज और लोकेशन का डाटा दिसंबर 2020 को हाईकोर्ट में दाखिल किया गया। कॉल डिटेल्स और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सवाल खड़े हुए और जनवरी 2021 को हाईकोर्ट ने जांच सीबीआई को सौंप दी। सीबीआई ने स्पेशल कोर्ट में एसटीएफ के एआईजी रशपाल सिंह सहित 10 पुलिस कर्मियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इसके अलावा कुछ और अफसर भी बताए जा रहे हैं जो इस तरह के मामलों में निशाने पर हैं।

## वोट बैंक के लिए देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है इंडिया गठबंधन : भाजपा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) पर निशाना साधते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन वोट बैंक के लिए देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है।

पार्टी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने बुधवार को यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में असम के श्रीभूमि में कांग्रेस पार्टी की बैठक में पार्टी के बड़े नेता द्वारा बंगलादेश का राष्ट्रगान गाने पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि इंडिया गठबधंन की एक ही पहचान बन गयी है, 'जुबान पर संविधान, पर मन में वोट बैंक की दुकान' । उन्होंने कहा कि कल तक पाकिस्तान को अपना घर बताने वाली कांग्रेस अब बंगलादेश पर मेहरबान हो गयी है। पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस वोट बैंक की दुकान चलाने के लिये अवैध बंगलादेशी घुसपैठियों और

रोहिंग्याओं का साथ देने के एजेंडे पर उतर आयी है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह पार्टी लगातार कई वर्षों से बंगलादेशी घुसपैठियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। इसी अभियान के तहत संप्रग के कार्यकाल में देश में करोड़ों घुसपैठियों को बसाने का काम किया गया। उन्होंने आगे कहा कि अब तो कांग्रेस पार्टी अपने मंच से बंगलादेश का राष्ट्र गान गाकर अपना समर्थन प्रकट करती है। पूनावाला ने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस उस बंगलादेश का राष्ट्रगान गा रही है जिसने हमारे देश के उत्तर पूर्व भाग विशेषकर असम में अराजकता फैलाने की कोशिश की थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यह घुसपैठिया प्रेम सिर्फ कांग्रेस में ही नहीं बल्कि इंडिया गठबंधन के बाकी दल भी कर रहे हैं। इस होड़ में तृणमूल, कांग्रेस, द्रमुक सभी शामिल हैं। पूनावाला ने कहा कि इंडिया गठबंधन के दलों में तुष्टिकरण और वोटबैंक के लिए ऐसा करने की होड़ लगी है। जिसके चलते कांग्रेस पार्टी अपने आधिकारिक मंच से घुसपैठियों का समर्थन करती है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि तृणमूल भी जंगलराज और शरिया का राज चाहती है। पश्चिम बंगाल में हिंसा करने वाले, दंगा करने वाले और जंगलराज बनाने वाले लोगों को ममता सरकार खुला संरक्षण देती है। प्रवक्ता ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा नेताओं पर हमले और मेडिकल छात्रा से दुष्कर्म की घटना पर संविधान बचाने की बात करने वाले कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी एक शब्द भी नहीं बोलते हैं।

# भारत और रूस अगली पीढ़ी की ब्रह्मोस-2 हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल बनने को तैयार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और रूस संयुक्त रूप से अगली पीढ़ी की ब्रह्मोस-2 हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। यह मिसाइल मंजूरी के अंतिम चरण में है और ब्रह्मोस-2 को 2031 तक भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ब्रह्मोस-2 मौजूदा ब्रह्मोस मिसाइल का उन्नत संस्करण है, जो पहले से कहीं अधिक तेज, सटीक और तकनीकी रूप से आधुनिक होगी। ब्रह्मोस-2 मिसाइल की रेंज 1500 किलोमीटर तक होगी और यह ध्वनि की गति से पांच गुना (मैक-5 से मैक-8) यानी करीब 8500 से 10,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भर सकेगी। यह इतनी तेज गति से चलेगी कि किसी भी देश की मौजूदा मिसाइल डिफेंस प्रणाली के लिए ब्रह्मोस-2 को रोक पाना लगभग असंभव होगा। यह मिसाइल जमीन, समुद्र, हवा और पनडुब्बी से दागी जा सकेगी।

रूस परियोजना में स्क्रैमजेट इंजन तकनीक दे रहा है, जबकि भारत इसके सीकर, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर-रोधी एवियोनिक्स सिस्टम विकसित कर रहा है। मिसाइल में 200 से 300 किलोग्राम का विस्फोटक वारहेड लगाया जाएगा, जो किसी भी सामरिक या सैन्य ठिकाने को पूरी तरह नष्ट करने में सक्षम होगा। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रह्मोस-2 के आने से भारत की रणनीतिक क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। 1500 किमी की रेंज के चलते मिसाइल भारत से दागे जाने पर पूरा पाकिस्तान और चीन का करीब 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्र कवर कर सकेगी। उदाहरण के लिए, राजस्थान या गुजरात से लांच करने पर कराची, लाहौर, इस्लामाबाद और रावलपिंडी जैसे प्रमुख पाकिस्तानी शहर निशाने पर आने वाले है। जबकि अरुणाचल प्रदेश या लद्दाख से लांच करने पर चीन के तिब्बत, सिचुआन, कुनमिंग और शिनजियांग के सैन्य ठिकाने मिसाइल की रेंज में आ जाएंगे।

ब्रह्मोस-2 परियोजना की शुरुआत 2011 में हुई थी। इसके विकास में भारत की रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस की एनपीओ मशिनोस्ट्रोयेनीया प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। 2020 में डीआरडीओ ने हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डेमॉन्स्ट्रेटर व्हीकल (एचएसटीडीवी) का सफल परीक्षण किया था, जिसने ब्रह्मोस-2 के विकास को नई दिशा दी। रक्षा विश्लेषकों के अनुसार, इस मिसाइल की तैनाती के बाद भारत अमेरिका, रूस और चीन के बाद दुनिया का चौथा देश बन जाएगा जिसके पास हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मिसाइल भारत की 'नो फर्स्ट यूज़' नीति को और विश्वसनीय बनाएगी तथा दुश्मन देशों के लिए एक प्रभावी डिटरेंस (रोकथाम क्षमता) साबित होगी।